@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 31 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 145 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

'पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर हम सब एकजुट रहें'

●भाजपा ने फैलाई गलतफहमी : प्रियंका गांधी वाड्रा

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर चिंता जताई है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हमें एक रहना चाहिए लेकिन भाजपा के लोग देश में गलतफहमी फैला रहे हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर केंद्र सरकार से स्पष्ट रणनीति पेश करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में लोगों की जान खतरे में है,

क्योंकि लगातार बमबारी हो रही है। ऐसे में सरकार को यह बताना चाहिए कि प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए क्या योजना बनाई गई है। प्रियंका गांधी ने कहा कि युद्ध जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति करना उचित नहीं है। इस मामले में पूरा देश एकजुट है और सभी की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि एकजुटता का मतलब यह नहीं है कि समस्याओं पर सवाल न उठाए जाएं। संसद में इस विषय पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए, ताकि सभी दल मिलकर समाधान खोज सकें।

प्रधानमंत्री का गुजरात दौरा आज

●सेमीकंडक्टर प्लांट समेत 20 हजार करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च 2026 को अपने गृह राज्य गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे आध्यात्मिक, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री एक सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन करेंगे और 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री के दौरे की शुरुआत सुबह 10 बजे गांधीनगर स्थित कोबा तीर्थ से होगी, जहां वे महावीर जयंती के अवसर पर 'सम्राट संप्रति संग्रहालय' का उद्घाटन करेंगे। यह संग्रहालय जैन धर्म के महान संरक्षक सम्राट संप्रति को समर्पित है। सात दीर्घाओं में फैले इस संग्रहालय में 2,000 से अधिक दुर्लभ कलाकृतियां, प्राचीन पांडुलिपियां और पत्थर व धातु की मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से यह संग्रहालय जैन धर्म की विकास यात्रा को प्रस्तुत करेगा।

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज को कोर्ट से राहत

●सोशल मीडिया से वीडियो हटाए जाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली । बॉलीवुड सेलेब्स के बाद अब मशहूर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज ने पर्सनलिटी राइट्स को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए शिकायत में शामिल सभी वीडियो/लिंक्स को यूट्यूब से हटाने का आदेश दिया है। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य का पक्ष पेश करने वाले वकील ने बताया कि इंटरनेट और सोशल मीडिया पर उनके नाम और वीडियो का गलत इस्तेमाल हो रहा है। कुछ जगहों पर उनके वीडियो या एआई से बने कंटेंट को इस तरह दिखाया जा रहा है जैसे वह खुद बोल रहे हों। अनिरुद्धाचार्य के वकील ने दलील दी कि सोशल मीडिया जो

सर्कुलेट हो रहा है, उसके चलते लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेंगे। गूगल की ओर से कोर्ट को बताया गया कि जहाँ तक यूट्यूब का सवाल है, अगर कोई वीडियो या कंटेंट एआई-जनरेटेड या गलत तरीके से बनाया गया है, तो उसे हटाया जा सकता है। गूगल ने कहा कि जिन लिंक की शिकायत अनिरुद्धाचार्य की ओर गई है, उनमें से कुछ फैन पेज के वीडियो भी हैं। इन वीडियो में अनिरुद्धाचार्य के कुछ पुराने बयान दिखाए गए हैं, जिनमें महिलाओं या विज्ञान से जुड़ी टिप्पणियों पर लोग आलोचना या सवाल उठा रहे हैं। हालांकि इसके साथ ही कथावाचक को राहत देते हुए कोर्ट ने सामाग्री को हटाने का आदेश दे दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि इस मामले के लिए वृंदावन का होने के बावजूद दिल्ली हाईकोर्ट का रुख क्यों किया, क्यों सभी को दिल्ली से इतना प्यार है। हाईकोर्ट की तरफ से कहा गया कि देश में और भी अदालतें हैं। अगर वो आदेश पास करेंगी तो क्या गूगल उसे नहीं मानेगा। कलकत्ता से लेकर इलाहाबाद और लखनऊ की अदालतें क्या इसमें आदेश पास नहीं कर सकतीं। दिल्ली से आपको इतना प्रेम क्यों है।

बैंक लॉकर में रखे पूरे सामान की वैल्यू पर क्यों नहीं मिल सकता मुआवजा

वित्त मंत्री ने संसद में दिया जबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि लॉकर में रखे सामान का नुकसान होने पर बैंक वार्षिक फीस का 100 गुना का मुआवजा लॉकर धारक को दे सकता है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में बैंक लॉकर में रखे गए पूरे सामान की वैल्यू पर मुआवजा मिलने को लेकर पूछे गए सवाल का जबाव देते हुए कहा कि यह लिमिट इस वजह से निर्धारित की गई है, क्योंकि बैंक को नहीं पता होता है कि ग्राहक द्वारा बैंक लॉकर में क्या-क्या सामान रखा गया है और बैंक द्वारा किसी भी ग्राहक से लॉकर में रखी चीजों की जानकारी मांगना बैंकिंग गोपनीयता नियमों के खिलाफ है। आगे वित्त मंत्री ने कहा कि वस्तु-वार मूल्यांकन या बीमा संभव न होने के कारण, बैंक लॉकर में रखे सामान का नुकसान होने पर भरपाई के लिए एक मानकीकृत क्षतिपूर्ति ढांचा लागू किया जाता है। अलग-अलग कवरेज की मांग करने पर सामान की जानकारी

●वहीं, बैंक लॉकर में कैश, हथियार, ड्रग्स, एक्सप्लोसिव, जल्द खराब होने वाली और रेडियोएक्टिव वस्तुएं और खतरनाक मानी जाने वाली वस्तुएं रखना अवैध है।

सार्वजनिक करनी होगी, जिसकी अनुमति बैंकिंग नियमों में नहीं है। बैंक लॉकर नियमों के मुताबिक, अगर लॉकर में रखा सामान बैंक की अनदेखी, कर्मचारी की धोखाधड़ी, आग, चोरी, डकैती, सेंधमारी और लूटपाट जैसी घटाने के कारण गायब हो जाता है तो बैंक को लॉकर धारक को मुआवजा देना है, जो कि लॉकर के लिए बैंक द्वारा ली जा रही वार्षिक फीस का 100 गुना होगा। उदाहरण के लिए अगर बैंक लॉकर के लिए 5,000 रुपए प्रति वर्ष चार्ज कर रहा है, तो लॉकर में उपरोक्त कारणों से नुकसान होने पर उसे ग्राहक को 5,00,000 रुपए का मुआवजा देना होगा। बैंक लॉकर में ज्वेलरी, लोन दस्तावेज, प्रॉपर्टी दस्तावेज, जन्म-शादी से जुड़े प्रमाणपत्र, इंश्योरेंस पॉलिसी, सेविंग्स बॉन्ड्स और अन्य गोपनीय दस्तावेज रखना वैध है।

संसद में बोलीं वित्त मंत्री- कानून के दुरुपयोग पर जुर्माना लगेगा, दिवालियेपन के आवेदन पर 14 दिन में फैसला

केंद्र सरकार ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (IBC) में बड़े बदलावों का प्रस्ताव रखते हुए स्पष्ट किया है कि प्रक्रिया में देरी की मुख्य वजह अत्यधिक मुकदमेबाजी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि प्रस्तावित संशोधनों के जरिए इस दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिए दंडात्मक प्रावधान लाए जा रहे हैं।

इन्सॉल्वेंसी आवेदन को 14 दिनों के भीतर करना होगा स्वीकार

वित्त मंत्री ने बताया कि नए बिल के तहत, किसी कंपनी में डिफॉल्ट स्थापित होने के बाद इन्सॉल्वेंसी आवेदन को 14 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से स्वीकार करना होगा। इससे मामलों के निपटान में तेजी आएगी और लंबित मामलों का बोझ कम होगा।

आईबीसी प्रक्रिया श्रमिकों के हित में

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आईबीसी प्रक्रिया में श्रमिकों के हित सुरक्षित हैं और उनके बकाया भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है। सरकार का कहना है कि संशोधन इस सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करेंगे।

जनगणना-2027 की तैयारियां अंतिम चरण में

●अप्रैल में शुरू होगा पहला चरण : जनगणना आयुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के रजिस्ट्रार जनरल (आरजीआई) और जनगणना आयुक्त ने सोमवार को घोषणा की कि आगामी जनगणना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पहले चरण में मकानों की सूची और आवास जनगणना (एचएलओ) के लिए कार्य अप्रैल से कई राज्यों में शुरू होने वाला है। नई दिल्ली के राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि जनगणना-2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। मकानों की सूची (एचएलओ) और जनसंख्या गणना (पीई) - के लिए 1 मार्च 2027 को संदर्भ तिथि के रूप में निर्धारित किया गया है। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमपातग्रस्त क्षेत्रों के लिए 1 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने तिथि के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह एक निश्चित समय

की तस्वीर के रूप में कार्य करती है, जिससे पूरे देश में एकसमान और विश्वसनीय जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक डेटा एकत्र करना संभव होता है।

नारायण ने कहा, 'जनगणना संदर्भ दिवस महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक निश्चित समय की तस्वीर के रूप में कार्य करता है, जो विशाल और विविध जनसंख्या में सटीक जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक डेटा प्राप्त करने के लिए एक समान संदर्भ बिंदु प्रदान करता है, जिससे डेटा की स्थिरता और वैधता सुनिश्चित होती है।

कानूनी सुरक्षा उपायों पर प्रकाश डालते हुए नारायण ने कहा-

'जनगणना अधिनियम में एक महत्वपूर्ण प्रावधान धारा 15 शामिल है, जिसमें कहा गया है कि दी गई व्यक्तिगत जानकारी को पूरी तरह से गोपनीय माना जाता है। इसे सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्रकट नहीं किया जा सकता है, अदालत में साक्ष्य के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है या किसी अन्य संगठन के साथ साझा नहीं किया जा सकता है।'

'असम में 10 साल में बीजेपी की विकास यात्रा'

नितिन नवीन बोले- कांग्रेस ने घुसपैठियों को अनुमति दी

एजेंसी

नई दिल्ली । असम में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब उसने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में प्रवेश करने की अनुमति दी। लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद इनकी एंट्री को रोका गया और अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालने का काम किया गया।

10 साल से बीजेपी की विकास यात्रा जारी

नवीन ने कहा कांग्रेस ने अवैध घुसपैठियों का समर्थन किया। लेकिन अब राज्य में बीजेपी सरकार ने इस प्रवृत्ति को उलट दिया है और अवैध घुसपैठियों को बाहर निकलने का रास्ता दिखाया है। उन्होंने 10 साल के भाजपा शासन में असम में हुए भारी विकास को रेखांकित करते हुए कहा

●राहुल गांधी पर भी साधा निशाना

एक चुनावी रैली में नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने जब पारंपरिक असमिया 'गमोचा' पहनने का प्रस्ताव रखा गया, तो उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया, जिससे असमवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंची। वहीं, मस्जिद में जाते समय वह आराम से सिर पर टोपी पहनते हैं।

लोगों को पहले की स्थिति याद रखनी चाहिए। पहले राज्य में आतंकवाद, हिंसा, निवेशकों का पलायन और युवाओं के सपनों का टूटना आम था। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

देश की सबसे बड़ी महिला-हितैषी डी.बी.टी. स्कीमों में शामिल यह योजना वित्तीय स्वतंत्रता और सम्मान में वृद्धि करेगी

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 30 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब कैबिनेट ने आज पूरे पंजाब में 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' को मंजूरी देकर इस योजना को शुरू करने का रास्ता साफ कर दिया है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए और बाकी सभी महिलाओं को 1000 रुपए सम्मान राशि मिलेगी। इस योजना से पंजाब की 97 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को लाभ पहुंचेगा। यह फैसला मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' योजना पूरे राज्य में शुरू की जाएगी। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रुपए और बाकी सभी महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह सम्मान राशि दी जाएगी। यह योजना महिलाओं को स्वतंत्र और सशक्त बनाकर उनकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगी। यह स्कीम महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत करेगी, जिससे वे बचत और निवेश कर

सकेंगी तथा घर-परिवार के लिए जरूरी इच्छाओं को पूरा करने में सक्षम बनेंगी। उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने पहले ही सामाजिक कल्याण और मानव विकास के क्षेत्र में बेमिसाल प्रगति की है, हालांकि राज्य भर में बड़ी संख्या में महिलाएं, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से संबंधित महिलाएं, वित्तीय सुरक्षा की कमी का सामना करती हैं। पारिवारिक कल्याण में सुधार करने, लिंग समानता को बढ़ावा देने और सामाजिक-आर्थिक फैसले लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत करना अत्यंत जरूरी है। इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने आगे कहा, इस योजना से 97 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की संभावना है, जो इसे देश की सबसे महिला-हितैषी सामाजिक सुरक्षा पहलों में शामिल करता है। यह योजना राज्य भर में महिलाओं को सीधी आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और महिलाओं के सशक्तिकरण के तहत उनके लिए वित्तीय स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के प्रति सरकार के विजन को दर्शाती है। शेष पृष्ठ 3 पर

केरल चुनाव से पहले राहुल गांधी ने जनता से किए कई वादे

●वाम दलों-भाजपा पर गुप्त समझौता करने का आरोप

एजेंसी

अदूर । राहुल गांधी ने सोमवार को केरल में विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों से पहले मतदाताओं से कई कल्याणकारी वादे किए। उन्होंने सत्तारूढ़ वामपंथी दलों और भाजपा के बीच 'गुप्त मिलीभगत' का आरोप लगाया। अदूर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने चुनावी लड़ाई को यूडीएफ और वाम-भाजपा के अप्रत्यक्ष गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला बताया। उन्होंने कहा, 'एक तरफ यूडीएफ है और दूसरी तरफ वाम और भाजपा का गठबंधन है।' उन्होंने 'छिपे हुए हाथ' का हवाला देते हुए तर्क दिया कि भाजपा वाम को राष्ट्रीय स्तर पर एक वास्तविक चुनौती के रूप में नहीं देखती है। राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा का वास्तविक रूप से विरोध करने वाले नेताओं को दबाव और जांच का सामना करना पड़ता है। अपने खिलाफ मामलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और वामपंथी नेतृत्व को इस तरह की गहन जांच का सामना नहीं करना पड़ता है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर केरल के विवादास्पद मुद्दे सबरीमाला पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया ताकि सीपीआई (एम) को राजनीतिक रूप से नुकसान न पहुंचे।

●प्रधानमंत्री का असम के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद, कहा-

विकास और घुसपैठ प्रमुख चुनावी मुद्दे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को असम के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से नमो ऐप के माध्यम से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा-एनडीए की हैट्रिक जीत के लिए कार्यकर्ताओं से कड़ी मेहनत करने की अपील की। उन्होंने विपक्षी दलों पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा असम की अस्मिता, सुरक्षा और संस्कृति से सीधे जुड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को नमो ऐप के जरिए 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं से बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी दायित्व सौंपती है, उसे निभाने के लिए वे पूरी ताकत लगाते हैं। असम में भाजपा-एनडीए की हैट्रिक लगे, इसके लिए

●प्रधानमंत्री ने नमो ऐप के जरिए 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं से बात की।

राज्य के पार्टी कार्यकर्ता जबरदस्त मेहनत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बोहाग बिहू और अन्य त्योहारों की तैयारियों के बीच चुनावी अभियान चलाने वाले कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि असम ने लंबे समय तक अस्थिरता, हिंसा और उग्रवाद का दौर देखा था, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार ने शांति, विकास और सुरक्षा का नया दौर शुरू किया है। पिछले 10 वर्षों में 12 बड़े शांति समझौते हुए हैं जो असम की नई तस्वीर बनाते हैं। संवाद के दौरान विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। सुनितपुर जिले के पंकज हजारी ने कहा कि साल 2016 से पहले असम में अराजकता और उग्रवाद चरम पर था, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद किसानों, व्यवसायियों और शिक्षकों के जीवन में अमूल्य परिवर्तन आया है। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 18-22 साल के युवा मतदाता केवल पिछले 10 साल की शांति को जानते हैं, इसलिए बूथ कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि उन्हें पुराने दिनों की हिंसा और कांग्रेस की नीतियों की याद दिलाएं। भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर भजन संध्या, विरासत उत्सव और योजनाओं पर चर्चा के कार्यक्रम आयोजित करें ताकि नई पीढ़ी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचे। तामलपुर जिले के

●'बोडोलैंड आज पूरे विश्व के लिए प्रेरणा बन गया है, जहां पहले कर्फ्यू और धमाके होते थे, आज शांति और सांस्कृतिक धुनें गूंज रही हैं। उन्होंने कहा कि बंदूक छोड़कर कलम थामने वाले पूर्व उग्रवादियों और उनकी माताओं के अनुभव साझा करने के कार्यक्रम बूथ स्तर पर आयोजित करें।'

धनेश्वर ने बोडोलैंड समझौते के बाद आए बदलाव को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि वह पार्टी कार्यकर्ता होने के साथ साथ वे व्यवसायी भी हैं। और राज्य के लोगों को पुरानी सरकार की कुरीतियों के बारे में बताते भी हैं।

टीएमसी और भाजपा आमने-सामने

सीएम ममता बनर्जी का तीखा प्रहार, कहा-

'चुनाव खत्म होते ही गैस-कैश देना बंद कर देगी भाजपा'

एजेंसी

बेलदा। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेलदा में एक बड़ी चुनावी रैली की। इस रैली में उन्होंने भाजपा की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। ममता बनर्जी ने जनता को चेतावनी देते हुए कहा, भाजपा चुनाव खत्म होते ही गैस और कैश देना बंद कर देगी। उन्होंने इसे भाजपा की एक सोची-समझी चाल और चुनावी खेल करार दिया।ममता बनर्जी ने भाजपा पर समाज को बांटने का गंभीर आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच नफरत और झगड़े पैदा कर रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, भाजपा इस तनावपूर्ण स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भाजपा के बहकावे में न आएं। ममता बनर्जी ने साफ किया कि भाजपा केवल सत्ता के लिए लोगों को आपस में लड़ाने का काम कर रही है और चुनाव के बाद वह अपने वादों से मुकर जाएगी।

'ममता बनर्जी लोगों को धमकी दे रहीं, टीएमसी ने हाईजैक किया चुनाव'

●भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत की है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुकांत मजूमदार और पीयूष गोयल ने अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और याचिका सौंपी।

'लोगों को धमका रहीं ममता बनर्जी'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हमारी एक-एक बात चुनाव आयोग ने सुनीं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री खुद घर तक जाकर धमकी दे रही हैं। उनकी पूरी टीम ने किस तरह पूरे चुनाव को हाईजैक किया है, हमने ये चिंता व्यक्त की है।' उन्होंने बताया, 'भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से अपील की है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। पिछले तीन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने दादागिरी करके जीत हासिल की। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि चुनाव लोगों को अपनी मर्जी से मतदान करने का एक अवसर होता है। लोकतंत्र में वोट एक मतदाता का अधिकार होता है, उसे कोई नहीं छीन सकता है। चुनाव आयोग को मतदाता के वोट को सुरक्षित करना चाहिए।'

ओबीसी कैटेगरी से बाहर करें मुसलमानों को... बीजेपी सांसद के लक्ष्मण की मांग पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में सोमवार को खूब गहमागहमी देखने को मिली। राज्यसभा में सोमवार को बीजेपी सांसद के लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग उठा दी। जिस पर ऊपरी सदन में खूब हंगामा मच गया। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा में बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग की, जिसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। उधर लोकसभा में भी भारी हंगामे के चलते कार्यवाही 12:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में सोमवार को उस वक्त माहौल गरमा गया जब बीजू जनता दल के सांसदों ने विरोध स्वरूप राज्यसभा से वॉकआउट किया। यह विरोध निशिकांत दुबे द्वारा ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के खिलाफ किया। बीजेडी सांसदों के नेता सास्मित पात्रा ने कहा कि दुबे ने बीजू पटनायक को 'सीआईए एजेंट' बताया, जो न केवल अपमानजनक है बल्कि सम्मानित नेता की छवि को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। इस मामले को लेकर बीजेडी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर राज्यसभा से वॉकआउट कर सदन के बाहर अपना विरोध दर्ज कराया। यह विरोध केवल सदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे पहले सांसद पात्रा ने एक और बड़ा कदम उठाकर संसदीय स्थायी समिति (आईटी) से इस्तीफा भी दे दिया था, जिसकी अध्यक्षता दुबे कर रहे हैं।

पंजाब में अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, पांच घायल

बठिंडा (एजेंसी)। बठिंडा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मचाना गांव के पास पेट्रोल पंप के नजदीक कार से सामने की टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई जबकि तीन महिलाओं समेत 5 गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बठिंडा के एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं एक अन्य हादसे में जगराते से लौटते समय कार टैंपो ट्रैवलर से टकरा गई। इस हादसे में मां-बेटा व पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है, जिसे हरियाणा के अस्पताल में भर्ती कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मल्लवाला निवासी स्वर्णजीत सिंह, विक्की सिंह और गुरुसर सैनेवाला निवासी प्रेम सिंह जस्सी बागवाली गांव में दर्शन कर लौट रहे थे। तभी उन्होंने बाइक को भारत माला रोड के गलत साइड पर मोड़ दिया सामने आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। वहीं कार में सवार तीन महिलाओं समेत पांच लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां बाइक सवार तीनों युवकों की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस मृतकों के परिजनों के बयानों पर कार चालक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। वहीं दूसरे हादसे में मां-बेटा और पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है। पोते के जन्म की खुशी में परिवार ने एक दिन पहले प्रार्थना सभा आयोजित की थी, लेकिन अगले दिन घर में मातम छा गया। अमर (22) और उसकी माता निर्मला देवी (50) अपनी बेटी के ससुराल में पोते के जन्म की खुशी में आयोजित जगराते में शामिल होने हरियाणा गए थे। जगराते के बाद जब माता-पिता पक्का कलां गांव लौटने लगे तो उनकी बेटी और पोता भी उनके साथ चले गए। फतेहाबाद के पास उनकी कार की टैम्पो ट्रैवलर से टक्कर हो गई जिसमें तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

देशभर में बम की धमकी से दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार, 1100 ई-मेल भेजकर मचाया था हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देकर सनसनी फैलाने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत कर्नाटक के मैसूर से 47 वर्षीय श्रीनिवास लुईस को दबोचा है। आरोपी की गिरफ्तारी कर्नाटक पुलिस के सहयोग से मैसूर के वृंदावन लेआउट स्थित एक मकान से की गई है। पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप और कई सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका उपयोग धमकियां भेजने के लिए किया जा रहा था। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया जा रहा है, जहाँ उससे गहन पूछताछ की जाएगी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अनुसार, आरोपी श्रीनिवास लुईस ने अब तक लगभग 1,100 धमकी भरे ई-मेल भेजने की बात कबूल की है। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग तकनीकी तरीकों और सिम कार्डों का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को भी व्यक्तिगत रूप से धमकी भरा ई-मेल भेजा था, जिसके बाद मामला दर्ज कर तकनीकी पड़ताल शुरू की गई थी। हफ्तों तक चली इस जांच के बाद पुलिस आरोपी के ठिकाने तक पहुँचने में सफल रही। पुलिस जांच में आरोपी की पृष्ठभूमि को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला श्रीनिवास पोस्टग्रेजुएट है, लेकिन वर्तमान में उसके पास कोई रोजगार नहीं है। वह अपनी बुजुर्ग मां के साथ रहता है, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं और घर का खर्च उनकी पेंशन से ही चलता है। शुरुआती जांच में पुलिस को संदेह है कि आरोपी गंभीर मानसिक तनाव से जूझ रहा था और संभवत: इसी हताशा में उसने इस तरह के कृत्यों को अंजाम दिया। पुलिस का मानना है कि उसने जान-बूझकर अदालतों और स्कूलों जैसे संवेदनशील संस्थानों को निशाना बनाया ताकि बड़े पैमाने पर दहशत पैदा की जा सके। श्रीनिवास की इन झूठी धमकियों की वजह से पिछले कुछ समय में सुरक्षा एजेंसियों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। कई बार स्कूलों और कार्यालयों को आनन-फानन में खाली कराना पड़ा, जिससे सामान्य कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ और जनता के बीच डर का माहौल बना रहा। अब दिल्ली पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था या श्रीनिवास ने अकेले ही इन वारदातों को अंजाम दिया।

राज्यसभा से हो रही दिग्गी राजा की विदाई.... लेकिन सियासी गलियारों में अगले कदम पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सियासी गलियारे में दिग्गी राजा के नाम से मशहूर दिग्विजय सिंह की राज्यसभा की पारी अगले महीने समाप्त होने वाली है। लेकिन सियासी हलकों में बड़ा सवाल यही है कि राज्यसभा से विदाई के बाद वे क्या करने वाले है।

मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव रहे दिग्विजय कांग्रेस पार्टी के अहम सिपहसालार तथा रणनीतिकार की भूमिका में रहे हैं। वे भले ही 79 साल की उम्र में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन अनुशासित जीवनशैली ने उन्हें आज भी पूरी तरह से चुस्त और तंदुरुस्त बनाए रखा है। दिग्गी राजा के बेटे जयवर्द्धन सिंह मध्य प्रदेश की राजनीति में जड़ें जमा चुके हैं। इसके बाद अपने गृह प्रदेश में उनके लिए गुंजाइश थोड़ी कम हो गई है। राष्ट्रीय राजनीति में भी दिग्विजय के लायक कोई ओहदा खाली दिखाई नहीं दे रहा।

बात दें कि सितंबर-अक्टूबर 2022 को पार्टी हाईकमान के खिलाफ अशोक गेहलोत की अप्रत्याशित बगावत ने दिग्विजय के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का 88वां अध्यक्ष बनने की राह अचानक से खोल दी थी। तब उन्हें राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर आनन-फानन में दिल्ली आना पड़ा था। यह सियासी विडंबना ही थी कि दिग्विजय ने जिस वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे से आशीर्वाद मांगा, कुछ घंटों बाद वे अध्यक्ष पद के लिए उन्हीं के नाम का अनुमोदन करते दिखाई दिए।

अनौपचारिक वार्ताओं में राहुल गांधी को यह मशविरा दिया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी की पैठ बनाने के लिए दिग्विजय की सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न साधु-संतों, गुरुओं और हिंदू धर्माचार्यों को जोड़ने वाले एक सेतु के रूप में हो सकता है।

दिग्विजय भगवा पार्टियों के 'हिंदुत्व' का विरोध कर स्वयं को सनातन धर्म का मुखर समर्थक बताते हैं। वे 'सच्चे हिंदुत्व' को परिभाषित करने के मसले पर कई बार भाजपा, आरएसएस, विहिप और अन्य हिंदूवादी संगठनों को 'शास्त्रार्थ' की चुनौती दे चुके हैं। उनका कहना है कि जो भी 'सर्वधर्म समभाव' में विश्वास नहीं रखता, वह सनातन धर्म का सच्चा अनुयायी नहीं हो सकता। उनके मुताबिक, हमारा सबसे पवित्र ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता है, न कि मनुस्मृति है। इस सप्ताह रामनवमी पर भी दिग्विजय अयोध्या में दिखाई दिए थे। इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि वे न धर्म की राजनीति करते हैं और न धर्म का राजनीति के लिए दुरुपयोग करते हैं।

एक दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय को उनके गृहनगर राघोगढ़ में 'हिंदूपति' यानी धर्म का रक्षक कहा जाता है। यह उपाधि महान योद्धा पृथ्वीराज चौहान के दौर से जुड़ी है, जिनके वंशज होने का दावा उनका परिवार करता है। पार्टी के अनेक नेताओं का कहना है कि अगर राहुल गांधी दिग्विजय सिंह के पुराने रिकॉर्ड को निकलने पर कई काम सामने आएंगे, जो आज की राजनीति में उन्हें और भी प्रासंगिक ठहराते हैं। फरवरी 2002 का 'दिग्घोरी सम्मेलन' इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जिसका मकसद राम जन्मभूमि आंदोलन पर विश्व हिंदू परिषद के एकाधिकार को ध्वस्त करना था। दिग्विजय, जो तब मप्र के मुख्यमंत्री थे, ने अपने गुरु स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की मदद से कांची कामकोटि पीठ के सम्मानित शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती को एक मंच पर लाने का कारनामा किया था। इन लोगों ने मिलकर स्वामी स्वरूपानंद की अगुवाई में एक 'रामालय ट्रस्ट' का गठन किया था। उन्होंने इसके बाद राम मंदिर निर्माण का जिम्मा विहिप के बजाय इस ट्रस्ट को सौंपे जाने का दावा किया था। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी दिघोरी में इन तीन शंकराचार्यों के साथ मंच साझा किया था। सोनिया के इस रुख से तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी काफी असहज हो गए थे। राम मंदिर के मुद्दे पर शंकराचार्यों के साथ सोनिया की नजदीकी पर वाजपेयी ने संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उन्होंने सवाल उठाया था कि जब सोनिया शंकराचार्यों के सामने नतमस्तक हो सकती हैं, तब विहिप के संतों से बातचीत करने के लिए उनकी आलोचना क्यों की जा रही है? वाजपेयी ने चुटकी लेकर कहा था, 'अगर वे शंकराचार्य का आशीर्वाद ले सकती हैं, तब मुझे महंत रामचंद्र परमहंस का आशीर्वाद लेने से वंचित क्यों किया जाना चाहिए?'

कांग्रेस सांसद प्रशांत पडोले सड़क हादसे में बाल-बाल बचे, कार के एयरबैग न खुलने पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया क्षेत्र से कांग्रेस सांसद डॉ. प्रशांत पडोले सोमवार सुबह एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब वे अपने निजी वाहन से भंडारा से नागपुर एयरपोर्ट के लिए निकले थे। सांसद को दिल्ली में आयोजित संसद सत्र में शामिल होने के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन रास्ते में ही एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि इस भीषण टक्कर के बावजूद सांसद और उनके ड्राइवर को कोई गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के तुरंत बाद सांसद डॉ. प्रशांत पडोले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस घटना की जानकारी साझा की। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को टैग करते हुए देश में सड़क सुरक्षा और वाहनों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, सांसद सुरक्षित नहीं, तो जनता का क्या होगा? उन्होंने विशेष रूप से कार की सुरक्षा प्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतनी जोरदार टक्कर के बाद भी वाहन के एयरबैग नहीं खुले। उन्होंने सरकार से मांग की कि वाहन निर्माता कंपनियों को सख्त आदेश दिए जाने चाहिए ताकि दुर्घटना के समय सुरक्षा उपकरण सही ढंग से काम करें। हादसे के बाद सांसद ने गजब की कर्तव्यनिष्ठा और जीवटता का परिचय दिया। मामूली चोटों और कार के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद उन्होंने अपना दिल्ली दौरा रद्द नहीं किया। प्राथमिक उपचार के बाद, उन्होंने एक दोपहिया वाहन से लिफ्ट ली और नागपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे संसद सत्र में शामिल होने के लिए दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उनके समर्थकों और स्थानीय नागरिकों ने उनकी इस सक्रियता की सराहना की है, लेकिन साथ ही बार-बार हो रहे हादसों पर चिंता भी जताई है। उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रशांत पडोले के साथ यह दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी वे एक सड़क हादसे का शिकार हुए थे। उस समय वे मुंबई से भंडारा लौट रहे थे, तभी सुबह के वक्त नागपुर बायपास के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पिछले साल हुए उस हादसे में भी वे और उनके ड्राइवर बाल-बाल बचे थे। एक साल के भीतर दूसरी बार हुए इस हादसे ने सुरक्षा मानकों और व्यस्त राजमार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और टक्कर मारने वाले ट्रक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

एआईएमआईएम नेता जामई पर मृतकों के नाम पर चंदा जुटाने का आरोप: पुलिस में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जामई एक गंभीर विवाद में फंस गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने हत्या के मामलों में जान गंवाने वाले युवकों के परिवारों की त्रासदी का फायदा उठाकर सोशल मीडिया के जरिए लाखों रुपये का चंदा इकट्ठा किया, लेकिन यह राशि पीड़ित परिवारों तक नहीं पहुंचाई गई। इस मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है और दिल्ली पुलिस के पास दो अलग-अलग परिवारों ने गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं।

विवाद की शुरुआत 7 मार्च को चांदनी चौक के स्क्रैप कारोबारी मोहम्मद अरीब की हत्या के बाद हुई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद शोएब जामई संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंचे और वहां एक वीडियो रिकॉर्ड किया। बाद में इस वीडियो को उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक क्यूआर कोड के साथ पोस्ट किया गया। अरीब के भाई मोहम्मद अदीब ने डीसीपी को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि यह क्यूआर कोड 'सादिया फातिमा' नामक किसी अज्ञात महिला के नाम पर था, जिससे परिवार का कोई संबंध नहीं है। अदीब का दावा है कि इस माध्यम से लगभग 7 से 8 लाख रुपये जुटाए गए, जबकि परिवार को कोई आर्थिक मदद नहीं मिली। जब परिवार ने आपत्ति जताई, तो उन्हें बताया गया कि यह आईटी टीम की तकनीकी गलती थी और केवल मामूली रकम ही जमा हुई है।

इसी तरह का एक और मामला मानसरोवर पार्क इलाके से सामने आया है। सिराजुद्दीन अंसारी नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि नवंबर 2025 में उनके नाबालिग बेटे की हत्या के बाद भी इसी तरह का चंदा अभियान चलाया गया था। अंसारी का आरोप है कि शोएब जामई ने उनके बेटे के नाम और वीडियो का इस्तेमाल कर सादिया फातिमा के क्यूआर कोड के जरिए पैसे जुटाए, लेकिन उन्हें फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई। अंसारी ने स्पष्ट किया कि वे अपने बेटे के नाम पर किसी भी तरह का अवैध फंड इकट्ठा करने के खिलाफ हैं। इन आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है, क्योंकि जामई को पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का करीबी माना जाता है। दूसरी ओर, शोएब जामई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। उनका दावा है कि विपक्षी दलों से जुड़े लोग और पार्टी के कुछ पूर्व सदस्य एआईएमआईएम की छवि खराब करने के लिए पीड़ित परिवारों को गुमराह कर रहे हैं। जामई का कहना है कि उन्होंने अपने बैंक स्टेटमेंट और साक्ष्य जांच एजेंसियों को सौंप दिए हैं। फिलहाल, पुलिस इस पूरे वित्तीय लेनदेन और क्यूआर कोड से जुड़े बैंक खातों की जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

सीएम ममता ने खुद की हत्या की आंशका जाहिर की... विपक्षी सांसदों का मिला साथ

सांसदों ने कहा, कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने मुद्दे पर चिंता जाहिर कर कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ममता पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा से प्रभावित हो चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। टीएमसी सांसद आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष ममता से क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव कुमार राय ने ममता के बयान का समर्थन कर कहा कि उन्होंने बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखकर ममता के बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि महाराष्ट्र में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर भी सपा सांसद राय ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को लेकर बार-बार बयान दिए जाते हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी भाषणों तक सीमित रह गई है और वास्तविक मुद्दों पर काम करने में विफल रही है। वहीं कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने भी ममता बनर्जी का समर्थन कर कहा कि अगर उन्होंने इस तरह की बात कही है, तब हो सकता हैं उनके पास कोई इनपुट होगा।

तमिलनाडु में बगावत की आशंका : पीएम मोदी का स्वागत करने नहीं आए भाजपा के अन्नामलाई?

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी के बीच रविवार को एक बेहद दिलचस्प और चर्चाओं से भरी तस्वीर सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब दोपहर करीब 1:30 बजे कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ, तो वहां उनके स्वागत के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के कई दिग्गज नेता मौजूद थे। हालांकि, इस औपचारिक स्वागत समारोह में प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्वागत करने वाले नेताओं की सूची में अन्नामलाई का नाम प्रमुखता से शामिल था, लेकिन उनके एयरपोर्ट न पहुंचने से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान की अटकलें तेज हो गई हैं। इस घटनाक्रम पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा नेता वनाथी श्रीनिवासन ने मीडिया से कहा कि अन्नामलाई का नाम निर्धारित सूची में था, लेकिन वे किन कारणों से नहीं आ सके, इसकी जानकारी उनसे ली जाएगी। उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी से इनकार करते हुए जोर दिया कि सभी नेता एकजुट हैं और उम्मीदवारों के चयन का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने वालों में नैनार नागेंद्रन, एल मुरुगन और वनाथी श्रीनिवासन के साथ सहयोगी दल एआईएडीएमके के नेता एस.पी. वेलुमणि भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चुनावी प्रचार के लिए केरल रवाना हो गए।

ईरान में एयर स्ट्राइक से फैल रहा जहरीला धुआं, ब्लैक रेन हो सकती है खतरनाक : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सोमवार को मध्य पूर्व में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध का मुद्दा उठाकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसके गंभीर वैश्विक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक महीने से अधिक समय से जारी है और इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी नेता राउत के अनुसार, इस युद्ध के कारण ईंधन और एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक स्तर पर संकट गहराता जा रहा है। हालांकि उन्होंने विशेष रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरों को अधिक गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में एयर स्ट्राइक के कारण ऑयल रिफाइनरी और गैस भंडारों में भीषण आग लगी है, जिससे भारी मात्रा में जहरीला धुआं वातावरण में फैल गया है। इस धुएं में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने बताया कि वहां के लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने 'ब्लैक रेन' यानी काली बारिश की घटनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें विषैले तत्व शामिल होते हैं। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनियों का हवाला देकर कहा कि यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रदूषण सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा और भविष्य में भारत के पश्चिमी राज्यों-गुजरात, राजस्थान और पंजाब-पर भी असर डाल सकता है। इससे वायु गुणवत्ता खराब होने, एसिड रेन की संभावना बढ़ने, फसलों के नुकसान, मिट्टी के दूषित होने और सांस संबंधी बीमारियों व कैंसर जैसी समस्याओं के बढ़ने का खतरा है। संजय राउत ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाए। साथ ही पश्चिमी राज्यों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए और एक प्रभावी अलर्ट सिस्टम तैयार रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस पर्यावरणीय संकट के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, ताकि युद्ध को जल्द समाप्त किया जा सके। उन्होंने निष्कर्ष में कहा कि यह युद्ध अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा, बल्कि वैश्विक पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

टोल टैक्स को लेकर भड़के पंजाब के किसान, भारी बारिश के चलते कर दिया चक्का जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भारी टोल टैक्स और प्रवेश शुल्क के विरोध में सोमवार को पंजाब-हिमाचल सीमा पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पंजाब मोर्चा के कन्वीनर गौरव राणा, कीर्ति किसान मोर्चा के प्रधान हरप्रीत सिंह भट्ठी और बीकेयू के नेताओं के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। मूसलाधार बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों के हौसले पस्त नहीं हुए और उन्होंने घंटों तक चक्का जाम जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और पंचायत मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारी नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने टैक्स कम नहीं किया और टोल नाके नहीं हटाए, तो यह संघर्ष और तेज होगा।

नेताओं का कहना है कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है और सरकार को जनहित में इन शुल्कों को तुरंत वापस लेना होगा। इस मुद्दे पर पंजाब सरकार से भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है, क्योंकि विधानसभा में भी इस मामले का अब तक कोई ठोस हल नहीं निकल सका है। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी पूरा सहयोग दिया, जिससे यातायात व्यवस्था लंबे समय तक ठप रही। जाम की सूचना मिलने पर तहसीलदार संदीप कुमार और थाना प्रभारी जतिन कपूर के नेतृत्व में प्रशासन मौके पर पहुँचा। करीब ढाई घंटे के गतिरोध के बाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से मांगपत्र लिया और उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुँचाने का भरोसा दिया। हालांकि जाम खोल दिया गया, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात पूरी तरह बहाल होने में करीब चार घंटे का समय लग गया। इस बीच पठानकोट टैक्सी यूनियन के जिला प्रधान रिंकू कुमार ने ऐलान किया है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो 1 अप्रैल को पठानकोट-डलहौजी और चंबा-धर्मशाला रूट को भी पूरी तरह ब्लॉक किया जाएगा। क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात है।

विशाखापट्टनम श्रद्धा वाल्कर बनी मोनिका... आरोपी प्रेमी ने हत्या कर शव के टुकड़े कर कई जगह फेंकें

-आरोपी भारतीय नौसेना में कार्यरत और पहले से शादीशुदा

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात समाज में बढ़ती नृशंसता का एक और काला अध्याय है। एक नौसेना कर्मी द्वारा अपनी ही प्रेमिका की हत्या कर उसके शव के टुकड़े करने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह मामला न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि रिश्तों में बढ़ते अविश्वास और डिजिटल युग के खतरों को दिखाता है।

इस मामले का मुख्य आरोपी चिंतादा रवींद्र है, जो भारतीय नौसेना में कार्यरत है और आईएनएस डेगा में तैनात है। मृतका की पहचान पोलिपल्ली मोनिका के रूप में हुई है। पुलिस जांच के अनुसार, रवींद्र शादीशुदा था, फिर भी वह मोनिका के साथ विवाहेतर संबंध में था। दोनों की पहली मुलाकात साल 2021 में एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी मुलाकातें बढ़ीं और वे एक-दूसरे के करीब आ गए। आरोपी रवींद्र के अनुसार, मोनिका ने उससे कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये उधार लिए थे। विवाद तब और बढ़ गया जब मोनिका ने रवींद्र की पत्नी को उनके संबंधों के बारे में बताने की धमकी देना शुरू किया। घटना वाले दिन, रवींद्र ने मोनिका को अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर रवींद्र ने मोनिका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने जो किया, वह किसी डरावनी फिल्म की पटकथा जैसा है। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऑनलाइन चाकू ऑर्डर किया। शव को कई टुकड़ों में काटा और गंध से बचने के लिए उन्हें फ्रीज में छिपा दिया। वह धीरे-धीरे अंगों को अलग-अलग जगहों पर फेंकने लगा। रविवार को जब वह आदिवीवरम के सुनसान इलाके में मोनिका का सिर और हाथ जला रहा था, तब पुलिस की सक्रियता के कारण इस घिनौने कृत्य का पर्दाफाश हुआ।

यह घटना दिल्ली के कुख्यात श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद दिलाती है, जहाँ आफताब नामक युवक ने श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े किए थे और उन्हें फ्रीज में रखा था। विशाखापट्टनम के इस मामले में भी फ्रीज और शव के टुकड़े करने का वही पैटर्न दिखाई देता है, जो अपराधी की ठंडे दिमाग से की गई प्लानिंग को दर्शाता है। वर्तमान में पुलिस आरोपी की निशानदेही पर शव के अन्य हिस्सों की तलाश कर रही है। यह घटना हमें सतर्क करती है कि ऑनलाइन मेल-जोल और अनैतिक संबंधों का अंजाम कितना भयावह हो सकता है। कानून की सख्ती ही इसतरह

के अपराधियों के मन में डर पैदा कर सकती है।

नई परियोजना से 83 गांवों की 40,066 एकड़ जमीन को मिलेगा नहरी पानी का तोहफा: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

सनौर (पटियाला), 30 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पटियाला के सनौर विधानसभा क्षेत्र में व्यापक बुनियादी ढांचे और सिंचाई परियोजनाओं की शुरुआत करके पंजाब के विकास में जमीनी स्तर पर तेजी लाई। इस मौके पर उन्होंने 87 करोड़ रुपये की सड़क नवीनीकरण कार्यों के साथ-साथ 27 करोड़ रुपये की नहरी लाइनिंग परियोजनाओं का ऐलान किया, जिससे 83 गांवों में 40,066 एकड़ रकबे को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। पिछली सरकारों की तुलना में मौजूदा समय के मिसाल बदलाव पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान भ्रष्टाचार के कारण कुछ ही दिनों में सड़कों की हालत खस्ता हो जाती थी, लेकिन पंजाब सरकार द्वारा ठेकेदारों के लिए सड़कों के पांच साल के अनिवार्य रखरखाव संबंधी धारा लागू की गई है, जिससे जवाबदेही में वृद्धि होगी। उन्होंने आगे कहा कि %आप% सरकार ने न केवल सिंचाई अधीन रकबा पहले के 21,050 एकड़ से बढ़ा दिया है, बल्कि कानूनी लड़ाई के माध्यम से हरियाणा को दिए जाने वाले भाखड़ा नहर के पानी का पंजाब का 25 प्रतिशत हिस्सा भी प्राप्त किया है, ताकि किसानों को उनका हक मिल सके। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब की बेमिसाल तरक्की को देखकर पारंपरिक पार्टियां अपना मानसिक संतुलन खो चुकी हैं। आज, पंजाब के विकास की गाड़ी फिर से पटरी पर आ गई है और हर गुजरते दिन के साथ इसकी गति और तेज हो रही है। विपक्षी पार्टियों को यह बात हजम नहीं हो रही, जिस कारण वे रोजाना बेबुनियाद और तर्कहीन बयान जारी कर रही हैं। यह विपक्षी पार्टियों में निराशा को दर्शाता है, जो सूबे के विकास और इसके लोगों की खुशहाली से ईर्ष्या करती हैं। सनौर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आज सनौर क्षेत्र में 49.60 करोड़ रुपये की लागत से कई नई लिंक सड़कें बनाई जाएंगी और कुछ मौजूदा सड़कों को नया रूप दिया जाएगा। लोग जल्द ही अपने गांवों जाने वाली सड़कों में प्रत्यक्ष बदलाव देखेंगे। मुख्य पटियाला-पिहोवा सड़क को नया रूप दिया जाएगा और दिल्ली जाने वाली आवाजाही को आसान बनाने के लिए जल्द ही इसे चार लेन का बनाया जाएगा। जवाबदेही में वृद्धि पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछली सरकारों की तरह सड़कें अब घटिया दर्जे की नहीं होंगी क्योंकि अब सड़कों के रखरखाव संबंधी पांच साल की जिम्मेदारी ठेकेदारों के पास है और किसी भी नुकसान के नतीजे में भुगतान रोका जा सकता है, ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है और भविष्य में कोई भी ठेका न देने के साथ-साथ अन्य परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। सड़क बुनियादी ढांचे के विकास के स्तर पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब सरकार द्वारा सूबे के इतिहास का सबसे बड़ा सड़क निर्माण कार्य शुरू किया गया है, जिसके तहत कुल 16,209 करोड़ रुपये की लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कें बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा, ये सभी सड़कें पांच साल के रखरखाव की धारा के अधीन बनाई जाएंगी, जिससे विश्व स्तरीय सड़क सुरक्षा के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य सूबे में बेहतर आवागमन सुविधाएं प्रदान करना और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना है, जिससे आम लोगों को बड़ा लाभ होगा। पानी के संरक्षण और सिंचाई के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पानी के रक्षक होने का दावा करने वालों ने कभी भी पानी की संरक्षण की ओर ध्यान नहीं दिया, जबकि पंजाब सरकार द्वारा पानी की हर बूंद की बचत की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, सूबे में 6,900 किलोमीटर लंबी 18,349 खालों को बहाल किया गया है, ताकि सूबे के दूर-दराज के हिस्सों में पानी उपलब्ध करवाया जा सके, जिससे किसानों को बड़ा लाभ हुआ है। हमारी सरकार ने नहरी प्रणाली को फिर से जीवित करने के लिए 6,500 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, ताकि सूबे के हर क्षेत्र तक पानी पहुंच सके, और पहली बार सूबे के 1,444 गांवों को नहरी पानी मिला है। शिक्षा क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, पंजाब ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे-2024 में पहला स्थान प्राप्त किया है और यह सभी पंजाबियों के लिए बेहद गर्व और संतुष्टि की बात है कि इस सर्वेक्षण में सूबे ने केरल को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों के दौरान 740 छात्रों ने जेईई परीक्षा और 1,284 ने नीट परीक्षा पास की है तथा 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस खोले जा रहे हैं, जिनमें से 60 पहले ही कार्यशील हो चुके हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ये स्कूल प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी योग्यताओं और रुचियों के अनुसार शिक्षा प्रदान करके उनके सपनों को साकार करने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, पहली बार, 24 लाख माता-पिता ने मेगा पीटीएम में हिस्सा लिया है। शिक्षा सुधारों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, सरकारी स्कूलों में छात्रों को मेडिकल और नॉन-मेडिकल समेत सभी स्ट्रीम की पेशकश की जा रही है। उन्होंने आगे कहा, छात्रों को आर्मड फोर्सेज प्रिपरेटरी, नीट, जेईई और सीएलएटी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के लिए कोचिंग भी प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, केवल शिक्षा से ही सभी सामाजिक बुराइयों का समाधान किया जा सकता है, इसलिए पंजाब सरकार ने शिक्षा को प्राथमिकता दी है और लोगों के जीवन को बदलने के लिए शिक्षा क्षेत्र में बेमिसाल पहल की हैं। सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की अहम भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, कोई भी मुफ्त सुविधा या रियायत सूबे में गरीबी या अन्य सामाजिक बुराइयों को खत्म नहीं कर सकती, लेकिन शिक्षा ही वह कुंजी है जो लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाकर उन्हें गरीबी से बाहर निकाल सकती है। उन्होंने कहा, शिक्षा वह रोशनी है जो अंधेरे को दूर करके दुनिया में प्रकाश बिखेरती है, जिस कारण पंजाब सरकार इस पर विशेष जोर दे रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना शुरू की गई है, जिसके तहत पंजाब के सभी 65 लाख

परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना (एमएमएसवाई) के तहत हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्रदान किया जा रहा है और 30 लाख से अधिक लाभार्थियों को पहले ही स्वास्थ्य कार्ड मिल चुके हैं। इस योजना के तहत 1.65 लाख लोगों को मुफ्त इलाज मिल चुका है और लोगों को इन कार्डों का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार धान के मौसम के दौरान खेतों की मोटरों के लिए आठ घंटे से अधिक निर्विघ्न बिजली आपूर्ति दी गई है। बिजली सुधारों को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को अब पहली बार सिंचाई के लिए दिन में बिजली मिल रही है, जिससे उनकी जिंदगी बदल गई है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार लोगों की भलाई के लिए सरकारी खजाने के एक-एक पैसे का उपयोग पूरी सूझ-बूझ से कर रही है। मांवां-धीयां सत्कार योजना के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आप सरकार की यह योजना 18 वर्ष और इससे अधिक उम्र की अनुसूचित जातियों से संबंधित महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये और अन्य सभी वर्गों से संबंधित महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये प्रदान करेगी। वित्तीय जिम्मेदारी की पुष्टि करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के टैक्स का पैसा सूबे का है और इसे लोगों की भलाई के लिए ही खर्च किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि करदाताओं का पैसा विकास, स्कूलों, अस्पतालों और सड़कों के माध्यम से लोगों के पास वापस जा रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही पंजाब सरकार ने अपनी सभी गारंटियां पूरी कर ली हैं, लेकिन पंजाब की तरक्की के लिए प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हम मंच पर खड़े होकर शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और कृषि के बारे में बात करते हैं, जबकि दूसरी पार्टियां सिर्फ सत्ता हथियाने पर अपना ध्यान केंद्रित करके चल रही हैं। विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ये अवसरवादी नेता निराशा के आलम में गुजर रहे हैं और लोग उन्हें कोई हुंकार नहीं दे रहे क्योंकि उनका एजेंडा लोगों की बजाय सिर्फ अपने परिवारों की भलाई तक सीमित रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं का एकमात्र एजेंडा लोगों को गुमराह करके उनमें फूट डालने के सिवा और कुछ नहीं होता। सड़क सुरक्षा फोर्स के बारे में विस्तार से बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सरकार ने देश भर में समर्पित सड़क सुरक्षा फोर्स नाम की अपनी तरह की पहली पहल शुरू की है, जो राज्य और राष्ट्रीय मार्गों पर सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए लोगों की कीमती जानें बचाने के लिए हर समय तैनात है। उन्होंने आगे कहा कि विशेष रूप से प्रशिक्षित नवीन भर्ती किए गए 1,597 कर्मचारी इस फोर्स की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम कर रहे हैं, जिन्हें 144 पूर्ण रूप से सुसज्जित वाहन प्रदान किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साल फरवरी में अपनी शुरुआत के बाद से यह फोर्स सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को 48 प्रतिशत तक कम करने में सफल रही है। इसके अलावा यह फोर्स दुर्घटना के पीड़ितों से संबंधित हर चीज और उनके पैसे को परिवार के सदस्यों तक सुरक्षित पहुंचाना सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह फोर्स 4,200 किलोमीटर हाईवे पर, जहां सड़क दुर्घटनाओं की संभावना अधिक है, तैनात की गई है और यह ट्रैफिक उल्लंघनों के विरुद्ध एक मजबूत रोकथाम प्रणाली के रूप में काम करती है। उन्होंने आगे कहा कि पिछली किसी भी सरकार ने ऐसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया, जिस कारण पंजाब पहले सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में शीर्ष तीन राज्यों में आता था। उन्होंने आगे कहा कि इस महत्वपूर्ण फैसले की भारत सरकार और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी भरपूर सराहना की है। प्रशासनिक सुधारों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ईजी रजिस्ट्री प्रोजेक्ट को पंजाब भर में सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जिससे पारदर्शी और परेशानी मुक्त संपत्ति पंजीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

इंडिया गेट पर वोका से होंगे चालान, मथुरा रोड और आसपास भी लगाए जाएंगे आरएलवीडी कैमरे

नई दिल्ली। अगर आप इंडिया गेट घूमने जा रहे हैं तो अपने वाहन को पार्किंग में ही पार्क करें। अगर आपने वाहन को नो पार्किंग जोन में पार्क किया तो वोका-वॉयलेशन ऑन कैमरा (कैमरे पर उल्लंघन) के जरिये तुरंत चालान हो जाएगा। इसके अलावा इंडिया गेट पर जनता को तीन और पार्किंग मिलीं हैं। ये पार्किंग इंडिया वॉटर चैनल के दोनों तरफ हैं। अभी तक एक बस की व दो अन्य पार्किंग थीं। दिल्ली यातायात पुलिस की नई दिल्ली रेंज के पुलिस उपायुक्त शोभित सक्सेना ने बताया कि इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आस-पास भीड़ कम करने और ट्रैफिक को सुचारू बनाने की योजना पर काम चल रहा। आने वाले दिनों में इंडिया गेट तथा कर्तव्य पथ इलाके में छात्रों परिवारों और पर्यटकों की भारी भीड़ को देखते हुए भीड़ कम करने का एक अभियान चलाया जा रहा। इसका मकसद सही पार्किंग सुनिश्चित करना, गाड़ियों की आवाजाही को व्यवस्थित रखना, ट्रैफिक नियमों का पालन करवाना और गलत पार्किंग तथा गलत दिशा में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। उन्होंने बताया कि मार्च, 2026 के महीने में इंडिया गेट के आस-पास के इलाके में कुल 2253 चालान हुए। इनमें अवैध पार्किंग के 1720, वोका के 293 और बिना हेलमेट के 60 चालान किए गए। वहीं 180 को टो किया गया। पुलिस उपायुक्त सक्सेना ने बताया कि रेड लाइट उल्लंघन का पता लगाने वाले (आरएलवीडी) कैमरे इंडिया गेट, कर्तव्य पथ और नेशनल म्यूजियम, वॉर मेमोरियल जैसी दर्शनीय जगहों पर लगाए जा रहे हैं। रेड लाइट जंप करने के मामलों का अपने-आप चालान करने के लिए मथुरा रोड-भैरों मार्ग, रिंग रोड-भैरों रोड, जनपथ-टॉल्स्टॉय मार्ग पर 10 आरएलवीडी कैमरे लगाए जा रहे हैं। वोका-वोका का मतलब है वॉयलेशन ऑन कैमरा (कैमरे पर उल्लंघन)। अगर कोई गाड़ी रुकती नहीं है या नो-पार्किंग जोन में खड़ी/छोड़ दी जाती है, तो एक पुलिसकर्मी उसका वोका एप से चालान कर देगा। ये फोटो पुलिस हेडक्वॉटर जाएगी और वहां चालान हो जाएगा। ड्राइवर के मोबाइल पर चालान का नोटिस आ जाएगा। उल्लंघन करने वालों को उल्लंघन के लिए जुर्माना भरने हेतु अदालत के माध्यम से बुलाया जाएगा। अकेले मार्च के महीने में, इंडिया गेट और उसके आस-पास 293 वोका जारी हुए हैं। उपायुक्त शोभित सक्सेना ने बताया कि सार्वजनिक पार्किंग की जगहें इंडिया गेट के आस-पास पी1, पी2 व पी3 पार्किंग जगहों के अलावा (जिनमें मान सिंह रोड-नेशनल म्यूजियम के पास से प्रवेश और निकास होता है) के पास थी। अब तीन पार्किंग जनपथ-पी5 (वॉटर चैनल के दोनों ओर) और रफी मार्ग-पी6 (सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन के पास) पर भी पार्किंग की जगहें उपलब्ध हैं। यात्री बसों को पी1 पर पार्क किया जाता है। दोपहिया और चारपहिया गाड़ियां ऊपर बताई गईं अन्य सभी पार्किंग जगहों पर पार्क की जा सकती हैं। उन्होंने जनता को सलाह दी कि वह अपने वाहन उन पार्किंग स्थलों पर पार्क करें। नई पार्किंग मान सिंह रोड, जनपथ और रफी मार्ग पर जल चैनलों के किनारे उपलब्ध हैं। सेंट्रल विस्टा के कारण अभी तक ये पार्किंग बंद थीं। बस पार्किंग स्थल-पिकनिक पर जाने वाले छात्रों या बसों में आने वाले पर्यटकों के बड़े समूहों के लिए पी1 (मान सिंह रोड की ओर से) पर पार्किंग स्थल चालू किए गए हैं।

देश की सबसे बड़ी महिला-हितैषी डी.बी.टी. स्कीमों में शामिल यह योजना वित्तीय स्वतंत्रता और सम्मान में वृद्धि करेगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

यह योजना सीधा लाभ प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जिसमें वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इस स्कीम के तहत एक परिवार में योग्य महिलाओं की संख्या पर कोई पाबंदी नहीं होगी और एक ही परिवार की कई महिलाएं इस योजना का लाभ ले सकेंगी। मौजूदा सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों को भी इस योजना के तहत अपनी पेंशन के अलावा पूरा वित्तीय लाभ मिलेगा, जिससे इसकी पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ेगी। पंजाब में 18 साल या उससे अधिक उम्र की महिलाएं, जो वोटर के रूप में रजिस्टर्ड हैं, जिनके पास पंजाब निवास वाला आधार कार्ड और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी वोटर कार्ड है, इस योजना के तहत लाभार्थी के रूप में रजिस्टर होने के योग्य होंगी। हर महिला तक इस योजना का लाभ पहुंचाने को सुनिश्चित करने के लिए भगवंत मान सरकार व्यापक पहुंच और रजिस्ट्रेशन संबंधी हर संभव प्रयास करेगी, जिसमें महिलाओं खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं के लिए दस्तावेज पूरे करना, बैंक खाते सक्रिय करना और निर्बाध रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने में सहायता शामिल है। इस पहल को और मजबूत करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में पहले ही 9,300 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की जा चुकी है और योजना के पैमाने व पहुंच को देखते हुए यह पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई सबसे बड़ी महिला-हितैषी सामाजिक कल्याण पहलों में से एक होने की उम्मीद है। कैबिनेट ने योजनाबंदी विभाग में सीधी भर्ती के तहत 70 पद भरने की मंजूरी दे दी है। आर्थिक नीति एवं योजना बोर्ड और सांख्यिकी विभाग, पंजाब के विलय की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। इस अभ्यास को देखते हुए भरे जाने वाले रिक्त पदों की आवश्यकता को संशोधित किया गया है। इसलिए अधिकारियों की कमेटी द्वारा सीधी भर्ती के 70 पद भरने की मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पावरकॉम) और पंजाब स्टेट ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रांसको) के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर (सी.एम.डी.) तथा डायरेक्टर्स की नियुक्ति के लिए जरूरी योग्यताओं और अनुभव संबंधी शर्तों में संशोधन करने की भी मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने झारखंड के जिला पाकुड़ स्थित पछवाड़ा केंद्रीय कोयला खदान (पीसीसीएम) के संचालन और रखरखाव के लिए पी.एस.पी.सी.एल. द्वारा ठेके के आधार पर मानव शक्ति और सहायक स्टाफ नियुक्त करने को भी हरी झंडी दे दी है। इसके लिए एक अधिकृत कमेटी बनाने का फैसला किया गया है, जिसमें प्रबंधकीय सचिव को चेयरमैन और चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर तथा डायरेक्टर/जनरेशन, पी.एस.पी.सी.एल. को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। इस कमेटी को पछवाड़ा केंद्रीय कोयला खदान, पाकुड़ के संचालन और रखरखाव के लिए सक्षम मानव शक्ति/सहायक स्टाफ की ठेके पर भर्ती और विस्तार संबंधी सभी मंजूरियां देने के लिए अधिकृत किया गया है। कैबिनेट ने लीजहोल्ड औद्योगिक प्लॉटों/शेडों को फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए नीति में संशोधनों को भी मंजूरी दे दी है। इन संशोधनों के अनुसार बैंकों या वित्तीय संस्थाओं के पास गिरवी रखे गए औद्योगिक प्लॉट फ्रीहोल्ड में बदले जा सकते हैं, बशर्ते संबंधित बैंक द्वारा प्राप्त 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' जमा करवाया गया हो और निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन किया गया हो। ऐसे मामलों में जहां मौजूदा टाइटल दस्तावेजों में अनार्जित वृद्धि संबंधी कोई धारा नहीं है (भले ही यह पहले के टाइटल दस्तावेजों में मौजूद हो), 5 प्रतिशत की कन्वर्जन फीस लागू होगी। कैबिनेट ने पंजाब कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर (रेगुलेशन एंड मेंटेनेंस) (संशोधन) बिल, 2026 को पेश करने की मंजूरी दे दी है ताकि राज्य भर में औद्योगिक क्षेत्रों के बेहतर प्रबंधन के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल (एस.पी.वी.) की प्रभावशीलता, पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता को मजबूत किया जा सके। प्रस्तावित संशोधन औद्योगिक पार्कों के विस्तार और औद्योगिक एस्टेटों से बाहर नए औद्योगिक क्लस्टरों के विस्तार के कारण वर्षों में उभरी प्रशासनिक और क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियों को हल करेंगे। इसके तहत औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कें, स्ट्रीट लाइटें, पार्क, सुरक्षा, ड्रेनेज सिस्टम और अन्य साझा सुविधाओं जैसे साझा बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए सेवा शुल्क वसूलने और इनके उपयोग के लिए सुचारू प्रणाली विकसित की जाएगी। सभी औद्योगिक क्षेत्रों में एस.पी.वी. तैयार किए जाएंगे जो सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत रजिस्टर्ड होंगे। ये एस.पी.वी. औद्योगिक क्षेत्रों में साझे बुनियादी ढांचे के संचालन और रखरखाव के लिए बिना लाभ-बिना नुकसान के आधार पर काम करेंगे। साथ ही एस.पी.वी. के कार्यों की निगरानी और विवादों के समाधान के लिए संस्थागत व्यवस्था प्रदान करने हेतु जिला निगरानी प्राधिकरण स्थापित किया जाएगा। कैबिनेट ने राज्य में विभिन्न हाईवे प्रोजेक्ट्स के निर्माण के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी (एन.एच.ए.आई.) को साधारण मिट्टी देने के लिए सतलुज नदी से गाद निकालने की शर्तों में ढील देने को भी मंजूरी दे दी है। यह जल संसाधन विभाग द्वारा की जा रही विभिन्न पहलों का हिस्सा है, जिसमें नदियों के प्रबंधन और बाढ़ के खतरे को कम करने के प्रयासों के रूप में राज्य भर की प्रमुख नदियों में लंबे चैनलों की खुदाई शामिल है।

नाम परिवर्तन

में इरशाद अली पुत्र श्री शराफत अली निवासी तीसरी मन्जिल, गली नल, नवाव गंज आजाद मार्किट दिल्ली-110006 मेरे पिता जी का नाम शराफत अली है। लेकिन मेरे पैन कार्ड पर शब्बन मोहमद है! जो कि गलत नाम है, मेरे पिता जी का नाम शराफत अली है। जो कि मेरे आधार कार्ड पर सही नाम है।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Sarish Bhutani W/o Mr. Vaibhav Bhutani is the owner of Freehold Residential Built-up Property with terrace/Roof Rights, Bearing Part of Property No. 10/113 (Block No. 10, Plot no. 113) area measuring 100 Sq. Yds. Out of Khasra no. 764 min, Situated in the area of village Chandrawali alias Shahdara, in the abadi of Vishwas Nagar, Subhash Gali, Main Vishwas Road, Illaqa Shahdara, Delhi- 110032. by virtue of Gift Deed dated 30.09.2022 as Doc. No.9961, Book no.1, Vol. no. 3424, Pages no. 58-65, SR- IV-B Vivek Vihar, New Delhi/Delhi. in the Chain Documents below mentioned Document not available i.e. (1) Original Reg. GPA, ATS & Will dated 12.05.1998 executed by Mr. Rajeev in favour of Mr. S. N. Bhutani & Original Gift Deed dated 23.10.2007 executed by Mr. Satya Narain Bhutani in favour of Mr. Vaibhav Bhutani as Doc. No. 10681, Book no.1, Vol. no. 3073, Pages no. 42-50, SR- VIII, Delhi. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property. And same property currently Mortgaged in SMFG India Credit Co. Ltd. and same will be Re-finance by DCB Bank Ltd. Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, SEEMA DEVI wife of No-10246233F, Rank-HAV, Name- RAJIV KUMAR THAKUR residing at VILL-KHADERPUR, PO-BHADURPUR, TEH-DALSINGHSARAI, DISTT-SAMASTIPUR, BIHAR-848114, have changed my name from SEEMA DEVI to SEEMA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 30/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Harendra Sharma, S/O Gyanendra, R/o Bambawad, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh - 203207, have changed the name of my minor daughter Vanshika Sharma aged 16 years and she shall hereafter be known as DOLLY SHARMA.

NAME CHANGE

I, No -14840492K, Rank- HAV/DRS, Name- SACHIN KUMAR KUMBHAKAR residing at- H NO-558, SECTOR 3, MAIN BAZAR, EMALI BAKHAL KANASIYA, VILL-KANASIYA, TEHSIL- TARANA, DIST-UJJAIN, MP-456770, have changed my minor daughter's name from ANJALI to ANJALI KUMBHKAR for all future purposes vide affidavit dated 30/03/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Dinesh D Pandey S/o Dayanand R Pandey R/o D-1116, Saya zion, Gaur City 1, Near Kidzee School noida west, Greater Noida West, PO: Sector - 16C, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201318 have changed the name of my minor daughter Navya Pandey aged 9 years and she shall hereafter be known as Naavya Pandey

NAME CHANGE

I, Dinesh D Pandey S/o Dayanand R Pandey R/o D-1116, Saya zion, Gaur City 1, Near Kidzee School noida west, Greater Noida West PO: Sector - 16C, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201318 have changed the name of my minor daughter Saayesha Pandey aged 3 years and she shall hereafter be known as Vamika Pandey

Public Notice

I, NARGISH NAZ W/O NIZAMUDDIN SIDDIQUI R/O T-28 -1001, Nirala Estate Phase-2, Techzone-4, Surajpur Road, Near Bhutani Grandhtam Techzone-4, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201306 have changed name of my minor daughter namely AIZAH SIDDIQUI aged 8 years and she shall hereafter be known as NAIMA SIDDIQUI.

NAME CHANGE

I, SANJAY SUNAIYA S/O SUNDER LAL residing at 8A/107, DDA JANTA FLAT, TRILOK PURI, DELHI-110091 have changed my name to SANJAY for all future purpose.

NAME CHANGE

I Monika Ahuja W/o Amit Ahuja R/o 656 GF PARMANAND COLONY WEST,Delhi 110009.have changed my name to MONICA AHUJA for All future purposes.

NAME CHANGE

I, ASHISH KUMAR DUBEY S/O PREM NARAYAN DUBEY R/O A 801, IRWO CLASIC APARTMENT SECTOR-57, RAIL VIHAR WAZIRABAD GURGAON HARYANA-122003 HAVE CHANGED MY NAME TO ASHISH DUBEY ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, JYOTI GUPTA W/O MUKUL GUPTA R/O H.NO-508/22,STREET NO-10,KHANDSA ROAD, SHIVJI PARK, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO JYOTI GOEL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, MUSKAN PRAVEEN W/O VENKATA AJAY MEDARAMETA residing at H NO-L-100 THIRD FLOOR MAHIPALPUR EXTENSION FLAT NO-303 KHASRA NO-728 MAHIPALPUR GURGAON ROAD DELHI-110037 Declare that MUSKAN is my given name and my surname is PRAVEEN

NAME CHANGE

I, RITIKA D/O SANJAY residing at 8A/112, DDA JANTA FLAT, TRILOK PURI, DELHI-110091 have changed my name to RITIKA SUNAIYA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Babita W/o Vijay Kumar R/o 10 , Fazirpur Mod , ward no 11 , farrukh Nagar (Rural) (35), Farrukh nagar PO: Farrukh nagar, DIST: Gurgaon, Haryana-122506 have changed my name to Babita Devi for all future purposes.

NAME CHANGE

I Monika Ahuja W/o Amit Ahuja R/o 656 GF PARMANAND COLONY WEST,Delhi 110009.have change my name to MONICA AHUJA for All future purpose.

NAME CHANGE

I, NARESH S/o BABU RAM SHARMA R/o House No: 281, Type-1, Revenue Officer Colony, Near Sector-14, Rohtak - 124001, Haryana have changed my name to NARESH SHARMA for all intents and purposes.

NAME CHANGE

I, BABU RAM S/o HARI LAL R/o House No: 281, Type-1, Revenue Officer Colony, Near Sector-14, Rohtak - 124001, Haryana have changed my name to BABU RAM SHARMA for all intents and purposes.

NAME CHANGE

I, GOURAV S/o DARSHAN LAL R/o House No: 365/4, Kaccha Beri Road, Old Bus Stand, Near Mudgil Medical Hall, Rohtak - 124001, Haryana have changed my name to GOURAV KHANNA for all intents and purposes.

Public Notice

It is for general information that I Rajat Sehrawat S/O: Dharmendra, Chaudhary R/O 382, New Basti, SARAI Najar ALI, Ghaziabad, PO: Ghaziabad,DIST:Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, declare that name of my father and my Mother have been wrongly written as Dharmender and Anju in my 10th and 12th class educational documents and name of my father and my Mother have been wrongly written as Dharmender Chaudhary and Anju Chaudhary in my Bachelor degree. The actual name of my father and my Mother are Dharmendra Chaudhary and Anju Chaudhari, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,Guddan W/o Rajpal R/o Nawada, Gautam Buddha Nagar, Nawada, Uttar Pradesh - 203201 have changed my name and shall hereafter be known as Gudhi

Public Notice

General public is hereby informed that my client Sh. Basant Lal Boliwal S/o Late Tulsi Ram Boliwal & Smt. Sharda Boliwal, W/o- Sh. Basant Lal Boliwal, R/o-26 B/1 Guru Nanak Vihar, Chander Vihar, Nilothi Extension Nangloi, New Delhi 110041 have disowned and severed all their relations with their son namely Sh.Nitin Boliwal and their daughter in law namely Smt. Preeti Boliwal (W/o-Sh. Nitin Boliwal) residing at plot-22, Upper First Floor, Ranjeet vihar, Chander Vihar, Nilothi Extension, Nangloi, New Delhi-110041 and debarred them both from their movable and immovable properties/assets due to mis-behaviour by Mr. Nitin Boliwal. Anybody dealing with them in any manner, whatsoever, shall be doing at his/her/their own risk, cost, and responsibility.

Hitain Bajaj, Advocate
SITHYA, 113, SUPREME
ENCLAVE MAYUR VIHAR-1,
DELHI-110091

NAME CHANGE

I. Sonam Arora w/o Manish Malhotra R/o H no. 391 sector 14 Gurgaon Haryana 122 001 have changed my name to Sonam Malhotra

NAME CHANGE

I, IQBAL S/O INDADUL MANDAL R/O HOUSE NO-1512, G-1, NEAR DURGA MATA MANDIR, PHASE-6, AYA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110047 HAVE CHANGED MY NAME TO IQBAL MANDAL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, SNA W/O ZISHAN SAGHIR residing at H NO-11/431 2ND FLOOR, LALITA PARK, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to SNA ZISHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, PRADEEP / PARDEEP KUMAR S/o Chaman Lal R/o H.No.410, Ground Floor, Sector-12, Friends Society, Vasundhra, Ghaziabad-201012, Uttar Pradesh, have changed my name to PARDEEP CHAWLA permanently

NAME CHANGE

I hitherto known as SURINDER SINGH S/o GURNAM SINGH, R/o E-305,Gali No.7, Mandoli Extension, Mandoli, Delhi-110093, have changed my name and shall hereafter be known as PARVINDER SINGH.

NAME CHANGE

I RAJKUMAR S/O RAJENDER PRASAD R/O, PLOT NO -104 DURGA PARK, SHARMA PARK DALLUPURA VASUNDHRA ENCLAVE DELHI-110096 have changed my name to RAJ KUMAR PRASAD Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I REWAR RAM & RAM BAHADUR S/O RAMJAS R/O H.NO -559/15 INDER ENCLAVE PHASE-1, KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086 have changed my name to RAM BAHADUR SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I VIKAS JAIN S/O MITHA LAL R/O 701, 7 TH FLOOR TOWER 10 A UNITY GROUP PH-1 HOUSING NEW ROHTAK RD KAROL BAGH DELHI-110005 have changed my name to VIKAS KUMAR LUNKAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MADINA W/O MUSTAK ALI R/O N 68/45 T-HUTS ARUNA NAGAR MAJNU KA TILLA CIVIL LINES NORTH DELHI-110054 HAVE CHANGED MY NAME TO MADINA KHATOON

NAME CHANGE

I MUKHTIYAR ALI S/O NATTHU R/O BARATEGDAR POST BARATEGDAR BARATE GADAR BISUALI BUDAUN UTTAR PRADESH 202526 HAVE CHANGED MY NAME TO MUKHTYAR

NAME CHANGE

I ANISHA BEGUM W/O MUKHTYAR R/O BARATEGDAR POST BARATEGDAR BARATE GADAR BARATEGDAR BUDAUN BISUALI UTTAR PRADESH 202526 HAVE CHANGED MY NAME TO ANISHA BANO

NAME CHANGE

I Shashikant Tyagi S/o Anil Kumar Tyagi R/o House No. 853, Vasundhara, Sector 13, Ghaziabad, Uttarpradesh have changed my name to Shashikant for all future purposes.

NAME CHANGE

I Nitesh Kumar S/O Krishan Kushwaha R/O 142, BLOCK-H NAVEEN VIHAR BEGUM PUR Sultanpuri C Block North West Delhi Delhi - 110086 have changed my name to Nitesh Kushwaha for all future purposes.

NAME CHANGE

I Pardeep Kumar S/O Rakesh Kumar R/O House No-160, Gali No-1, krishna kunj, Nayagaon, Bhondsi, Gurgaon, Haryana 122102, I Have Changed My Name To Pardeep

NAME CHANGE

I,IDE KHAN S/O NIYAJ MOHMMAD R/O H.NO-679,SEC 62, BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004, CHANGED MY NAME TO EDAI KHAN.

NAME CHANGE

I, DHRUV S/O RAJESH GUPTA R/O 2085 STREET NO 6 KAILASH NAGAR DELHI 110031, CHANGED MY NAME TO DHRUV GUPTA.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, में रेहना, उम्र लगभग 50 वर्ष, पत्नी सकिर खान, निवासी मकान संख्या 152-A, गली संख्या 03, मुकुल बिल्डर के पास, सूर्या विहार पार्ट-3, अगवानपुर, अमर नगर, फरीदाबाद, हरियाणा ङ्क 121003 ने अपने पुत्र हयात खान उम्र लगभग 33 वर्ष को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से मेरा और मेरे परिवार का उसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Neelam W/o Mr. Sunil Kumar is the owner of Freehold Residential Built-up Property area measuring 60 Sq. Yds., out of Khasra No. 117/15 & 116/11/2, Situated in the area of Village Burari, Delhi, abadi known as B-Block, Sant Nagar, Burari, Delhi-84. by virtue of Relinquishment Deed dated 25.06.2024, duly regd. on SR-I, Kashmere Gate (Central), as Doc. No. 2024/19/I/6775, in Book No. 1, Vol. No. 10869, Page No. 163-176, dated 25.06.2024., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mr. Net Ram S/o Lt. Mr. Jai Kishan in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by ECL (ECLFL) Finance Ltd. Branch: Pusa Road, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

खेलकूद विद्यालय राई के लिए 442 प्रतिभाओं ने दी परीक्षा

एजेंसी

सोनीपत। मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, राई में कक्षा 5, 6, 8, 9 और 11 में प्रवेश के लिए लिखित प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। परीक्षा शांतिपूर्ण, अनुशासित और निष्पक्ष वातावरण में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भाग लिया। विद्यालय प्रशासन ने परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने पर विशेष ध्यान दिया। इससे पहले 15, 16 और 17 फरवरी को शारीरिक परीक्षण आयोजित किया गया था, जिसमें 1302 विद्यार्थियों ने भाग लिया। शारीरिक परीक्षण में सफल अभ्यर्थियों में से 442 विद्यार्थियों को लिखित परीक्षा के लिए अवसर दिया गया। अब इन अभ्यर्थियों में से लगभग 130 विद्यार्थियों का अंतिम चयन किया जाएगा। इस वर्ष परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए विशेष निर्णय लिया गया। कुलपति अशोक कुमार तथा प्रधानाचार्य रामधारी शर्मा के निर्देशानुसार पहली बार सभी प्रश्न पत्र भिवानी शिक्षा बोर्ड से तैयार करवाए गए। इस पहल का उद्देश्य चयन प्रक्रिया में पूर्ण निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना रहा, ताकि किसी भी प्रकार की शंका की गुंजाइश न रहे।

मंडी के अंदर होगी किसानों की बायोमेट्रिक, गेट पर नही

जींद। गेहूं खरीद सीजन के दौरान इस बार किसानों की सुविधा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कई नए प्रावधान लागू किए गए हैं। किसानों की बायोमीट्रिक प्रक्रिया मंडी के गेट पर नही बल्कि गेहूं की ढेरी की खरीद के समय मंडी के अंदर ही की जाएगी। एक किसान अपने परिवार के तीन सदस्यों को बायोमीट्रिक के लिए अधिकृत कर सकता है ताकि किसी कारणवश किसान के मंडी में उपस्थित न होने की स्थिति में उसके परिवार का सदस्य गेहूं की खरीद प्रक्रिया पूरी करवा सके। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि गेहूं खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और किसानों के लिए सुविधाजनक होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने बताया कि इस बार मंडी में आने वाले वाहनों का रिकार्ड रखने के लिए प्रवेश द्वार पर गेट पास के समय वाहन की फोटो ली जाएगी और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से समय आधारित रिकॉर्डिंग भी की जाएगी। हरसेक से प्राप्त डाटा के आधार पर फसल का गिरदावरी से मिलान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मंडियों में जीओ फेंसिंग लागू की गई है। जिससे निर्धारित क्षेत्र के बाहर गेहूं की खरीद या गेट पास जारी नहीं किया जा सकेगा। यह व्यवस्था मंडी के बाहर बैठ कर गेट पास काटने की शिकायतों को रोकने के लिए की गई है।

पुलिस अधिकारी ने लोन चुका दिया, फिर भी बैंक ने असली दस्तावेज नहीं लौटाए

गुरुग्राम। यहां एक पुलिस अधिकारी के साथ बैंक के अधिकारियों ने ऐसा काम किया, जो नियम, कायदों के खिलाफ है। पुलिस अधिकारी ने बैंक से लोन ले रखा था। लोन चुकता कर दिया गया फिर भी उनके जमा किए गए असली दस्तावेज देने में बैंक आनाकानी कर रहा था। पुलिस अधिकारी की शिकायत पर रविवार को बैंक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में एसआई सुनील कुमार ने बताया कि वह संयुक्त पुलिस आयुक्त के रीडर हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने सेक्टर-14 स्थित आईसीआई बैंक से लोन लिया था। लोन पूरा चुकता हो गया, लेकिन बैंक ने उनके जमा किए गए असली दस्तावेज नहीं लौटा। सुनील कुमार का कहना है कि वे कई बार संयुक्त पुलिस आयुक्त के प्रतिनिधि के तौर पर बैंक में गए, लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। सभी जरूरी औपचारिकता पूरी कर दी थी, फिर भी चक्कर कटवाए जा रहे थे। बैंक अधिकारियों ने इस मामले में पूरी लापरवाही बरती है। लोन फाइल बंद होने के बाद भी पुलिस अधिकारी के कागजात अवैध रूप से बैंक ने अपने कब्जे में रखे। उन्होंने बैंक कर्मी के खिलाफ परेशान करने का आरोप भी लगाया है। कहा गया है कि जो काम 10 दिन में हो जाना चाहिए था, वह 50 दिन तक लटकाकर रखा और किया भी नहीं। सेक्टर-14 पुलिस थाना में आईसीआई बैंक के बैंक कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

बाइक चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, बाइक चोरी की तीन वारदातों का खुलासा

पानीपत। पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले एक शातिर चोर को टीडीआई सेक्टर- 24 से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी से बाइक चोरी की तीन वारदातों का खुलासा हुआ है। आरोपी की पहचान रोहतक निवासी प्रदीप के रूप में हुई है। पुलिस ने रविवार को बताया कि उनकी टीम को गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली थी की टीडीआई सेक्टर- 24 में संदिग्ध किस्म का एक युवक स्पलेंडर बाइक पर सवार होकर घूम रहा है। बाइक चोरी की होने की संभावना है। पुलिस टीम ने सूचना को पुख्ता मानकर तुरंत मौके पर दबिश देकर युवक को काबू किया। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान प्रदीप निवासी रोहतक के रूप में बताई। बाइक के कागजात मांगने पर युवक बहाने बाजी करने लगा। गहनता से पूछताछ करने पर आरोपी ने बाइक दिसंबर 2025 में सेक्टर 25 पार्ट वन में एक फैक्टरी के बाहर से चोरी करना स्वीकारा। पुलिस द्वारा गहनता से पूछताछ करने पर आरोपी ने बाइक चोरी की दो अन्य वारदातों का खुलासा किया। बाइक चोरी की उक्त वारदातों बारे थाना समालखा व थाना माडल टाउन में अभियोग दर्ज है।

मुख्यमंत्री ने 113 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

एजेंसी

सोनीपत। गोहाना की नई सब्जी मंडी में आयोजित विकास एवं धन्यवाद रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश और क्षेत्र के लिए 113 करोड रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर जनता को समर्पित किया। रैली में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने मंच से सभी को राम-राम कहते हुए संबोधित किया और जनता का आभार जताया कि उन्होंने मंत्री डा. अरविंद शर्मा को विधायक बनाकर विधानसभा भेजा।

उन्होंने इसे जनता के विश्वास, मेहनत और समर्पण का महापर्व बताया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस के वैश्विक संकट के समय भी विपक्ष राजनीति खोज रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध का असर पूरे विश्व पर दिख रहा है और ऊर्जा संकट पैदा हो रहा है। ऐसे समय में केंद्र सरकार ने एक्साइज

ड्यूटी घटाकर कीमतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया है, जो दूरदर्शी सोच का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जनता की आकांक्षाओं, सपनों और विश्वास की जीत है। प्रदेश में पारदर्शिता और सेवा को समर्पित नेतृत्व को जनता ने चुना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों को ट्यूबवेल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा एग्री डिस्कॉम नाम से तीसरी बिजली कंपनी बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 4032 पेट्रोल पंप और गैस एजेंसियों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

परिसीमन और एसआईआर का कार्य पूरा होते ही खानपुर को तहसील तथा बरोदा और फरमाना को उप-तहसील बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गोहाना में जनगणना और एसआईआर के बाद नगर सीमा बढ़ाने का काम भी किया जाएगा। महम रोड स्थित पावर हाउस और खानपुर में 33 केवी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। गोहाना में खेल स्टेडियम बनाया जाएगा। सोनीपत से पानीपत चुंगी के बीच ड्रेन-8 को कवर कर भगवान परशुराम विरासत पार्क और जॉगिंग ट्रेक बनाया जाएगा। शहर में मल्टी स्टोरी पार्किंग और वाणिज्यिक परिसर के निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराई जाएगी।

केंद्रीय विद्यालय नूंह में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, अभिभावक समय पर करें आवेदन - उपायुक्त

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय नूंह में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों के अनुसार अपने बच्चों का आवेदन समय पर अवश्य करें। उपायुक्त ने बताया कि कक्षा II से V तक के लिए आवेदन फार्म भरने शुरू हो चुके हैं, जोकि 2 अप्रैल 2026 तक विद्यालय परिसर से प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्राप्त एवं जमा किए जा सकते हैं। इसके अलावा, बालवाटिका-1, 2, 3 तथा कक्षा ढ्ढ के लिए प्रवेश आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से किए जा रहे हैं, जिनकी अंतिम तिथि 2 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 मार्च 2026 से शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सभी अभिभावक प्रवेश से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आवश्यक दस्तावेज समय

पर तैयार रखें, ताकि आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों या भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

विदेशों में छिपे 20 अपराधियों के प्रत्यर्पण की तैयारी

एजेंसी

चंडीगढ़। विदेशों में बैठकर हरियाणा में फिरौती मांगने तथा साइबर क्राइम का संचालन करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई शुरू होने जा रही है। हरियाणा पुलिस ने विदेश में छिपे अपराधियों की सूची केंद्रीय एजेंसियों को भेजकर इंटरपोल की मदद मांगी है। इस संबंध में हरियाणा पुलिस की एक विशेष टीम लगातार केंद्रीय एजेंसियों के साथ तालमेल कर रही है। हरियाणा में वर्ष 2024 के दौरान फिरौती मांगने के 178 तथा 2025 में 107 मामले सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर मामले विदेशों में बैठे अपराधियों से लिंक मिले हैं। पनामा के जंगलों समेत कई देश ऐसे हैं जहां भारतीय कानूनों की मान्यता नहीं है और भारत के साथ संधि नहीं है। इसके बावजूद पुलिस द्वारा पिछले साल 17 अपराधियों को डिपोर्ट करवाया गया है और भारत में बैठकर फिरौती मांगने व साइबर क्राइम गिरोह चलाने वाले 793 अपराधियों को पकड़ा गया है।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल के अनुसार, 115 अपराधियों को लुक आउट नोटिस जारी करवाए गए हैं। 20 अपराधी ऐसे हैं जो विदेश में बैठकर हरियाणा में अपनी अपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। 10 अपराधियों को विदेशी पुलिस के मदद से वहां पर डिटेन करवाया जा चुका है। इन अपराधियों को भारत लाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों की मदद से इंटरपोल व अन्य विदेशी एजेंसियों को पत्र लिखा गया है। डीजीपी ने बताया कि बहुत जल्द विदेशों से कई अपराधियों को भारत लाकर उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह प्रक्रिया में तेजी से चल रही है। जल्द ही सिरे चढ़ाया जाएगा।

सभी एजेंसियां नियमों के अनुसार ही खरीदे रबी की फसल: डीसी अजय कुमार

एजेंसी

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी डीसी व संबंधित अधिकारियों के साथ रबी फसल खरीद सीजन की तैयारियों की समीक्षा के बाद उपायुक्त अजय कुमार ने अधिकारियों के साथ बैठक की। लघु सचिवालय के वीसी रूम में हैफेड, डीएफएससी, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन, कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक कर खरीद प्रबंधों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से फसल खरीद सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अधिकारियों ने अवगत करवाया कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुसार मंडियों व खरीद केंद्रों पर भंडारण, बारदाना तथा अन्य

आवश्यक संसाधनों के पर्याप्त प्रबंध कर लिए गए हैं। फसल खरीद, उठान और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए समन्वित कार्य योजना लागू की जा रही है, ताकि पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। डीसी अजय कुमार ने जिला की तीनों मंडियों नामतः पटौदी जटौली मंडी, फर्रुखनगर तथा सोहना मंडी से संबंधित मार्केट कमेटी सचिव से कहा कि वे अपनी अपनी मंडियों और खरीद केंद्रों पर प्रवेश और निकासी द्वार पर सीसीटीवी लगवाना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सभी मंडियों में बायोमेट्रिक डिवाइस की उपलब्धता सुनिश्चित करे। किसान की फसल खरीद के समय बायोमेट्रिक सत्यापन होना अनिवार्य है इसलिए यह निर्बाध रूप से जारी रहनी चाहिए, इसके लिए सभी प्रकार की आवश्यक प्रबंध रखें। उन्होंने कहा कि किसान स्वयं या उनके द्वारा नॉमिनेट व्यक्ति के द्वारा फसल बेच सकता है, जिसकी डिवाइस से बायोमेट्रिक सत्यापन होगा। मंडी में प्रवेश द्वार पर फसल लाने वाले वाहन की फोटो अवश्य ली जानी आवश्यक है। डीसी ने विशेष रूप से ई-खरीद पोर्टल के प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि गेट पास जारी करने, फसल तुलाई और भुगतान से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित होनी चाहिए।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के प्रशासनिक न्यायाधीश पंकज जैन ने जिला जेल परिसर का किया निरीक्षण

● प्रशासनिक न्यायाधीश पंकज जैन ने जिला कारागार में लीगल एड क्लीनिक व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम का किया उद्घाटन ● उन्होंने जेल परिसर में पौधारोपण करने के बाद की बंदियों से बात

एजेंसी

रेवाड़ी। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के प्रशासनिक न्यायाधीश पंकज जैन ने जिला जेल रेवाड़ी का निरीक्षण कर जेल में बंदियों व कैदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर सिंह वाधवा, सीजेएम एवं डीएलएसए सचिव अमित वर्मा, सीजेएम डा. रेनू सोलखे, एडीसी राहुल मोदी, डीएसपी पवन कुमार और जेल अधीक्षक सुरेंद्र सिंह दलाल भी उपस्थित रहे।

न्यायाधीश पंकज जैन ने जिला जेल में कंट्रोल रूम में बनाए गए लीगल एड क्लीनिक और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम का उद्घाटन किया। उन्होंने जेल में बंद बंदियों व कैदियों की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, भोजन व्यवस्था तथा कानूनी सहायता से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जेल

परिसर के निरीक्षण के दौरान बंदियों को दिए जाने वाले भोजन व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस निरीक्षण के दौरान बंदियों और कैदियों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस अवसर पर जिला कारागार के प्रांगण में पौधारोपण भी किया।

न्यायाधीश पंकज जैन ने जेल अधिकारियों के साथ बात कर संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कैदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाए, ताकि जेल से रिहा होने के बाद वे समाज में पुनः एकीकृत हो सकें। साथ ही उन्हें अपना जीवन यापन करने के लिए सक्षम बनाया जाए। जेल अधीक्षक सुरेंद्र सिंह दलाल ने बताया कि कैदियों के लिए निर्धारित मेन्यू के अनुसार संतुलित व पौष्टिक भोजन तैयार किया जाता है और गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। न्यायाधीश पंकज जैन ने निरीक्षण के उपरांत जेल प्रशासन द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया तथा आवश्यक सुधारों को लेकर दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बंदियों व कैदियों को मानवीय दृष्टिकोण के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना जेल प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

रबी विपणन सीजन 2026-27 के लिए नई व्यवस्थाएं लागू - अखिल पिलानी

आह्वान, किसान व संबंधित विभागों के अधिकारी करें सभी नई व्यवस्थाओं की अनुपालना सुनिश्चित

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि रबी विपणन सीजन 2026-27 के दौरान सरकार द्वारा खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कई नई व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। इन व्यवस्थाओं के तहत अब एंट्री गेट पास केवल उन्हीं वाहनों को जारी किए जाएंगे, जिन पर नंबर प्लेट या पंजीकरण संख्या अंकित होगी। इसके साथ ही मंडी/खरीद केंद्र पर एंट्री गेट पास जारी करते समय, उपज लेकर आने वाले वाहन का पंजीकरण नंबर तथा वाहन की एक तस्वीर भी दर्ज की जाएगी, जिससे रिकॉर्ड को सुदृढ़ बनाया जा सके। उपायुक्त ने बताया कि मंडियों एवं खरीद केंद्रों पर अनाज खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार यह प्रक्रिया पीओएस मशीन के माध्यम से संपन्न की जाएगी, जिससे खरीद प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। रबी विपणन सीजन 2026-27 के दौरान सभी मंडियों, खरीद केंद्रों तथा गोदामों को जियो-फेंसिंग के दायरे में लाया गया है। इसके तहत सभी प्रकार के गेट पास संबंधित परिसर में जियो-फेंसिंग के आधार पर ही जारी किए जाएंगे, जिससे गतिविधियों की प्रभावी निगरानी संभव हो सके। इसके अतिरिक्त, मंडियों/खरीद केंद्रों से लेकर गोदामों तक गेहूं के उठान एवं परिवहन में लगे वाहनों की आवाजाही पर जीपीएस के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। इस व्यवस्था से परिवहन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने सभी किसानों एवं संबंधित अधिकारियों का आह्वान किया।

रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं है बल्कि मानवता की है सच्ची सेवा: रणबीर गंगवा

एजेंसी

नरवाना। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि युवा शक्ति को अपने जीवन में मानवता की भलाई के कार्य करना चाहिए। नर सेवा नारायण सेवा के मूल पर प्रत्येक युवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाकर मानव सेवा को सर्वोपरि स्थान देना चाहिए। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा एसडी महिला कॉलेज में माया देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में लगाए रक्तदान शिविर के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कैबिनेट मंत्री के साथ पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं है बल्कि मानवता की सच्ची सेवा भी है। रक्तदाता द्वारा दान की गई रक्त की कुछ बूँदें किसी के लिए जीवनदान सिद्ध हो सकती है। लिहाजा प्रत्येक व्यक्ति विशेषकर युवा को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। युवा शक्ति किसी भी समाज एवं राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होती है और इसकी सकारात्मक ऊर्जा से ही सभ्य स्वस्थ और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि युवा में हमेशा सामाजिक बदलाव की क्षमता

होती है और यदि वे सेवा त्याग और सहयोग की भावना अपनाते हैं, तो देश को नई ऊंचाईयों तक ले जा सकते हैं। शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को कैबिनेट मंत्री ने बधाई दी और उन्हें बैज लगाकर उनका हौसलावर्धन भी किया। उन्होंने अपने संदेश में आगे कहा कि रक्तदान के साथ- साथ नशामुक्ति अभियान शारीरिक अंगदान सामाजिक कुरितियों के खिलाफ चेतना अभियान पौधा रोपण व स्वच्छता अभियान पर्यावरण संरक्षण अभियान जैसे मानव सेवा के कार्यक्रमों में भी युवाओं को बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने उक्त विषयों पर जन जागरण और चेतना के कार्यक्रम करने वाली सामाजिक संस्थाओं का भी आभार जताया और आह्वान किया कि वे इस प्रकार के जनसेवा के कार्यों में आगे भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहे। इस अवसर पर मायादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी राजेश गोयल, कर्नल रामपुरोहित सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं रक्तदाता मौजूद रहे।

फसल खरीद पर सीएम की दो टूक, मंडियों में गड़बड़ी पर नपेंगे अफसर

एजेंसी

चंडीगढ़। : खरीफ और रबी सीजन में मंडियों में फसल खरीद के दौरान होने वाली गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए नायब सरकार ने एक्शन प्लान तैयार किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार देर रात्रि जिला उपायुक्तों के साथ रबी फसल खरीद की तैयारियों की समीक्षा के दौरान सख्त चेतावनी दी कि मंडियों में गड़बड़ी और लापरवाही मिलने पर अधिकारी और कर्मचारी नपेंगे। किसानों का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिलों उपायुक्तों को चेताया कि मंडियों में किसानों को किसी भी तरह की असुविधा सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में बारदाना, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय और कैंटीन जैसी मूलभूत सुविधाएं हर हाल में उपलब्ध हों।

मुख्यमंत्री ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि फसलों का भुगतान समय पर सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, कृषि विभाग के महानिदेशक राजनारायण कौशिक समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने डीसी को निर्देश दिए कि सभी मंडियों में पर्याप्त मात्रा में बारदाना (बोरियां), स्वच्छ पेयजल, उचित बैठने की व्यवस्था, साफ-सुथरे शौचालय और अच्छी तरह संचालित कैंटीन सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर प्रभावी सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मंडी में खरीद प्रक्रिया की निगरानी और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए।

मंडियों में किसानों को उपलब्ध करवाई जाए सभी आवश्यक सुविधाएं: डीसी

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने देर सायं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों व संबंधित अधिकारियों के साथ रबी फसल खरीद प्रक्रिया की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडियों में व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी बनाते हुए प्रभावी कदम उठाए जाए।

डीसी अभिषेक मीणा वीसी उपरांत लघु सचिवालय सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर खरीद प्रबंधों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने मार्केट कमेटी सचिव को निर्देश दिए कि किसान की फसल खरीद के समय बायोमेट्रिक सत्यापन होना अनिवार्य है इसलिए यह निर्बाध रूप से जारी रहनी चाहिए, इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध रखें। उन्होंने कहा कि किसान स्वयं या उनके द्वारा नॉमिनेट व्यक्ति के द्वारा फसल बेच सकता है, जिसकी डिवाइस से बायोमेट्रिक सत्यापन की जाएगी। मंडी में प्रवेश द्वार पर फसल लाने वाले वाहन की फोटो ली जानी आवश्यक है। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि खरीद प्रक्रिया के दौरान गेट पास जारी करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि खरीद प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई समस्या आती है तो उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए और आवश्यकतानुसार वैकल्पिक व्यवस्थाएं तुरंत लागू की जाएं।

करने, फसल तुलाई और भुगतान से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मंडियों में साफ-सफाई, पीने के पानी, शौचालय, बैठने की व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त रखी जाएं, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न प्रशासन का मुख्य उद्देश्य किसानों की फसल की निर्बाध खरीद और उन्हें समय पर भुगतान करना है। बैठक में अधिकारियों ने डीसी को अवगत करवाया कि मंडियों व खरीद केंद्रों पर भंडारण, बारदाना तथा अन्य आवश्यक संसाधनों के पर्याप्त प्रबंध कर लिए गए हैं।

मंडियों में जटिल खरीद प्रक्रिया से किसान फसल बेचने से पहले हुए परेशान: रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

चंडीगढ़। कांग्रेस के राष्ट्रीय महसचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा सरकार द्वारा रबी सीजन में फसल खरीद पर लगाई शर्तों पर सवाल उठाते हुए नायब सरकार को घेरा। उन्होंने ट्रैक्टर-ट्राली और बायोमेट्रिक शर्तों को तुगलकी फरमानों के जरिये किसानों को परेशानी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार चोर दरवाजे से न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश रच रही है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारें तीन कृषि कानूनों की वापसी के बाद अब नई प्रक्रियागत बाधाओं के जरिए किसानों को फसल बेचने से रोकने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर खरीद प्रक्रिया को इतना जटिल बना रही है कि किसान खुद ही मंडियों में आने से हतोत्साहित हो जाए। इस दौरान भूपेंद्र सिंह भूप्पी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। उन्होंने ट्रैक्टर-ट्रॉली से जुड़े नए नियमों पर सवाल उठाते हुए किसानों पर अपनी फसल ट्रैक्टर-ट्रॉली में लाने, उस पर नंबर लिखने, फोटो खींचकर पोर्टल पर अपलोड करने जैसी शर्तें थोपने का विरोध जताया। सुरजेवाला ने पूछा कि जिन किसानों के पास खुद का ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं है, वे इस प्रक्रिया का पालन कैसे करेंगे, और क्या किराए के साधनों के इस्तेमाल पर कार्रवाई नहीं होगी। दूसरा बड़ा मुद्दा उन्होंने समय सीमा को लेकर उठाया। सरकार ने मंडी में फसल लाने का समय सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक तय कर दिया है। सुरजेवाला ने कहा कि कटाई के सीजन में फसल अक्सर रात में भी मंडियों में पहुंचती है। ऐसे में यह पाबंदी लंबी कतारें, बढ़ता खर्च और किसानों के लिए अतिरिक्त परेशानी का कारण बनेगी। सुरजेवाला ने 'मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' पोर्टल के तहत बायोमेट्रिक सत्यापन की अनिवार्यता को अव्यावहारिक बताया। उनका कहना है कि किसान को हर बार खुद मंडी में उपस्थित होकर अंगूठा लगाना होगा, जबकि कटाई के दौरान वह खेत में व्यस्त रहता है।

रुपए में ऐतिहासिक गिरावट...करेंसी मार्केट में हाहाकार!

1 डॉलर की कीमत हुई 95.58 रुपए

नई दिल्ली।

जब सुबह के समय रुपए में 128 पैसे की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी। तब किसी को भी ऐसी उम्मीद नहीं थी कि रुपया एक बार फिर से धराशाई हो जाएगा। लेकिन दोपहर आते आते करेंसी मार्केट ने ऐसी चाल बदली कि सभी हैरान रह गए। पहली बार डॉलर के मुकाबले में ना सिर्फ 95 के लेवल के पार चला गया बल्कि नया लाइफ टाइम लोअर लेवल का रिकॉर्ड 1 डॉलर की कीमत 95.58 भी बना दिया। खास बात तो ये है कि दिन के हाई से रुपए में 2.33 रुपए की गिरावट देखने को मिली। रुपए में आई गिरावट की वजह से शेयर बाजार भी धराशाई होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों को देखें तो आने वाले दिनों में रुपए में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है।डॉलर के मुकाबले में रुपए में सोमवार को दोपहर के बाद जबरदस्त गिरावट दिखाई दी और पहली बार ना सिर्फ 95 के लेवल के पार चला गया, बल्कि एक नए रिकॉर्ड लोअर लेवल पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार डॉलर के मुकाबले में रुपया दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ 95.157 के लेवल पर कारोबार कर रहा था। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले में 95.58 के लेवल के साथ लाइफ टाइम लोअर लेवल पर कारोबार करता हुआ दिखाई। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में डॉलर के मुकाबले में रुपए में और गिरावट देखने को मिल सकती है।

दिन के हाई से 2.33 रुपए गिरा रुपयाआंकड़ों को देखें तो रुपए में डॉलर के मुकाबले में काफी गिरावट देखने को मिल चुकी है। आंकड़ों के अनुसार रुपया 93.247 के लेवल के साथ मजबूत हो गया था। लेकिन कारोबारी सत्र के दौरान रुपए में डॉलर के मुकाबले में 2.33 रुपए की गिरावट देखने को मिली और आंकड़ा 95.58 के लेवल पर पहुंच गया। खास बात तो ये कि

करीब एक साल में रुपए में डॉलर के मुकाबले में करीब 12 रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

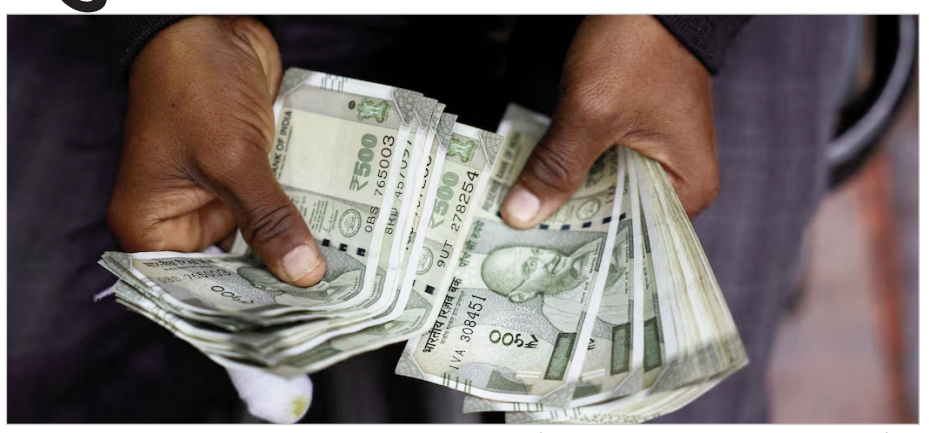

इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में, रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और मजबूत होकर 93.57 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर से 128 पैसे की बढ़त थी।

शुक्रवार को, रुपया 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.85 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

क्रिप्टो मार्केट में एक साल का उतार-चढ़ाव

- बिटकॉइन और डॉगकॉइन सबसे अधिक प्रभावित

मुंबई ।

पिछले एक साल में क्रिप्टोकरेंसी मार्केट निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। 31 मार्च 2025 को ग्लोबल मार्केट कैप 2.67 ट्रिलियन डॉलर था, जो अक्टूबर में बढ़कर 4.28 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद तेज गिरावट आई और अब यह लगभग 2.32 ट्रिलियन डॉलर रह गया है, यानी सालाना करीब 13 फीसदी की कमी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत भी प्रभावित हुई। एक साल पहले यह 82,336 डालर पर थी, अक्टूबर में 1.25 लाख डॉलर के ऑल टाइम हाई तक पहुंची और वर्तमान में 67,405 डॉलर पर ट्रेड कर रही है। इससे सालाना करीब 19 फीसदी की गिरावट हुई।

अप्रैल में भारत में लॉन्च हो रही नई कारें

नई दिल्ली।

जर्मन कार निर्माता फॉक्सवैगन अप्रैल 2026 में अपनी अपडेटेड टाइगुन फेसलिफ्ट लॉन्च करने जा रही है। नई टाइगुन में ग्राहकों को आकर्षक नया डिजाइन और उन्नत फीचर्स मिलेंगे। हालांकि, इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह कार 9 अप्रैल 2026 से भारतीय बाजार में उपलब्ध होगी। टाइगुन फेसलिफ्ट विशेष रूप से शहर में आरामदायक ड्राइव और आधुनिक तकनीक के लिए बनाई गई है। एमजी मोटर अप्रैल में अपनी नई एमजी मेजेस्टर को ऑफिशियली लॉन्च करेगी। इसे पहले जनवरी 2026 में पेश किया जा चुका है। कंपनी ने इसकी बुकिंग 41,000 रुपए से शुरू कर दी है। कार की डिलीवरी मई 2026 से शुरू होने की संभावना है। मेजेस्टर में बेहतर स्पेस और उन्नत फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे फैमिली और शहरी उपयोग के लिए उपयुक्त बनाते हैं। टोयोटा अप्रैल 2026 में अपनी पहली ईवी एसयूवी, अर्बन क्रूजर इबेला लॉन्च करने जा रही है। इसमें 40 केडब्ल्यूएच और 61 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प मिलेंगे। कीमत का खुलासा लॉन्च के समय किया जाएगा। यह कार आधुनिक टेक्नोलॉजी और बेहतर रेंज के साथ पर्यावरण के अनुकूल विकल्प पेश करती है। निसान की मिड-साइज एसयूवी, टेक्टन, भी अप्रैल 2026 में लॉन्च हो सकती है।

यह भारतीय बाजार में किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा जैसी गाड़ियों से मुकाबला करेगी। टेक्टन में मजबूत डिज़ाइन और आरामदायक फीचर्स शामिल हैं।

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी कीमती धातुओं की चाल

– वैश्विक और भू–राजनीतिक कारक तय करेंगे दिशा

नई दिल्ली।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सप्ताह सोना और चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निगाह बनाए रखेंगे। इन कारकों से कीमती धातुओं की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों के अनुसार इस हफ्ते अमेरिकी फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल और अन्य फेड अधिकारियों के बयान खास महत्व रखते हैं। ये बयान ब्याज दरों और मौद्रिक नीति से जुड़े संकेत देंगे, जो सोने और चांदी की मांग पर असर डाल सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लगभग 2 प्रतिशत गिरकर 4,492.5 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जबकि चांदी हल्की बढ़त के साथ 69.79 डॉलर प्रति औंस पर रही। विशेषज्ञों के अनुसार सोने में गिरावट के पीछे गोल्ड ईटीएफ निवेशकों की बिकवाली, कमजोर भौतिक मांग, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी मुख्य कारण हैं। अमेरिकी बाजार की कमजोरी ने सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ाई, जिससे चांदी को कुछ सहारा मिला, लेकिन बढ़ती बॉन्ड यील्ड और ऊंचे तेल दामों के कारण

पारंपरिक मांग सीमित रही। घरेलू वायदा बाजार में सोना मामूली गिरकर 1.44 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी बढ़कर 2.27 लाख प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। रुपये की कमजोरी ने कीमती धातुओं को कुछ सहारा दिया, क्योंकि रुपया 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 94.80 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकारों के अनुसार निवेशक पश्चिम एशिया की घटनाओं, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विनिर्माण आंकड़े, यूरोजोन महंगाई और अमेरिकी रोजगार व खपत आंकड़ों पर नजर रखेंगे। घरेलू बाजार में सुस्ती बनी रह सकती है, क्योंकि 31 मार्च और 3 अप्रैल को महावीर जयंती और गुड फ्राइडे के चलते बाजार बंद रहेंगे।

जम्मू संभाग के 100 स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित करने की मंजूरी

जम्मू ।

आयुष मंत्रालय के तहत नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड ने जम्मू संभाग में 100 स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित करने के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस परियोजना के लिए कुल 53 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पहल के तहत संभाग के प्रत्येक जिले से 10-10 स्कूलों को चयनित किया गया है। ये हर्बल गार्डन छात्रों के लिए जीवंत शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित होंगे, जहां वे औषधीय पौधों की पहचान, खेती और उपयोग संबंधी जानकारी सीख सकेंगे। इसका उद्देश्य स्कूल शिक्षा प्रणाली में पारंपरिक औषधीय ज्ञान और प्रकृति के प्रति जागरूकता को जोड़ना है। आयुष निदेशक एवं जेएंडके मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड के सीईओ ने इसे शिक्षा और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को जोड़ने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम बताया। उनका मानना है कि ये हर्बल गार्डन छात्रों के लिए अनुभवात्मक शिक्षा के केंद्र बनेंगे और उन्हें प्रकृति व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाएंगे।

सरकार ने पीडीएस में केरोसिन आवंटन बढ़ाया, अफवाहों पर नियंत्रण

- घरों में खाना और रोशनी के लिए केरोसिन उपलब्ध

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और संभावित आपूर्ति बाधा को ध्यान में रखते हुए सुपीरियर केरोसिन ऑयल (एसकेओ) का तदर्थ आवंटन मंजूर किया है। यह घरों में खाना बनाने और रोशनी के लिए जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। पहले केरोसिन मुक्त माने जाने वाले 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी अब इस व्यवस्था में शामिल किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति के लिए कई जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर मांग पूरी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी के वितरण के लिए सरकार के निर्देशों के अनुसार आदेश जारी किए हैं। 14 मार्च 2026 के बाद अब तक लगभग 39,368 मीट्रिक टन एलपीजी कमर्शियल उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित आवंटन के अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन दिया गया है। 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एसकेओ आवंटन आदेश जारी किए हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और लद्दाख ने इसकी आवश्यकता नहीं बताई। कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ और जरूरत से ज्यादा खरीदारी हुई। सरकार ने कहा कि देश में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सही जानकारी के लिए प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर भरोसा करने की अपील की गई है। वर्तमान में 14 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश यह नियमित जानकारी साझा कर रहे हैं।

एनसीएलएटी ने बीएसई की अपील खारिज की

नई दिल्ली।

विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना रहे हैं। इसके चलते रुपया कमजोर हुआ और इक्विटी बाजार पर दबाव देखा गया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार की अस्थिरता को बढ़ाया है, जिससे निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई है। डीमैट खातों की जब्ती से जुड़े मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की अपील को खारिज कर दिया। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट किया कि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। अदालत ने कहा कि आईबीसी की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी को व्यापक शक्तियां प्राप्त हैं जो दिवालियापन समाधान और परिसमापन के मामलों में लागू होती हैं। बीएसई ने एनसीएलटी के अधिकार को चुनौती दी थी, यह कहते हुए कि दिवालियापन के दौरान डीमैट खातों पर रोक हटाना सेबी के नियामकीय दायरे में आता है। लेकिन अपीलीय अधिकरण ने इस दलील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि दिवालियापन से जुड़े मामलों में एनसीएलटी का अधिकार सर्वोपरि है। इसका मतलब है कि भविष्य में ऐसे मामलों में एनसीएलटी के फैसलों पर विवाद की संभावना कम होगी और स्पष्टता बनी रहेगी।

डीजीसीए का आदेश, सभी उड़ानों में 60 फीसदी सीटें बिना शुल्क उपलब्ध

– इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया

नई दिल्ली।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घोषणा की है कि 20 अप्रैल से सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को न्यायसंगत सुविधा देना और सीट आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि विमानन कंपनियों को अपनी सीट आवंटन नीतियों को पारदर्शी बनाना होगा। सभी शुल्क रहित सीटों की उपलब्धता और लागू शर्तें बुकिंग वेबसाइट या ऐप पर स्पष्ट रूप से दिखानी होंगी। इसके अलावा, खेल उपकरण, संगीत वाद्य यंत्र जैसी वैकल्पिक सेवाओं के लिए सभी शुल्क और किसी भी नुकसान की स्थिति में जिम्मेदारी की शर्तें भी स्पष्ट रूप से यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में केवल लगभग 20 प्रतिशत सीटें मुफ्त चयन के लिए उपलब्ध हैं। बाकी सीटों के लिए यात्री 200 से 2,100 रुपये तक का शुल्क देते हैं, जो सीट की पंक्ति और अतिरिक्त सुविधाओं पर निर्भर करता है। नई नीति लागू होने

के बाद, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें सभी यात्रियों के लिए बिना शुल्क चयन विकल्प के साथ उपलब्ध होंगी। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया है। उनका कहना है कि 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने से उनकी आय पर असर पड़ेगा और नुकसान की भरपाई के लिए उन्हें हवाई किराया बढ़ाना पड़ सकता है।

डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि यह परिपत्र जारी होने की तारीख से 30 दिन बाद प्रभावी होगा।

डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलनरू ई.कॉमर्स सीमा शुल्क पर भारत और अमेरिका में मतभेद

. सदस्य देशों ने 2031 तक रोक बढ़ाने पर विचार किया

नई दिल्ली । विश्व व्यापार संगठन ;डब्ल्यूटीओद्ध का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में सदस्य देशों ने इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ;ई.कॉमर्सद्ध पर सीमा शुल्क न लगाने की मौजूदा प्रथा को 30 जूनए 2031 तक बढ़ाने पर विचार किया। लगभग तीन दशकों से सदस्य देश हर दो साल में इस रोक को बढ़ाते रहे हैं। हालांकिए भारत ने राजस्व हानि की चिंताओं का हवाला देते हुए स्थायी रोक लगाने का विरोध किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीमा शुल्क में छूट के दायरे और संभावित प्रभाव पर सदस्य देशों के बीच कोई आम सहमति नहीं हैए इसलिए इसे लगातार आगे बढ़ाने के फैसले पर बारीकी से गौर करना आवश्यक है। अमेरिका सहित अधिकतर विकसित देश इस रोक को स्थायी बनाने के पक्ष में हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने वीडियो संदेश में कहा कि अमेरिका केवल कुछ समय के लिए रोक बढ़ाने में दिलचस्पी नहीं रखता। उनका कहना था कि इससे अमेरिकी व्यवसायों को दीर्घकालिक निश्चितता नहीं मिलेगी। ई.कॉमर्स और निवेश से जुड़े मुद्दों पर मतभेदों के बावजूदए मंत्रीस्तरीय बैठक में बहुपक्षवाद बनाए रखने को प्राथमिकता दी गई। भारत ने विकसित देशों के दबाव के बावजूद आईएफडी समझौते में शामिल होने का विरोध किया। हालांकिए यह समझौता 129 देशों के बहुमत समर्थन के साथ पारित हुआ। पिछली दो मंत्रीस्तरीय बैठकों ;12वीं और 13वींद्ध की तरहए इस बार भी अंतिम घोषणा पर किसी सहमति की सूचना नहीं मिली।

बीएसई में गिरावट की मार, आधे से अधिक शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर

– निफ्टी और सेंसेक्स ने साल की शुरुआत से लगभग 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की

नई दिल्ली।

मार्च 2026 में भारतीय शेयर बाजार में बड़ी कमजोरी देखने को मिली है। बीएसई में सूचीबद्ध 4,270 शेयरों में से 2,234 अपने 52-सप्ताह के सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं। हर पांच में से एक शेयर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर गिर गया है। निफ्टी और सेंसेक्स ने साल की शुरुआत से लगभग 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। 2024 के उच्चतम स्तर से अब तक कुल बाजार पूंजीकरण में 56 लाख करोड़ रुपये की कमी आ चुकी है। विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। इससे चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और सरकार पर सब्सिडी का दबाव बनेगा, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका भी है। शेयर बाजार में मंदी के बीच दिग्गज ब्रोकरेज हाउसों ने निवेश रणनीति बदल दी है। गोल्डमैन सॉक्स ने 'डिफेंसिव कंजंप्शन' और 'अपस्ट्रीम एनर्जी' को प्राथमिकता दी है। बैंकों को 'ओवरवेट' रखा गया है क्योंकि मजबूत एसेट क्वालिटी और नेट इंटरेस्ट मार्जिन सहारा दे रहे हैं। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 'अंडरवेट' किया गया है। आईटी, फार्मा और केमिकल्स पर जोखिम बरकरार है, जबकि ऑटो और

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को 'मार्केटवेट' में डाउनग्रेड किया गया है।

एचएसबीसी जैसी ब्रोकरेज हाउसें इस मंदी को खरीदारी का अवसर मान रही हैं। लंबे समय तक ऊँचे वैल्यूएशन के बाद शेयर अब अपने दीर्घकालिक औसत के करीब आ गए हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं

कि निवेशक सुरक्षित क्षेत्रों जैसे बैंकिंग और डिफेंसिव कंजंप्शन सेक्टर्स पर ध्यान दें और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सतर्क रहें।

ऑटो सेक्टर में तेज रफ्तार, मार्च 2026 में मजबूत बिक्री की उम्मीद

- ग्राहक मांग, आसान फाइनेंसिंग और ग्रामीण मजबूती से सभी सेगमेंट में ग्रोथ

नई दिल्ली।

ऑटो सेक्टर में इस समय जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है और मार्च 2026 कंपनियों के लिए मजबूत कमाई का संकेत दे रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी महीने में लगभग सभी ऑटो सेगमेंट में अच्छी ग्रोथ दर्ज होने की संभावना है। बेहतर ग्राहक भावना, बढ़ती आय और आसान फाइनेंसिंग के चलते बाजार में मांग लगातार बनी हुई है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में खास मजबूती दिख रही है। प्रमुख कंपनियों की रिटेल बिक्री में करीब 15 प्रतिशत की सालाना बढ़त का अनुमान है, जबकि थोक बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत उछाल संभव है। मे हिंद्रा एंड मे हिंद्रा और टाटा मोटर्स को नए मॉडल्स से फायदा मिल रहा है, वहीं स्ङ्घह्लह्लद्ब स्ह्व5ह्वझ्द्ब की मांग मजबूत है, हालांकि उत्पादन सीमाएं थोड़ी चुनौती बनी हुई हैं। दोपहिया सेगमेंट में भी तेजी कायम है। शादी के सीजन और पिछले साल के कम आधार के कारण बिक्री में करीब 21 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान है। हालांकि रायल इनफील्ड पर निर्यात दबाव का असर देखा जा सकता है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी मांग मजबूत बनी हुई है, जहां लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। माल ढुलाई की बढ़ती जरूरत इस ग्रोथ को सपोर्ट कर रही है। सबसे ज्यादा तेजी ट्रैक्टर सेगमेंट में देखने को मिल रही है। अच्छी बारिश, बेहतर फसल और किसानों की आय में सुधार से ग्रामीण मांग मजबूत हुई है। साथ ही, जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से लागत कम हुई है, जिससे बिक्री में करीब 23 प्रतिशत की बढ़त संभव है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण निर्यात पर कुछ दबाव बना रह सकता है। कुल मिलाकर, मजबूत मांग और घटते डिस्काउंट के चलते ऑटो कंपनियों के मार्जिन में सुधार की उम्मीद है।

रुपया 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 पर खुला

मुंबई ।

शुरुआती कारोबार में सोमवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.57 तक और मजबूत हुआ, जो पिछले बंद भाव से 128 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ अब तक के अपने निचले स्तर 94.85 पर बंद हुआ। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के

साथ 100.09 पर कारोबार कर रहा था।

ईरान की सीमाओं के हालात देखिये, पक्का चौंक जाएंगे! युद्ध ने खड़ा कर दिया है बहुत बड़ा मानवीय संकट

नीरज कुमार दुबे

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। बीते एक महीने से लगातार हो रही बमबारी ने न केवल हजारों लोगों की जान ली है, बल्कि लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में कम से कम 1937 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चौबीस हजार आठ सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। ये आंकड़े इस बात की गंभीरता को दशार्ते हैं कि यह संघर्ष अब व्यापक मानवीय आपदा बन चुका है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक, इस संघर्ष के कारण अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर ही विस्थापित हो चुके हैं। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह जैसे बड़े शहरों में सबसे ज्यादा हवाई और ड्रोन हमले हुए हैं, जिसके चलते लोग इन इलाकों को छोड़कर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों और कैस्पियन सागर के पास के उत्तरी इलाकों की ओर जा रहे हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि सुरक्षित स्थान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह गए हैं। कई जगहों पर लगातार हमलों के कारण लोगों के सामने यह दुविधा है कि वे अपने घरों में रहें या पलायन का जोखिम उठाएं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा पाकिस्तान, अजरबैजान, इराक और तुर्कमेनिस्तान में भी हजारों लोग पहुंचे हैं। यह पलायन इस बात का संकेत है कि लोगों को अब अपने देश में जीवन सुरक्षित नहीं लग रहा। डर, असुरक्षा और लगातार हो रहे हमलों ने आम नागरिकों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है।

वहीं सीमाओं पर हालात और भी ज्यादा कठिन होते जा रहे हैं। ईरान से भागकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंचने वाले लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राहत एजेंसियों के अनुसार, सीमाई चौकियों पर भारी भीड़, लंबी कतारें और सीमित

संसाधनों के कारण लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी है।

इसके अलावा, सुरक्षा स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर लगातार झड़पें और गोलाबारी हो रही है, जिससे शरण लेने आए लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। हाल के दिनों में सीमा क्षेत्रों में तोपखाने हमलों और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए हैं। साथ ही कई बार सीमाएं अचानक बंद कर दी जाती हैं या सीमित समय के लिए खोली जाती हैं, जिससे हजारों लोग बीच रास्ते में फंस जाते हैं। कुछ मामलों में लोगों को जबरन वापस लौटाया जा रहा है, जबकि कई परिवार बिछड़ जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग एक युद्ध से बचकर भाग रहे हैं, वे अक्सर दूसरे संघर्ष और असुरक्षा के माहौल में पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और भी दयनीय हो जाती है।

ईरान से भाग रहे लोगों की कहानियां भी बेहद मार्मिक हैं। कई लोग अपने देश की सरकार से नाराज हैं और इस संघर्ष को बदलाव का मौका मान रहे हैं। कुछ लोगों ने विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन भी किया है, जो इस बात को दशार्ता है कि देश के भीतर असंतोष कितना गहरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले 47 वर्षों का दर्द अब असहनीय हो चुका है। वहीं एक अन्य व्यक्ति, जो सात साल जेल में रहा, उसने कहा कि जो पीड़ा उन्होंने झेली है, उसे समझ पाना आसान नहीं है। हालांकि, लोग डर और उम्मीद दोनों के बीच जी रहे हैं। वह अपनी जान और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, लेकिन साथ ही यह भी चाहते हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े बदलाव की ओर ले जाए।

वहीं ईरान में रहने वाले चालीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें से अधिकतर शहरों में रहते हैं, जो हमलों का मुख्य लक्ष्य बने हुए हैं। इनमें से कई लोगों की आजीविका खत्म हो चुकी है और उनके पास न तो सुरक्षित स्थान है और न ही देश छोड़ने की अनुमति है। बताया जा रहा है कि करीब पैंतीस हजार अफगान पहले ही वापस अपने देश लौट चुके हैं, जबकि दस लाख से अधिक लोगों पर जबरन वापसी का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि अफगानिस्तान खुद संकट से जूझ रहा है।

दूसरी ओर, ईरान के शहरों से आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। कई इलाकों में घर, अस्पताल और स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तेहरान के लगभग हर इलाके में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग अपने घरों की खिड़कियों पर टेप लगा रहे हैं ताकि कांच टूटने से होने वाली चोटों से बचा जा सके। इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं और बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावित है, जिससे आम जीवन और कठिन हो गया है। लोग रातभर बम धमाकों की आवाज सुनते हुए डर के साये में जी रहे हैं।

उधर, मानवीय संगठनों का कहना है कि राहत कार्यों के लिए जरूरी धन की भारी कमी है। हर सप्ताह अरबों रुपये युद्ध पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बताया जा रहा है कि ईरान में करीब अट्ठाइस लाख लोगों की मदद के लिए 80 मिलियन डॉलर की जरूरत है, जबकि अफगानिस्तान में 17.5 मिलियन लोगों के लिए 1.71 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है। लेकिन अब तक इसका बहुत छोटा हिस्सा ही उपलब्ध हो पाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह युद्ध जारी रहा तो यह एक और बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है। लाखों लोग सीमाओं के पार जाने को मजबूर होंगे, जिससे पहले से दबाव झेल रहे देशों पर और बोझ बढ़ेगा। देखा जाये तो यह संघर्ष आम लोगों को ऐसी पीड़ा दे रहा है जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की जा रही है कि सभी पक्ष नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका के बीच यह युद्ध अब पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर मानवीय संकट बन चुका है। हजारों मौतें, लाखों विस्थापित लोग और बर्बाद होती जिंदगी इस बात का संकेत हैं कि अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

संपादकीय

इंसानी जीपीएस का क्षरण

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहां जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाने लगे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिरे से नजरअंदाज न करें। यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं कि दिमागी जीपीएस प्रारूप का इस्तेमाल रोबोटिक्स में करने में कैसे सफलता मिले। जिससे मशीनें भी वैसा ही व्यवहार करें जैसा हमारा दिमाग करता है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दशार्ता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

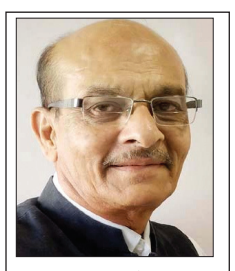

सनत जैन

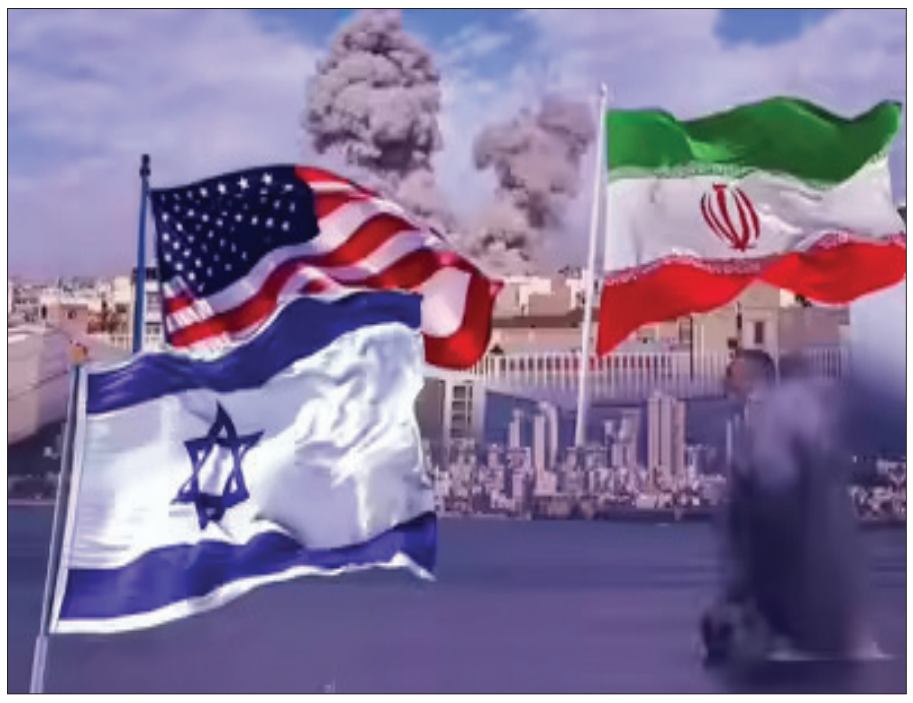

दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी के कारण संकट में...

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा कर-के दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पदार्फाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में मंहगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंध : विदेश मंत्री रोड्रिग्ज ने ईंधन नाकेबंदी और आर्थिक दबाव पर साधा निशाना

हवाना, एजेंसी। क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। क्यूबा ने अमेरिका पर ईंधन आपूर्ति को लेकर झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पैरिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के दावे उसकी अपनी नीतियों और आदेशों से मेल नहीं खाते। उन्होंने 29 जनवरी के एक कार्यकारी आदेश और उसके बाद उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए कहा कि यह क्यूबा पर क्रूर ईंधन नाकाबंदी है। रोड्रिगेज के मुताबिक, अमेरिका न सिर्फ क्यूबा को तेल देने वाले देशों और कंपनियों को प्रतिबंध की धमकी दे रहा है, बल्कि तेल टैंकरों को भी निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की नीति का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना, विकास रोकना, आय के स्रोत खत्म करना और बाजार व तकनीक तक उसकी पहुंच सीमित करना है। दरअसल, क्यूबा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जिसके चलते देश गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी चेतावनी दी है कि ईंधन की भारी कमी क्यूबा को मानवीय संकट की ओर धकेल रही है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर एक विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा, 'अगला नंबर क्यूबा का है, लेकिन मीडिया से कहता हूं कि इस बात को नजरअंदाज करें।' यह बयान उन्होंने मियामी, फ्लोरिडा में आयोजित फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव सम्मेलन में दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका पहले ही वेनेजुएला और ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर चुका है। 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया था, जबकि 28 फरवरी से ईरान पर हमले जारी हैं। इससे पहले भी राष्ट्रपति ट्रंप कह चुके हैं कि क्यूबा जल्द गिरने वाला है, हालांकि फिलहाल उनका ध्यान ईरान पर केंद्रित है।

व्हाइट हाउस ने लॉन्च किया नया मोबाइल ऐप, अब ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस ऐप' नाम से एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसका मकसद लोगों तक सरकार की जानकारी सीधे पहुंचाना और पारंपरिक मीडिया के बजाय सीधे संवाद को बढ़ावा देना है। इस ऐप में 'न्यूज' सेक्शन दिया गया है, जहां सरकारी बयान और आधिकारिक अपडेट मिलेंगे। इसके अलावा फोटो गैलरी और सोशल मीडिया सेक्शन भी मौजूद है, जिसमें व्हाइट हाउस की गतिविधियां एक ही जगह पर देखी जा सकती हैं। ऐप में लोगों के लिए सीधे जुड़ने के कई विकल्प भी दिए गए हैं। यूजर्स ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकते हैं, सवाल पूछने के लिए फॉर्म भर सकते हैं और नियमित अपडेट पाने के लिए सब्सक्रिप्शन ले सकते हैं। इसके अलावा ऐप में 'आईसीई टिप लाइन' फीचर भी जोड़ा गया है, जिससे लोग इमिग्रेशन और कस्टम विभाग को सीधे जानकारी दे सकते हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक, इस ऐप के जरिए यूजर्स को लाइव वीडियो, तुरंत अपडेट और बिना किसी फिल्टर के जानकारी मिलेगी। यह ऐप ऐसे समय पर लॉन्च हुआ है, जब अमेरिका में ट्रम्प की लोकप्रियता में गिरावट देखी जा रही है। एक सर्वे के मुताबिक उनकी अप्रूवल रेटिंग 41% है, जबकि 59% लोग उनके कामकाज से संतुष्ट नहीं हैं।

बैथ आयरन वर्क्स में हड़ताल खत्म, कर्मचारियों ने अनुबंध मंजूर किया

ओरेगन, एजेंसी। पोर्टलैंड के मेन में बैथ आयरन वर्क्स के कर्मचारियों ने एक सप्ताह की हड़ताल के बाद नए अनुबंध को मंजूरी दे दी। हड़ताल समाप्त होने के बाद काम तुरंत शुरू हो गया। हड़ताल में शामिल कर्मचारी बैथ मरीन ड्राफ्ट्समेन एसोसिएशन के सदस्य थे। नए अनुबंध की अवधि चार साल की है। यूनियन के अनुसार, इन कर्मचारियों में डिजाइनर, तकनीकी क्लर्क, लैब तकनीशियन और सहायक इंजीनियर शामिल हैं। बैथ आयरन वर्क्स अमेरिका की मुख्य नौसेना शिपबिल्डिंग कंपनी है। यह कंपनी अर्ली बर्क-क्लास डिस्ट्रॉयर बनाती है, जिसे नौसेना की सतही फ्लीट की रीढ़ माना जाता है। हड़ताल अमेरिका-ईरान युद्ध और रक्षा निर्माण बढ़ाने की आवश्यकता के बीच हुई थी।

यूक्रेन पर रूसी ड्रोनों का बड़ा हमला अस्पताल और गैस संयंत्र तबाह

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर लगातार ड्रोन हमले कर भारी तबाही मचाई है। शनिवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और एक अस्पताल, गैस उत्पादन सुविधाओं और पोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। वायुसेना के अनुसार, रूस ने 273 ड्रोन दागे, जिनमें से 252 मार गिराए गए। ओडेसा क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई और एक बच्चे सहित 12 घायल हो गए।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका तक हमला करने की योजना बना रहा उत्तर कोरिया

प्योंगयांग, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी युद्ध के बीच ही उत्तर कोरिया भी सीधे अमेरिका तक वार करने वाली मिसाइल तैयार करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है। रविवार को ही किम जोंग उन के सामने ही सॉलिड फ्यूल इंजन का टेस्ट किया गया है जिसका इस्तेमाल मिसाइलों में किया जाएगा। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह अमेरिका की धरती तक सीधा वार कर सके।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (के मुताबिक उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ईरान पर हमले को लेकर अमरिका और इजरायल पर भड़के हैं। उन्होंने अपने भाषम में अमेरिका को आतंकवादी तक कह डाला। उत्तर कोरिया ने जिस इंजन का टेस्ट किया है वह 2500 किलोटम का पेलोड ले जा सकता है। सितंबर महीने में भी उत्तर कोरिया ने ऐसे ही एक इंजन का टेस्ट किया था जिसमें 1900 किलोटन भार ले जाने की क्षमता थी।

जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया अमेरिका को सीधी चुनौती देता है और इसलिए वह अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने में लगा है। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह सीधा अमेरिका तक हमला करने में सक्षम हो जाए। केसीएनए ने यह नहीं बताया कि यह टेस्ट कहां और कितने बजे किया गया। उत्तर कोरिया पांच साल का एक सैन्य शक्ति अभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य परमाणु क्षमता, इंटर

कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करना है। हाल के सालों में उत्तर कोरिया ने ऐसे कई हथियारों का परीक्षण किया है जो कि अमेरिका के मेनलैंड में हमला करने में सक्षम हों। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इंजन की शक्ति बढ़ाने की यह कोशिश संभवतः एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने के प्रयासों से जुड़ी है ताकि अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाई जा सके। केसीएनए की खबर के अनुसार किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण का ''देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर पहुंचाने में बहुत महत्व'' है। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने विभिन्न प्रकार की ऐसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया है जो अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंचने की उनकी संभावित क्षमता को प्रदर्शित करती हैं। इनमें ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें भी शामिल हैं जिनका प्रक्षेपण से पहले पता लगाना अधिक कठिन होता है। किम जोंग उन ने कहा था कि अमेरिका विरोधी भावनाओं के उभार के बीच उसके खिलाफ संयुक्त मोर्चे में उत्तर कोरिया और मजबूत भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि उनके दुश्मन 'चाहे टकराव का विकल्प चुनें या फिर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का, लेकिन वह किसी भी विकल्प का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने में सक्षम केसीएनए के अनुसार किम जोंग उन ने मिश्रित कार्बन फाइबर सामग्री से बने नए उन्नत इंजन का 'ग्राउंड जेट' परीक्षण देखा। नए इंजन का अधिकतम थ्रस्ट 2,500 किलोटन है, जो पिछले सितंबर में परीक्षण किए गए लगभग 1,971 किलोटन से अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस शक्ति वृद्धि का उद्देश्य एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने की क्षमता बढ़ाना और अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाना है। हालांकि केसीएनए ने परीक्षण की सटीक तिथि और स्थान नहीं बताया।

अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें केसीएनए ने बताया कि यह परीक्षण उत्तर कोरिया के पांच-वर्षीय सैन्य विस्तार कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसमें सामरिक हमले के साधनों को उन्नत करना शामिल है। किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर ले जाने में महत्वपूर्ण है। पिछले कई सालों में उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के विभिन्न परीक्षण किए हैं, जिनमें ठोस ईंधन वाली मिसाइलें भी शामिल हैं। ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें प्रक्षेपण से पहले पहचानने में अधिक कठिन होती हैं, जिससे अमेरिकी रक्षा प्रणाली के लिए चुनौती बढ़ जाती है। ईरान में बाद उत्तर कोरिया नई मुसीबत ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में गंभीर नुकसान झेल रहे डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए अब उत्तर कोरिया एक नई चुनौती बन सकता है। लगातार मिसाइल और हथियार परीक्षण कर रहे किम जोंग उन की गतिविधियों के कारण कोरियाई प्रायद्वीप पर अक्सर तनावपूर्ण स्थिति बनी रहती है।

ईरान का बहरीन के एल्युमिनियम प्लांट पर हमला, दो कर्मचारी घायल

तेहरान, एजेंसी। बहरीन की प्रमुख औद्योगिक कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है।

कंपनी ने यह भी बताया कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही, संचालन को सामान्य बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। अल्बा के बयान में कहा गया 'कंपनी के कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और इस हमले में हमारे दो कर्मचारी घायल हुए हैं।' कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे नई जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा।

आईआरजीसी ने ली हमले की जिम्मेदारी : इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। ईरानी सरकारी मीडिया द्वारा के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा

गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में यूएई के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन प्लांट को टारगेट किया गया।

अमेरिकी सैन्य उद्योग से जुड़ाव का आरोप : आईआरजीसी ने आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। संगठन के अनुसार, ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित 'अमेरिकी-जायोनी' हमलों के जवाब में की गई है।

तनाव बढ़ने के संकेत : आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि उसकी जवाबी कार्रवाई आगे और भी तेज हो सकती है। इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई देशों में रणनीतिक ढांचों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों को लेकर जेलेंस्की का बड़ा दावा, कहा- ईरान की मदद कर रहा है रूस?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि रूस ने सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे की उपग्रह तस्वीरें हमले से ठीक पहले कई बार ली थीं और यह जानकारी ईरान के साथ साझा की गई हो सकती है। इस दावे ने पहले से ही तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय माहौल को और गंभीर बना दिया है। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में यह सामने आया है कि रूस के सैटेलाइट ने प्रिंस सुल्तान एयरबेस की 20 मार्च, 23 मार्च और 25 मार्च को तस्वीरें ली थीं। इसके ठीक एक दिन बाद 26 मार्च को ईरान ने इस एयरबेस पर हमला किया।

बताया गया है कि इस हमले में ईरान ने छह बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई गई है। यह एयरबेस अमेरिका और सऊदी अरब दोनों की सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक ठिकाना है।

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के अनुभव के अनुसार, रूस द्वारा किसी स्थान की बार-बार सैटेलाइट इमेजिंग करना संभावित हमले का संकेत होता है। उन्होंने कहा, 'अगर वे एक बार तस्वीर लेते हैं तो तैयारी होती है, दूसरी बार लेते हैं तो वह अभ्यास जैसा होता है और तीसरी बार का मतलब है कि एक-दो दिनों में हमला हो सकता है। हालांकि, इस दावे के समर्थन में अभी तक कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन ने यह जानकारी कैसे प्राप्त की। फिर भी इस बयान को वैश्विक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि इससे रूस और ईरान के बीच संभावित सैन्य सहयोग की आशंकाएं बढ़ती हैं। जेलेंस्की इस समय खाड़ी देशों के दौरे पर हैं, जहां वे अपने देश की एयर डिफेंस प्रणालियों को साझा करने और सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते करने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन की ये प्रणालियां रूस के साथ चल रहे युद्ध में परखी जा चुकी हैं और अब उन्हें ईरानी मिसाइल और ड्रोन खतरों का सामना कर रहे देशों के लिए उपयोगी बताया जा रहा है।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका में निकली ट्रंप के खिलाफ रैली

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका और यूरोप में हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर नो किंग' नाम से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन डोनाल्ड की नीतियों खासकर ईरान के साथ चल रहे युद्ध और उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली के खिलाफ आयोजित किए गए। इन रैलियों ने न केवल अमेरिका बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ट्रंप के फैसलों ने मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है और दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ी है। कई अर्थशास्त्रियों ने आशंका जताई है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमी वृद्धि, महंगाई में तेजी और यहां तक कि स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इन विरोध प्रदर्शनों का केंद्र अमेरिका का मिनेसोटा राज्य रहा, जहां हजारों लोग एकजुट होकर ट्रंप की इमिग्रेशन नीति के खिलाफ

खड़े नजर आए। लोगों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के रूप में पेश किया और सरकार की नीतियों को चुनौती दी। नो किंग' रैलियों के आयोजकों के अनुसार, इससे पहले जून और अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों में क्रमशः 50 लाख और 70 लाख लोग शामिल हुए थे। इस बार करीब 90 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई थी, हालांकि वास्तविक आंकड़े अभी स्पष्ट नहीं हैं। इन प्रदर्शनों में आव्रजन नीति, ट्रांसजेंडर अधिकारों में कटौती और ईरान युद्ध जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। इस बीच, मशहूर अमेरिकी गायक ब्रूस स्प्रिंग्सटीन मिनेसोटा के सेंट पॉल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का आकर्षण बने। उन्होंने अपने गीत 'स्ट्रीट आफ मिनियापोलिस ' के जरिए पुलिस कार्रवाई और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। यह गीत संघीय एजेंटों द्वारा दो लोगों की मौत के बाद लिखा गया था। स्प्रिंगस्टीन ने मंच से लोगों के विरोध को उम्मीद की किरण बताया। देश के अन्य हिस्सों में भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। सैन डियागो में लगभग 40,000 लोगों ने मार्च किया, जबकि वाशिंगटन डीसी में सैकड़ों लोग लिंकन स्मारक से लेकर नेशनल मॉल तक रैली निकालते दिखे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'पुट डाउन द क्राउन' और 'सत्ता परिवर्तन की शुरुआत घर से होती है' जैसे नारे लिखे पोस्टर थे।

लॉस एंजिल्स में स्थिति कुछ तनावपूर्ण हो गई, जहां पुलिस ने एक संघीय डिटेंशन सेंटर के पास आंसू गैस का इस्तेमाल किया और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया। वहीं न्यूयॉर्क सिटी में नागरिक अधिकार संगठनों ने सरकार पर लोगों को डराने का आरोप लगाया। इन प्रदर्शनों की गूंज यूरोप में भी सुनाई दी। रोम, लंदन और पेरिस सहित कई शहरों में लोगों ने मार्च निकालकर ट्रंप की नीतियों और ईरान युद्ध का विरोध किया। रोम में प्रदर्शनकारियों ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ भी नारे लगाए, जबकि लंदन में 'स्टॉप द फार राइट' जैसे संदेश देखने को मिले। वाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को खारिज करते हुए कहा कि ये वामपंथी संगठनों द्वारा प्रायोजित हैं और आम जनता का इनसे ज्यादा संबंध नहीं है।

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख कमर बाजवा की मौत

बाथरूम में फिसलने से सिर में गंभीर चोट आई थी, 1 महीने से हॉस्पिटल में थे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का 65 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। फरवरी में घर के बाथरूम में फिसलने के बाद उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और वे आईसीयू में भर्ती थे। डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की थी। शुरुआत में डॉक्टरों ने सर्जरी को सफल बताया था, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और लगातार निगरानी में रखा गया था। बाजवा 2016 से 2022 तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख रहे और रिटायरमेंट के बाद भी देश की राजनीति और सुरक्षा मामलों में प्रभावशाली माने जाते थे। इमरान खान के साथ विवादों की वजह से चर्चा में थे कमर जावेद बाजवा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ विवाद को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। शुरुआत में दोनों के रिश्ते अच्छे थे, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। जब 2018 में इमरान खान प्रधानमंत्री बने, तब कहा जाता था कि सरकार और सेना 'एक पेज' पर हैं। माना जाता है कि उस समय बाजवा के नेतृत्व में सेना का इमरान सरकार को समर्थन था और दोनों के बीच तालमेल ठीक था। लेकिन 2021 में आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति को लेकर दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए। सेना चाहती थी कि नदीम अंजुम को तुरंत ISI चीफ बनाया जाए, जबकि इमरान खान इस फैसले को टाल रहे थे। यहीं से दोनों के रिश्तों में दरार आनी शुरू हो गई। इसके बाद 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई। इमरान खान ने आरोप लगाया कि सेना ने उनका साथ छोड़ दिया और विपक्ष को समर्थन दिया। हालांकि सेना ने इन आरोपों से इनकार किया। सरकार जाने के बाद इमरान खान ने खुलकर बाजवा और सेना की आलोचना शुरू कर दी। उनके 'न्यूट्रल तो जानवर होता है' वाले बयान ने इस विवाद को और बढ़ा दिया। 6 साल में अरबपति हो गया था बाजवा का परिवार कमर जावेद बाजवा के रिटायरमेंट के बाद उनकी फैमिली की संपत्ति को लेकर भी बड़ा विवाद हुआ था। 2022 में पाकिस्तानी पत्रकार अहमद नूरानी की रिपोर्ट में कहा गया था उनके परिवार की संपत्ति महज 6 साल में तेजी से बढ़कर अरबों में पहुंच गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजवा के रिश्तेदारों और करीबियों ने कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में फार्म हाउस बनाए, बड़े बिजनेस शुरू किए और विदेशों में भी प्रॉपर्टी खरीदी। रिपोर्ट में कहा गया कि इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत करीब 1200 करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा हो सकती है। यह प्रॉपर्टी मुख्य रूप से उनकी पत्नी आयशा अमजद, बहू महनूर साबिर और परिवार के अन्य करीबी लोगों के नाम पर बताई गई। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 तक आयशा अमजद के नाम कोई प्रॉपर्टी नहीं थी, लेकिन 2016 में अचानक कई प्रॉपर्टी खरीदी गई और उनकी संपत्ति तेजी से बढ़ गई।

अमेरिकी संसद ने खोली पोल, कहा- पाकिस्तान में बैठे हैं भारत पर हमला करने वाले आतंकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान एकबार फिर बेनकाब हो गया है। अमेरिकी संसद की रिसर्च यूनिट अमेरिकी कांग्रेस अनुसंधान सेवा की एक ताजा रिपोर्ट ने भारत की उन आरोपों को और बल दिया है जिनमें पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों की गतिविधियों को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर से जुड़े आतंकवादी नेटवर्क पर इस रिपोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की जमीन से भारत और खासकर कश्मीर में कई आतंकी संगठन अब भी सक्रिय हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हरकत-उल जिहाद इस्लामी, हरकत उल-मुजाहिदीन और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत की सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लंबे समय से विभिन्न आतंकी संगठनों का केंद्र रहा है, जिनमें से कई 1980 के दशक से सक्रिय हैं। हालांकि पाकिस्तान ने इन पर कार्रवाई के लिए कई सैन्य अभियान और नीतिगत कदम उठाए हैं, लेकिन इन संगठनों को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका है। आपको बता दें कि यह रिपोर्ट दक्षिण एशिया विशेषज्ञ के. एलन क्रोनस्टाड्ट द्वारा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट का उद्देश्य अमेरिकी सांसदों को क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति से अवगत कराना है। इसमें आतंकी संगठनों को पांच श्रेणियों में बांटा गया है। वैश्विक, अफगानिस्तान केंद्रित, भारत (कश्मीर) केंद्रित, घरेलू और सांप्रदायिक विशेषकर शिया

विरोधी। तालिबान का भी जिक्र वैश्विक स्तर पर सक्रिय संगठनों में अल कायदा, भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा और इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत का उल्लेख किया गया है। वहीं अफगानिस्तान से जुड़े संगठनों में तालिबान और हक्कानी नेटवर्क शामिल हैं। घरेलू स्तर पर सक्रिय समूहों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और जैश अल-अदल का नाम लिया गया है, जबकि सांप्रदायिक संगठनों में सिपह-ए-सहाबा पाकिस्तान और लश्कर-ए-झांगवी का जिक्र है। पाकिस्तान का ऐक्शन बेअसर रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2014 में पाकिस्तान द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय कार्ययोजना का उद्देश्य देश में किसी भी सशस्त्र मिलिशिया को सक्रिय नहीं रहने देना था। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर सैन्य अभियानों, हवाई हमलों और हजारों खुफिया आधारित ऑपरेशनों के बाद भी इन संगठनों को समाप्त नहीं किया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक, कई बड़े सैन्य अभियान और सैकड़ों हजार खुफिया ऑपरेशन भी उन आतंकी संगठनों को खत्म करने में असफल रहे हैं, जिन्हें अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया है और जो अब भी पाकिस्तान में सक्रिय हैं। रिपोर्ट यह भी स्वीकार करती है कि पाकिस्तान खुद भी आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित रहा है। 2003 के बाद से देश में आतंकी हमलों की संख्या और प्रभाव काफी बढ़ा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-इजरायल पर विश्वविद्यालयों को 'जानबूझकर' टारगेट करने का लगाया आरोप

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष की वजह से दुनिया के दूसरे देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इजरायल पर ये आरोप लगाया है कि दोनों देश जानबूझकर विश्वविद्यालयों पर हमले कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने अमेरिका और इजरायल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने युद्ध के दौरान जानबूझकर कई विश्वविद्यालयों और रिसर्च सेंटर पर हमला किया। इन हमलों में इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी शामिल हैं। बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली हमले का असली मकसद सामने आ रहा है: यूनिवर्सिटी, रिसर्च सेंटर, ऐतिहासिक स्मारकों और जाने-माने वैज्ञानिकों को सिस्टमैटिक तरीके से निशाना बनाकर हमारे देश की वैज्ञानिक नींव और सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करना।' ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी के मुताबिक, युद्ध की वजह से ईरान में कम से कम 600 शैक्षिक जगहों को नुकसान पहुंचा है या वे नष्ट हो गई हैं। उन्होंने लिखा, 'इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उन कई यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर में से सिर्फ दो हैं जिन पर हमलावरों ने पिछले 30 दिनों में जानबूझकर हमला किया है। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और आने वाले खतरे का मुकाबला करना सिर्फ झूठे बहाने थे, सिर्फ मनगढ़ंत बातें जो उनके असली इरादे को छिपाने के लिए बनाई गई थीं।' इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका और इजरायल की ओर से की जा रही कार्रवाई की घोर निंदा की थी। उन्होंने कहा, 'ईरान के ऊपर दो न्यूक्लियर सरकारों यानी अमेरिका और इजरायल की तरफ से

जबरदस्ती एक गैर-कानूनी युद्ध थोप दिया गया है। यह हमला साफ तौर पर बिना किसी वजह के और बहुत बेरहम है।' उन्होंने यह हमला 28 फरवरी को शुरू किया जब ईरान और अमेरिका ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका की कही जा रही चिंताओं को हल करने के मकसद से एक डिप्लोमैटिक प्रक्रिया में लगे हुए थे। नौ महीने में दूसरी बार, उन्होंने बातचीत को रोककर और पटरी से उतारकर डिप्लोमेसी को धोखा दिया।' उन्होंने कहा कि इस हमले के सबसे डरावने उदाहरणों में से एक दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल पर किया गया हमला था, जहां 175 से ज्यादा स्टूडेंट्स और टीचर्स को जानबूझकर और बेरहमी से मार डाला गया था। अगर वो यह कहते हैं कि ये हमला जानबूझकर और पहले से प्लान किया गया नहीं था, तो इसे माना नहीं जाना चाहिए। अराघची ने कहा कि स्कूल को टारगेट करना एक वॉर क्राइम और इंसानियत के खिलाफ एक ऐसा अपराध है जिसकी सभी को साफ और बिना शर्त निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'शजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल इस गैर-कानूनी युद्ध के पिछले 27 दिनों में अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए घिनौने जुर्मों का अकेला शिकार नहीं है। हमलावरों ने मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का बड़े पैमाने पर और सिस्टमैटिक तरीके से और बहुत बेरहम तरीके से उल्लंघन किया है।

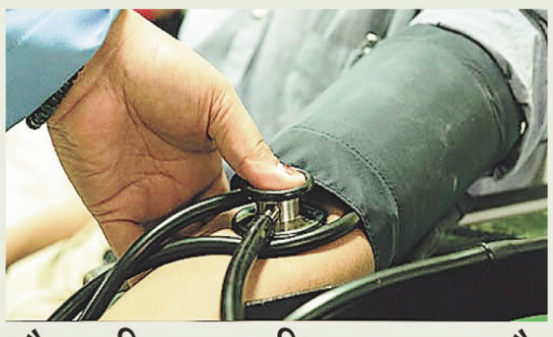

मौत की वजह भी बन सकता है
लेबाइल हाइपरटेंशन

आज के समय में अधिकतर लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं और इसके इलाज के लिए दवाईयों का सेवन भी करते हैं, लेकिन लेबाइल हाइपरटेंशन एक ऐसा शब्द है, जिसके बारे में बहुत से लोग अनभिज्ञ हैं। यह उच्च रक्तचाप से थोड़ा अलग है। इसमें व्यक्ति के रक्तचाप में अचानक सामान्य से उच्च स्तर तक उतार-चढ़ाव होता है। हालांकि इस स्थिति में कुछ देर के लिए ही रक्तचाप उच्च होता है और उसके बाद सामान्य हो जाता है, इसलिए अधिकतर लोगों को इसके बारे में पता ही नहीं चलता।

हो सकता है खतरनाक

लेबाइल हाइपरटेंशन उच्च रक्तचाप से कहीं अधिक घातक साबित हो सकता है। दरअसल, रक्तचाप में एकदम से व अस्थायी वृद्धि दिल व अन्य अंगों पर दबाव डालती है। अगर रक्तचाप में बार-बार बहुत अधिक उतार-चढ़ाव आता है तो इससे गुर्दे, रक्त वाहिकाओं, आंखों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इतना ही नहीं इससे स्ट्रोक यहां तक कि व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है, अगर इसका समय रहते उपचार शुरू न किया जाए।

बचें इन ट्रिगर्स से

न्यूरोलॉजिस्ट एवं सीनियर कंसल्टेंट डॉ. जयदीप बंसल बताते हैं कि ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जिनके कारण यह लेबाइल हाइपरटेंशन व्यक्ति को अधिक परेशान कर सकता है। सबसे पहले तो रक्तचाप में वृद्धि इमोशनल स्ट्रेस के कारण हो सकती है। अगर लेबाइल हाइपरटेंशन से पीड़ित व्यक्ति किसी स्थिति में बहुत अधिक चिंतित या तनावग्रस्त है, तो दिन में कई बार उसके रक्तचाप में उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त खानपान भी इस समस्या को प्रभावित करता है। खाने में सोडियम की अधिकता या अत्यधिक कैफीन का सेवन ऐसे लोगों के लिए एक ट्रिगर की तरह काम करता है। वहीं कुछ लोगों में रक्तचाप केवल तभी उच्च होता है, जब वह डॉक्टर से मिलते हैं या उनकी कोई सर्जरी आदि होती है। दरअसल, ऐसे में वह अपने हेल्थ को लेकर काफी अधिक चिंता करते हैं। लेबाइल हाइपरटेंशन के इस रूप को व्हाइट कोट हाइपरटेंशन या व्हाइट कोट सिंड्रोम भी कहा जाता है।

किसी जादू से कम नहीं मिनी आई मसाजर

आंखों की समस्या से राहत पाने के लिए आंखों की मालिश काफी फायदेमंद साबित होती है। इसके लिए आप मिनी आई मसाजर की सेवा ले सकते हैं।

घंटों कंप्यूटर और मोबाइल पर काम करने से आंखों को नुकसान पहुंचता है। इस कारण कई और बीमारियां जन्म लेने लगती हैं। ऐसी स्थिति में हमें एक ऐसे केयरटेकर की जरूरत होती है, जो अपने प्रभावी ढंग से आंखों की मसाज कर सके और थकान को छूमंतर कर दे। मिनी आई मसाजर एक ऐसी ही डिवाइस है, जो इन सभी कसौटियों पर सही साबित होती है। यह डिवाइस मार्केट में बड़ी ही आसानी से मिल जाती है। आइए जानते हैं इस डिवाइस की खासीयत-

क्या है मिनी आई मसाजर

मिनी आई मसाजर किसी जादू से कम नहीं है। इसका प्रयोग करना बेहद आसान है। आंखों से जुड़ी समस्याओं को रोकने, तनाव को कम करने और नींद में सुधार के लिए इस डिवाइस का इस्तेमाल रोज किया जा सकता है। बैटरी से चलने वाले इस मसाजर को आप कभी भी इस्तेमाल कर सकते हैं और कहीं भी लेकर जा सकते हैं। ये छोटी-सी डिवाइस कम पैसे में महंगे सैलून की तरह ही काफी आराम देती है। इसकी ये खूबी भी खास है कि कोई तकलीफ नहीं होती।

कैसे करें इस्तेमाल?

इस डिवाइस का आकार छोटा होता है, जिसे पकड़ना बेहद आसान है। आगे की बनावट आंखों में मसाज करते समय पूरी तरह से आरामदायक हो, ऐसा सोचकर इसे डिजाइन किया गया है। इसमें लगा माइक्रो-वाइब्रेशन स्लॉट इस डिवाइस का सबसे अहम हिस्सा है। मिनी आई मसाजर आपके पुराने साइनोसाइटिस के दर्द से भी छुटकारा दिलाएगा। इस डिवाइस में एयर प्रेशर, हीट मोड्स और वाइब्रेशन जैसी खूबियां भी शामिल हैं। इसे चलाने के लिए ऑन-ऑफ का बटन दिया गया है। इसे खासतौर पर एक वायरलेस आई मसाज देने के लिए डिजाइन किया गया है।

क्या है इसकी कीमत?

भारतीय बाजार में पहले से ही स्वास्थ्य से संबंधित कई तरह की डिवाइस हैं, लेकिन मिनी आई मसाजर एक मात्र ऐसी डिवाइस है, जो हर किसी के बजट में आसानी से आ जाएगी। आपको बता दें कि इसकी कीमत 300 रुपए से शुरू होती है। ब्रांड के हिसाब से इसकी कीमत बढ़ भी सकती है। मिनी आई मसाजर की खास रेंज में आपको कई कलर ऑप्शन भी मिल जाएंगे।

क्या है खास?

यह काफी प्रभावशाली डिवाइस है। पेटेंट डिजाइन वाला ये मसाजर पूरी तरह से सुरक्षित है। आंखों के ऊपर इसकी मसाज थकावट, अनिद्रा, सिर दर्द जैसी परेशानियों को दूर करती है। ये डिवाइस आंखों के चारों तरफ के काले घेरों, झुर्रियों से राहत दिलाती है। इसकी बैटरी भी काफी लंबे समय तक साथ देती है और आसानी से उपलब्ध है।

रेसिपी

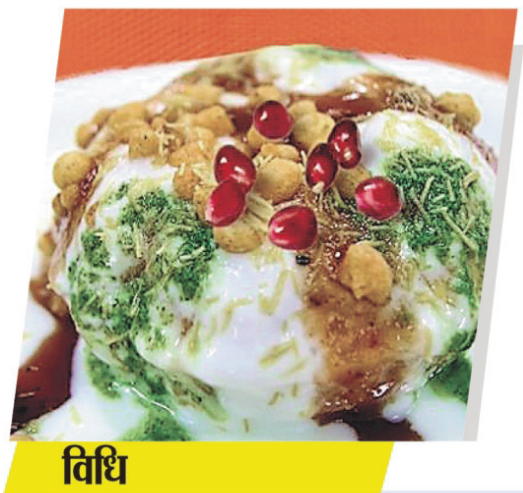

राजकचौरी

- 300 ग्राम मोठ अंकुरित ■ 4 उबले हुए आलू
- 250 ग्राम मैदा ■ 100 ग्राम बेसन
- तलने के लिए तेल ■ स्वाद के अनुसार नमक
- 1/2 टी स्पून देगी मिर्च ■ 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर ■ 500 ग्राम दही
- 1/2 कप इमली की चटनी ■ 1/2 कप हरी चटनी ■ 1 कप अनार के दाने
- 1 कप बीकानेरी भुजिया ■ 2 टी स्पून बारीक कटा हरा धनिया

विधि

सबसे पहले मैदा को पानी से अच्छी तरह से गूंध लें। इसके बाद बेसन में थोड़ा-सा तेल, देगी मिर्च और नमक डाल कर गूंध लें। अब मैदे की छोटी-छोटी लोइयां बनाएं और उसमें बेसन की छोटी गोली भरकर पूरी के आकार में बेलें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें और पूरियों को करारा तल लें। मोठ को उबालकर उसमें नमक, मिर्च, गरम मसाला, उबले हुए आलू मिलाएं और कचौड़ी में भरे, दही में नमक मिलाएं और तैयार राज कचौड़ी के बीच में डालें ऊपर से मीठी और हरी चटनी डालें। बीकानेरी भुजिया और अनार के दानों से सजाकर इसे सर्व करें।

स्वादिष्ट पोटैटो पॉप्स

- उबला और कद्दूकस किया हुआ आलू: एक कप ■ कद्दूकस की हुई गाजर: चौथाई कप ■ एक चीज का टुकड़ा ■ एक ब्राउन ब्रेड ■ अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट: आधा चम्मच ■ कटा हुआ धनिया: दो बड़े चम्मच ■ चुटकी भर चीनी ■ नमक स्वाद के अनुसार।
- दो चम्मच तेल ■ 8 कैंडी स्टिक्स

विधि

चीज के टुकड़े को आठ बराबर भागों में काटकर रख लें। अब ब्राउन ब्रेड को पानी में भिगोएं और दोनों हथेलियों से दबाव देकर पानी निकाल दें। इस ब्रेड को अच्छी तरह मैश करके एक कटोरे में रख लें। अब इसमें आलू, गाजर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट, धनिया, चीनी और नमक डालें और अच्छी तरह मिलाएं। आठ बराबर भागों में बांटकर इसे चपटा गोल आकार दें। हर टुकड़े के बीच में चीज का टुकड़ा रखें और उसे अंडाकार आकार दे दें। हर पीस के अंदर एक कैंडी स्टिक लगाएं और हर पोटैटो पॉप्स के बीच दोबारा आकार देकर रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में दोनों तरफ से भूरा होने तक पकाएं। इसमें थोड़ा तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। अब गर्मागर्म परोसें।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगें। शुभांक-2-4-5

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन दी दू थ ज्ञ ञ दे दो चा ची

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका (प्रेमी से)- नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश- तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

□ □ □

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई- 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

□ □ □

काकुरो पहेली - 646

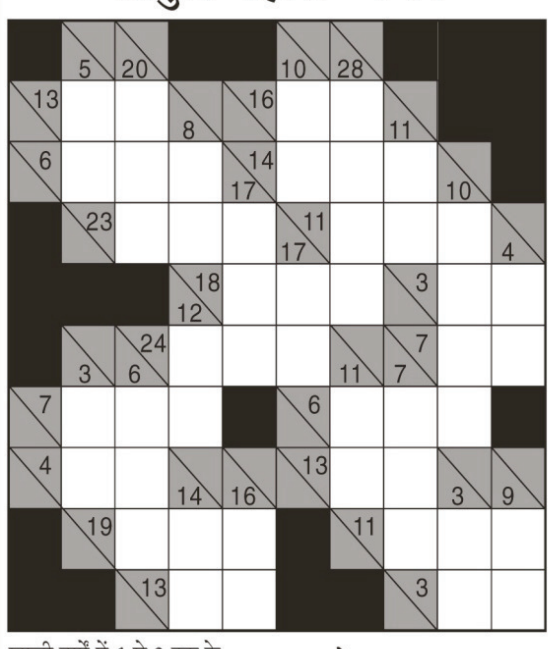

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

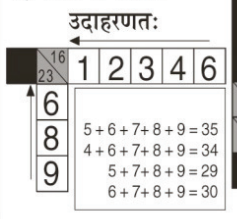

काकुरो - 645 का हल

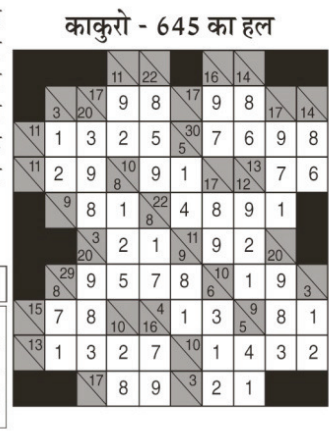

फिल्म वर्ग पहेली- 646

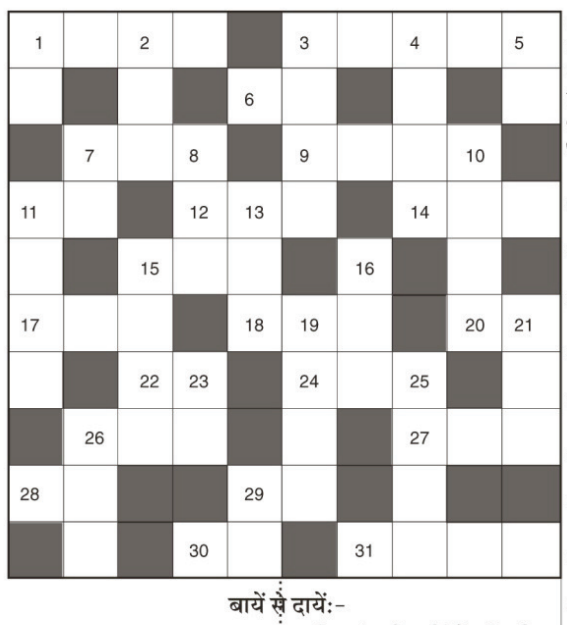

ऊपर से नीचेः-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 645

बा	बु	ल	■	आ	का	श	■	यु	द्ध
रि	■	गा	य	ब	■	मीं	■	गां	■
श	गु	न	■	रू	दा	ली	■	ध	र्म
■	ष	■	फू	■	ग	■	डो	र	■
गु	■	दि	ल	से	■	मि	ली	■	भा
म	शा	ल	■	ह	म	■	■	जं	ग
ग	■	ज	य	ग	ज	■	माँ	■	म
ह	म	ला	■	■	बू	म	■	र	भा
■	ह	■	स	फ	र	■	दे	■	ग
य	ल	गा	र	■	■	बे	व	फा	■

सूडोकु -646

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -645 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 646

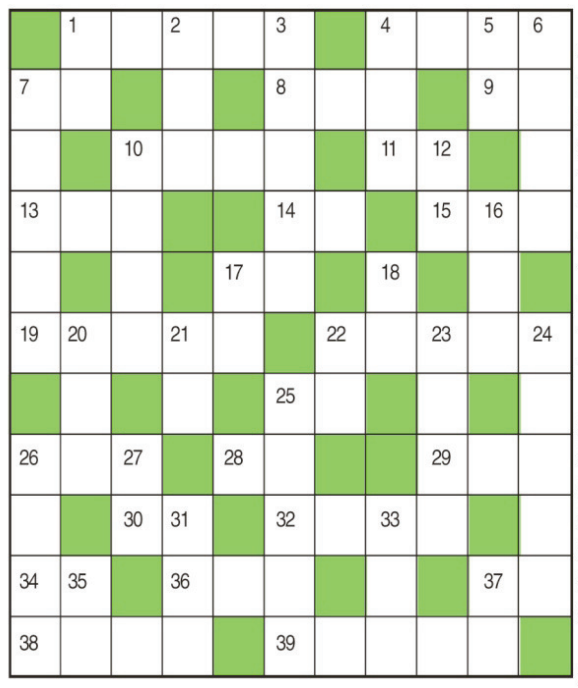

बाएँ से दाएँ

1. महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4. आज्ञापत्र, पतंगा-4
7. शरीर, बदन-2
8. होशियार, हुनरमंद-3
9. नस, नाड़ी-2
10. तीर रखने का पात्र-4
11. गधा, गर्दभ-2
13. जो बंदी हो-3
14. पत्नी, भार्या-2
15. दृष्टि, निगाह-3
17. खैरात, दक्षिणा-2
19. अपने ही घर में कैद होना-5
22. भाग्यवाला-5
25. जी, इच्छा-2
26. तन, काया-3
28. दुनिया, संसार-2
29. वेतन-3
30. भीगा हुआ-2
32. सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34. परिणाम, हल, फ्रूट-2
36. सचेग-3
37. राजकपूर, नरगिस की फिल्म-2
38. चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39. निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1. आमिर, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2. रवि, सूर्य-3
3. तमाशा देखनेवाले-5
4. परीक्षण, जांच-3
5. सप्ताह का दिन-2
6. जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7. गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10. भाग्य, किस्मत-4
12. क्रिकेट में बनते हैं-2
16. नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17. खुजली-2
18. रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20. आवश्यक-3
21. कैदी, बंधक-2
22. इसाई साध्वी-2
23. बालकपन-4
24. असावधान-5
25. महासमुद्र-5
26. सज्जनता, भद्रता-4
27. अभिषेक की फिल्म-2
31. मुद्दा (उर्दू-3)
33. वाचन करनेवाला-3
35. उद्देश्य-2
37. आगमन, आने का भाव-2

शब्द पहेली -645 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	■	मा	न	व	ता
त	न	■	ल	■	ल	म्बा	ई	■	श	र
रा	■	आ	क	र्ष	क	■	न	स	■	को
धि	क्का	र	ना	■	■	अ	■	च	प	ल
का	■	क्ष	■	भा	गी	दा	र	■	र	■
र	म	ण	यो	ग्य	■	व	ज	न	दा	र
■	ह	■	ग	फ	ल	त	■	म	■	ह
द	ल	ना	■	ल	■	■	य	की	न	न
श	■	का	व्य	■	त	न	म	न	■	स
ह	रा	■	स	ला	मी	■	रा	■	रा	ह
रा	ह	ज	न	■	ज	हा	ज	चा	ल	न

बंगाल में कांग्रेस ने 284 उम्मीदवार उतारे, अधीर रंजन चौधरी समेत कई बड़े चेहरे मैदान में

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने 294 में से 284 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और राज्य में अकेले दम पर चुनाव लड़ने लड़ेगी। जारी सूची में बहारामपुर से वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी, भवानीपुर से प्रदीप प्रसाद, बालीगंज से रोहन मित्रा, जादवपुर से श्यामली मंडल और दार्जिलिंग से मधाप राय जैसे प्रमुख चेहरे शामिल हैं, जबकि मालतीपुर से हाल ही में शामिल हुई मौसम नूर को मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने अपने पारंपरिक गढ़ मुर्शिदाबाद और मालदा पर खास फोकस करते हुए व्यापक सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश की है। राज्य में चुनाव 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणोंमें होंगे, जबकि मतगणना 04 मई को की जाएगी।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में जन्मी चीता 'मुखी' का तीसरा जन्म-दिन गौरव का क्षण : डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कूनो में जन्मी चीता 'मुखी' का तीसरा जन्म-दिन प्रदेश के साथ ही पूरे देश के वन्य-जीव संरक्षण के लिए गौरव का क्षण है। दरअसल, मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में जन्मी भारतीय चीता 'मुखी' ने आज रविवार (29 मार्च) को तीन वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मध्य प्रदेश में संचालित 'चीता परियोजना' लगातार सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही है। गौरतलब है कि, चीता मुखी का जन्म 29 मार्च 2023 को नामीबिया से लाई गई 'ज्वाला' की कोख से हुआ था। वह चार शावकों के समूह में एकमात्र जीवित बची थी। भीषण गर्मी के कारण उसके अन्य तीन भाई-बहन जीवित नहीं रह सके। प्रारंभिक परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण थीं, लेकिन कूनो नेशनल पार्क के पशु चिकित्सकों और वन्य-जीव विशेषज्ञों की सतत निगरानी और देखभाल से मुखी आज पूर्णतः स्वस्थ है।

बेंगलुरु से बनारस आ रही फ्लाइट में यात्री ने की हवा में ही दरवाजा खोलने की कोशिश, वाराणसी पहुंचते ही पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाराणसी। बेंगलुरु से वाराणसी आने वाली फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया जब एक यात्री ने उड़ान के दौरान इमरजेंसी दरवाजा खोलने की कोशिश की। मामले में पुलिस ने आरोपी यात्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, 28 मार्च 2026 को फ्लाइट संख्या 6श्व-185 (बेंगलुरु से वाराणसी) में यात्रा कर रहे यात्री मोहम्मद अदनान ने उड़ान के दौरान इमरजेंसी एग्जिट डोर खोलने का प्रयास किया। यह बेहद गंभीर और खतरनाक कृत्य था, जिसे केबिन क्रू ने तुरंत संज्ञान में लेकर नियंत्रित कर लिया। फ्लाइट के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर पहुंचते ही आरोपी यात्री को सीआईएसएफ और इंडिगो सुरक्षा कर्मियों ने अपनी अभिरक्षा में ले लिया। इसके बाद उसे थाना फूलपुर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, प्राप्त तहरीर और दस्तावेजों, जिनमें उपद्रवी यात्री रिपोर्ट, फ्लाइट सेफ्टी फॉर्म और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान शामिल हैं, के आधार पर थाना फूलपुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुणे एयरपोर्ट पर 76.58 किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने पुणे एयरपोर्ट पर 76.58 किलोग्राम नशीला पदार्थ के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। यह नशीला पदार्थ थाईलैंड से खाने के सामान में छिपा कर लाया गया था। बरामद नशीले पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 26.80 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले की छानबीन कर रहे अधिकारी ने बताया कि पुणे कस्टम टीम को थाईलैंड से चीन में बने इंपोर्टेड खाने के सामान में नशीला पदार्थ छिपा कर लाए जाने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी आधार पर शनिवार को पुणे एयरपोर्ट पर थाईलैंड से आए एक शख्स को रोका गया और उसके सामान की तलाशी ली गई। इन सामानों में सफेद थर्मोकोल बॉक्स में पैक सामान को स्कैन किया गया। लेकिन शक था कि खाने का सामान ऑर्गेनिक नहीं था। इसके बाद, जब अधिकारियों ने बॉक्स खोला तो उसमें सीलबंद टिन के डिब्बे मिले।

असम में खड़गे ने जारी किए पांच चुनावी गारंटी, भाजपा पर तीखा हमला

लखीमपुर (असम)। असम में चुनावी सरगर्मी के बीच कांग्रेस ने अपने अभियान को तेज करते हुए नाओबोइचा के खारकाटी (रंगनदी पुल के पास) में एक विशाल जनसभा आयोजित की। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विधानसभा चुनाव के लिए पांच प्रमुख गारंटी की घोषणा की और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। सभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस हर महिला को व्यवसाय के लिए बिना शर्त 50 हजार की आर्थिक सहायता देगी, प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा, 10 लाख स्वदेशी लोगों को भूमि पट्टा दिया जाएगा, गायक जुबीन गर्ग से जुड़े मामले में 100 दिनों के भीतर न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

मातृत्व संस्कार सृजन का आधार है: भइया जी जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व सरकार्यवाह भइया जी जोशी ने कहा कि मातृत्व संस्कार सृजन का आधार है। मातृत्व का जागरण ही राष्ट्र निर्माण की पहली सीढ़ी है। जोशी ने यह बात आज दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'मातृ संस्कार समागम' के समापन पर कही।

'परंपरा-प्रगति-परिपक्वता' के ध्येय वाक्य के साथ आयोजित इस अधिवेशन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए जोशी ने समाज और राष्ट्र निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका को सर्वोपरि बताया।

उन्होंने अभिमन्यु, शिवाजी महाराज और भगवान कृष्ण के उदाहरण देते हुए कहा, गर्भ से ही बच्चे की सांस और संस्कार मां से बंधे होते हैं। आज के वैचारिक युद्ध और पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के बीच मातृशक्ति की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। हमें केवल

एक-दो वर्ष नहीं बल्कि जीवनभर मातृत्व जागरण के संकल्प के साथ कार्य करना होगा। अधिवेशन के पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पत्नी गीता धामी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि परिवार राष्ट्र निर्माण की धुरी है और दस स्वस्थ परिवारों से ही एक मजबूत राष्ट्र बनता है। सुदर्शन न्यूज के चेयरमैन सुरेश चव्हाणके ने गिरते पारिवारिक मूल्यों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मां ही शक्ति का सबसे बड़ा स्रोत है और वही नैरेटिव के जाल से समाज को निकाल सकती है।सभा की सह संगठन मंत्री पूजा माधव देशमुख ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि हर युग में बुराइयों के खात्मे के लिए मातृ संगठनों की जरूरत रही है।

चाहे वह रानी लक्ष्मीबाई की महिला सेना हो या वर्तमान में विश्व मांगल्य सभा। वहीं, सभा के मार्गदर्शक प्रशांत हड़तालकर ने बदलते दौर में मोबाइल और स्क्रीन टाइम कम कर परिवार के साथ समय बिताने की आवश्यकता पर जोर दिया। उल्लेखनीय है(कि सेवा क्षेत्र में दधीचि देह दान संस्थान की मंजु आलोक कुमार को सम्मानित किया गया, वहीं कला क्षेत्र में सप्तमातृ का अवार्ड मिथिला पेंटिंग के लिए पद्मश्री और नेशनल अवार्डी शांति देवी को मिला।

छात्रों से लेकर गृहिणियों तक: डीएमके के चुनावी घोषणापत्र में बड़े ऐलान

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के मद्देनजर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने चेन्नई के अन्ना अरिवालयम में अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया। इससे पहले, पार्टी अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने 164 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। चुनावी घोषणापत्र समिति, जिसका नेतृत्व सांसद कनिमोझी ने किया, ने कुछ दिन पहले यह रिपोर्ट स्टालिन को सौंपी थी।

घोषणापत्र जारी करते हुए स्टालिन ने प्रमुख वादों की घोषणा की।

डीएमके के प्रमुख चुनावी वादे-

शिक्षा-

मुख्यमंत्री नाश्ता योजना को 1 से 5वीं कक्षा से बढ़ाकर 8वीं कक्षा तक किया जाएगा, जिससे अतिरिक्त 15 लाख छात्र लाभान्वित होंगे।

महिलाओं के लिए-

महिला अधिकार भत्ता 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह किया जाएगा। गृहिणियों को घरेलू उपकरण खरीदने के लिए 8,000 रुपये का कूपन दिया जाएगा (वॉशिंग मशीन, टीवी, फ्रिज आदि के लिए)।

किसानों के लिए-

20 लाख से अधिक किसानों को मुफ्त बिजली के साथ आधुनिक पंपसेट दिए जाएंगे, जिनमें मीटर नहीं लगाया जाएगा। धान खरीद मूल्य 3,500 प्रति रुपये क्विंटल और गन्ना 4,500 प्रति रुपये टन किया जाएगा।

आवास- अगले 5 वर्षों में 10 लाख नए घर बनाए जाएंगे।

स्वास्थ्य-मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना की आय सीमा रुपये5 लाख और बीमा कवर रुपये 10 लाख तक बढ़ाया जाएगा।

यति नरसिंहानंद ने महात्मा गांधी को लेकर दिया विवादित बयान, गोडसे को बताया बलिदानी

एजेंसी

ग्वालियर। जूना अखाड़ा डासना के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के खिलाफ नरसिंहानंद ने विवादित बयान दिया है। वहीं, नाथूराम गोडसे को बलिदानी करार दिया है। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी मध्य प्रदेश के ग्वालियर पहुंचे थे। यहां उन्होंने हिन्दू महासभा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए महात्मा गांधी को समाज के लिए नुकसानदायक बताया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत का पहला अमूल्य बलिदान नाथूराम गोडसे का था, जो सनातन धर्म की रक्षा के लिए दिया गया।

यति नरसिंहानंद गिरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उनके लिए यह सौभाग्य की बात है कि वे अपने सहयोगी जयवीर भारद्वाज के निमंत्रण पर गोडसे से जुड़े स्थल पर पहुंचे और वीर सावरकर की प्रतिमा को नमन किया। उन्होंने हिन्दू महासभा भवन आने को भी अपने लिए गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अगर हम सावरकर के सिद्धांतों पर नहीं चलेंगे तो सनातन धर्म बहुत जल्दी विनष्ट हो जाएगा। अमर बलिदानी पंडित नाथूराम गोडसे वह

व्यक्ति थे, जिन्होंने सावरकर के बताए हुए रास्ते पर चलकर जैसे हजारों बलिदानियों ने, हजारों क्रांतिकारीयों ने सावरकर की बातों को माना, उसी तरह वीर विनायक सावरकर की बात को अमर बलिदानी पंडित नाथूराम गोडसे ने भी माना और गांधी का वध किया। महामंडलेश्वर ने कहा कि यह स्वतंत्र भारत का पहला अमूल्य बलिदान था, जो सनातन धर्म की रक्षा के लिए दिया गया। उनके अनुसार, नाथूराम गोडसे एक विचार पुंज हैं और यदि सनातन धर्म व हिंदू समाज उनका सही मूल्यांकन नहीं करेगा, उन्हें नहीं समझेगा, तो हिंदू समाज बहुत जल्दी विनष्ट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि गांधी समाज के लिए जहर हैं। उनके मुताबिक, गांधी और उनके जैसे नेता अपने लोगों को दूसरों के लिए धोखा देते हैं, जबकि नाथूराम गोडसे उस नस्तर की तरह हैं, जिससे उस कैंसर और जहर का इलाज किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि सनातन धर्मियों की ओर से अब तक नाथूराम गोडसे के साथ जो हुआ, उसके लिए वे उनसे क्षमा प्रार्थी हैं। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने सत्ताधारी दल भाजपा को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, कांग्रेस से भी अधिक जिम्मेदार है क्योंकि उसने सावरकर और गोडसे के विचारों से दूरी बनाकर गद्दारी की है।

ऑपरेशन क्रैकडाउन: फर्जी दस्तावेजों के सहारे दून में रह रहीं तीन विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में संदिग्ध और अवैध रूप से रह रहे बाहरी व्यक्तियों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्रैकडाउन' के तहत दून पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने फर्जी भारतीय दस्तावेजों के आधार पर अवैध रूप से रह रही तीन विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला किर्गिस्तान तथा दो महिलाएं उज्बेकिस्तान की निवासी हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमेन्द्र डोभाल के निर्देश पर चलाए जा रहे सघन सत्यापन अभियान के दौरान 28 मार्च को रायपुर थाना क्षेत्र स्थित सांई कॉम्पलैक्स के एक फ्लैट में तीनों महिलाएं संदिग्ध अवस्था में पाई गईं। वैध दस्तावेज मांगने पर वे कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सकीं, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि किर्गिस्तान की निवासी ईरीका वर्ष 2023 में एक वर्ष के वीजा पर भारत आई थी, लेकिन वीजा समाप्त होने के बाद वापस नहीं लौटी और अवैध रूप से रह रही थी। वहीं उज्बेकिस्तान की निवासी करीना और निगोरा वर्ष 2022-23 में नेपाल सीमा के रास्ते अवैध रूप से

भारत में प्रवेश कर दिल्ली समेत विभिन्न स्थानों पर रह चुकी हैं। तीनों की मुलाकात दिल्ली में हुई, जहां उन्होंने अपने परिचितों के माध्यम से फर्जी भारतीय दस्तावेज तैयार कराए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं में से निगोरा को पूर्व में बिहार पुलिस की ओर से भी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध निवास के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जमानत पर रिहा होने के बाद भी वह देश नहीं लौटी और पुनः अवैध रूप से भारत में रह रही थी। तलाशी के दौरान पुलिस ने इनके कब्जे से एक पासपोर्ट, तीन आधार कार्ड, दो पैन कार्ड, एक किर्गिस्तान आई-कार्ड, बैंक पासबुक, सात मोबाइल फोन और विदेशी मुद्रा बरामद की है। तीनों आरोपितों के खिलाफ थाना रायपुर में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को पूछताछ में फर्जी दस्तावेज तैयार कराने में शामिल अन्य व्यक्तियों की जानकारी भी मिली है, जिनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि पिछले छह से सात माह से तीनों महिलाएं देहरादून में अलग-अलग स्थानों पर रह रही थीं।

विश्व में पुनः स्थापित हो रही है भारत की सनातन परंपरा : संजय

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तराखंड प्रांत प्रचार प्रमुख संजय ने कहा कि भारत पुनः अपने गौरव की ओर लौट रहा है। भारतीय संस्कृति, हिंदुत्व की जीवन दृष्टि और भारत की सनातन परंपरा आज विश्व में पुनः स्थापित हो रही है, भारत के मन से गुलामी के अवशेष समाप्त हो रहे हैं। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर देहरादून परेड ग्राउंड में स्वयंसेवकों के बौद्धिक कार्यक्रम में प्रांत प्रचार प्रमुख ने यह बाते कही। उन्होंने कहा कि विश्व आज भारत की ओर आशा और मार्गदर्शन की दृष्टि से देख रहा है। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत पुनः विश्वगुरू के आसन पर विराजमान होगा और राष्ट्र परम वैभव को प्राप्त करेगा। प्रांत प्रचार प्रमुख ने कहा कि वर्तमान में विश्व अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में भारत की सांस्कृतिक विरासत और जीवन दृष्टि मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक दृष्टिकोण और

सामाजिक संरचना वैश्विक शांति व संतुलन के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती हैं। उन्होंने समाज में एकता, समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विकास और सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है कि समाज अपने मूल्यों और परंपराओं से जुड़ा रहे। भारतीय पंचांग की कालगणना पर उन्होंने कहा कि यह विश्व की प्राचीनतम व अत्यंत वैज्ञानिक कालगणना पद्धति है। जब भारत को समझने का प्रयास करते हैं, तो हमें केवल बाहरी मान्यताओं के आधार पर नहीं, बल्कि उन मान्यताओं के पीछे निहित वैज्ञानिक तथ्यों और दर्शन को समझना चाहिए। भारत हजारों-लाखों-करोड़ों वर्षों की कालगणना करने वाला राष्ट्र है और यही भारत का गौरव है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विक्रम संवत् 2083 में प्रवेश कर रहे हैं, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर से 57 वर्ष आगे है। भारतीय युगाब्द के अनुसार वर्तमान काल 5128 वर्ष से अधिक का है और सृष्टि कालगणना के अनुसार यह समय लगभग 1 अरब 96 करोड़ 8 लाख वर्ष से अधिक माना गया है। यह भारतीय मनीषियों की गहन खगोल, गणित और कालगणना संबंधी सूक्ष्म वैज्ञानिक दृष्टि को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि संत रैदास जी की 650वीं जयंती, वंदे मातरम की 150वीं जयंती, राम मंदिर आंदोलन और 550 वर्षों का इतिहास, गुरु तेग बहादुर की 350वां शहीदी दिवस, जैसे विषय शामिल किए गए हैं। इसका उद्देश्य अपने महापुरुषों का स्मरण कर उनके मार्ग को अपना है, ताकि विश्व में शांति की स्थापना हो। उत्तराखंड प्रांत प्रचार प्रमुख संजय ने कहा कि संघ की 100 वर्षों की यह यात्रा में अब धीरे-धीरे सारा सामाज छोटे- छोटे मतभेद भुला कर संगठित खड़ा हुआ है, यही संघ की कल्पना भी है कि हिंदुत्व का संगठन शक्तिशाली हो, हम अपनी शक्ति अपने पूर्वजों के सामर्थ्य, अपने गौरवशाली इतिहास के साथ ही अनुशासित राष्ट्रभक्ति और शक्तिशाली राष्ट्र को खड़ा करने वाले स्वयंसेवक बने। समरसता, सेवा, राष्ट्रभक्ति हिंदू समाज संगठन का अंग है।

डॉ वीरेंद्र कुमार ने की एनसीसीडीआर की 5वीं बैठक की अध्यक्षता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में राष्ट्रीय नशामुक्ति एवं पुनर्वास सलाहकार समिति (एनसीसीडीआर) की 5वीं बैठक आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. वीरेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय परामर्श समिति के सभी सदस्यों से मादक पदार्थों की मांग में कमी लाने के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दे पर सक्रिय रूप से और नियमित रूप से अपने विचार, सुझाव और प्रतिक्रिया साझा करने का आग्रह किया। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। इनमें निवारक प्रयासों को सुदृढ़ करना, नशामुक्ति और पुनर्वास सेवाओं का विस्तार, सुविधाओं का मानचित्रण और एकीकरण, सुदृढ़ निगरानी ढांचा, नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तार और प्रमुख प्लेटफार्मों के बीच तालमेल शामिल है। बैठक के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग उप महानिदेशक प्रतिमा गुप्ता ने नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) की उपलब्धियों और एनएपीडीडीआर 2.0 (2026-29) के लिए प्रस्तावित रणनीतिक कार्य योजना का विवरण प्रस्तुत किया।

बैठक में समन्वित प्रयासों के माध्यम से भारत को नशामुक्त बनाने की दिशा में कड़े कदम उठाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। बैठक में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा, विभाग के सचिव सुधांश पंत और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

ग्रेटर नोएडा में सजा स्किल का महाकुंभ, राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य आगाज

एजेंसी

नोएडा। स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य शुभारंभ गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में हुआ। इस आयोजन में देशभर से आए करीब 650 प्रतिभागी 63 विभिन्न कौशलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भागीदारी ने इसे 'स्किल भारत' के विजन का जीवंत उदाहरण बना दिया है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार लगातार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने पर विशेष जोर दे रही है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के माध्यम से प्रदेश के लाखों युवाओं को ट्रेनिंग, अप-स्किलिंग और रोजगार से जोड़ा गया है।

ग्रेटर नोएडा में आयोजित यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता प्रदेश की स्किल इकोनॉमी को मजबूत करने और यूपी को 'स्किल हब' के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की सचिव

देबाश्री मुखर्जी ने कहा कि स्किलिंग एक निरंतर प्रक्रिया है, जो अभ्यास और समर्पण से विकसित होती है। उन्होंने प्रतिभागियों को 'स्किल आइकॉन' बताते हुए कहा कि उनका यह सफर ही एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है और युवा भारत को वैश्विक स्तर पर 'स्किल नेशन' बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार मनीषा शर्मा ने बताया कि भारत वर्तमान में वर्ल्ड स्किल्स रैंकिंग में 13वें और एशिया में 8वें स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि स्किलिंग, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग के जरिए युवाओं को भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण कुमार पिल्लई के उद्घाटन भाषण से हुई। उन्होंने कौशल विकास को देश की प्रगति का आधार बताते हुए युवाओं को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। अंत में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रशांत सिन्हा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण शपथ ग्रहण समारोह रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की प्रतिभागी साधना ने सभी प्रतिभागियों को निष्पक्षता, ईमानदारी और समर्पण के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री डॉ यादव वाराणसी में 31 मार्च को रखेंगे मध्य प्रदेश का ओडीओपी मॉडल

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) को एक प्रभावी आर्थिक मॉडल के रूप में विकसित किया गया है, जो स्थानीय उत्पादों को पहचान से आगे बढ़ाकर उन्हें बाजार, निर्यात और रोजगार से जोड़ रहा है। इस सशक्त मॉडल को वाराणसी में 31 मार्च को आयोजित सहयोग सम्मेलन में साझा किया जएगा।

जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि ओडीओपी के माध्यम से प्रत्येक जिले की विशिष्टता को चिन्हित कर उसे उत्पादन, प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार उपलब्धता से जोड़ा गया है। मध्य प्रदेश में यह पहल केवल पारंपरिक उत्पादों के संरक्षण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसे एक समग्र वैल्यू चेन के रूप में विकसित किया गया है, जिससे कारीगरों, किसानों और सूक्ष्म उद्यमियों को स्थायी आर्थिक अवसर प्राप्त हो रहे हैं। सहयोग सम्मेलन में ओडीओपी से स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों के आर्थिक सशक्तिकरण का मॉडल साझा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्योपुर

का अमरूद, मुरैना-भिंड की सरसों, ग्वालियर का सैंडस्टोन, अशोकनगर की चंदेरी हैंडलूम, रतलाम का नमकीन, उज्जैन का बाटिक प्रिंट, धार का बाघ प्रिंट, झाबुआ का कड़कनाथ, बुरहानपुर की जरी-जरदोजी, सीहोर का बासमती, बैतूल का सागौन, बालाघाट का चिन्नौर चावल, मंडला-डिंडोरी का कोदो-कुटकी, सतना का टमाटर, शहडोल की हल्दी जैसे विविध उत्पादों को ह्यष्ठह्वक्र के अंतर्गत संगठित कर बाजार से जोड़ा गया है। यह व्यापकता यह दर्शाती है कि प्रदेश के हर हिस्से की आर्थिक क्षमता को व्यवस्थित रूप से विकसित किया जा रहा है।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के इन समग्र प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। मध्यप्रेश के ओडीओपी मॉडल को अवॉर्ड-2024 में सिल्वर अवॉर्ड प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि प्रदेश के कारीगरों, किसानों और उद्यमियों की दक्षता और सरकार द्वारा विकसित सुदृढ़ इकोसिस्टम का परिणाम है।

निर्यात, कौशल और बाजार को जोड़ता एकीकृत इकोसिस्टम

उन्होंने बताया कि प्रदेश में ओडीओपी को निर्यात संवर्धन, कौशल विकास और उद्यमिता से जोड़ते हुए कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। ब्रांडिंग, पैकेजिंग, जीआई टैगिंग और ई-कॉमर्स के माध्यम से उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा रहा है, जिससे स्थानीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, वाराणसी में आयोजित एमपी-यूपी सम्मेलन में दोनों राज्यों के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और नीति-निर्माताओं की सहभागिता के साथ ओडीओपी के प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की दिशा पर केंद्रित रहेगा। इस मंच के माध्यम से मध्य प्रदेश अपने अनुभवों को साझा करते हुए यह प्रदर्शित करेगा।

फूलबंगला में विराजमान हुए बांके बिहारी जी महाराज, दर्शन को उमड़ा सैलाब

एजेंसी

मथुरा। मथुरा में कामदा एकादशी पर ठाकुर बांके बिहारी ने विभिन्न प्रकार फूलों से सजे दिव्य फूलबंगला में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिये। गर्मी के मौसम में करीब चार महीने तक फूलबंगला सजाया जाएगा, ताकि ठाकुरजी को फूलों से शीतलता दी जा सके। फूलबंगला सजाने की यह क्रम 12 अगस्त हरियाली अमावस तक चलेगा। सुबह राजभोग और शाम को शयनभोग सेवा के दौरान अलग-अलग तरह के फूलबंगला में विराजकर ठाकुरजी भक्तों को दर्शन देंगे। ठाकुरजी की पूलबंगला सेवा के लिए पूरे सीजन की बुकिंग लगभग पूरी हो चुकी है। ऐसे में अब कोई भक्त फूलबंगला की सेवा मंदिर में करना चाहता है, तो उसे मौका नहीं मिलेगा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में आज रविवार कामदा एकादशी से गर्मी में ठाकुरजी को शीतलता प्रदान करने के लिए हर दिन फूलबंगला सजाया जाएगा। इस परंपरा की शुरुआत ठाकुर बांकेबिहारी के प्राकट्यकर्ता स्वामी हरिदास ने की थी। मंदिर में हर दिन अलग डिजाइन का फूलबंगला सजेगा। दोपहर में मंदिर के पट बंद होने के बाद मात्र चार घंटे में कारीगर इसे तैयार करते हैं। हालांकि, फूलों की सफाई, विदेशी फूलों का मत्था, तोरण पहले ही तैयार कर लिए जाते हैं। सुबह सजने वाले फूलबंगला के लिए कारीगर भोर में मंदिर में पहुंच जाते हैं। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने फूलबंगला सजाने के लिए इस बार मंदिर में जमा होने वाली धनराशि में वृद्धि कर दी है। पिछले वर्ष तक मंदिर में फूलबंगला सेवा के लिए 15 हजार रुपये जमा होते थे। लेकिन, इस बार एक लाख 51 हजार रुपये प्रति फूल बंगला के हिसाब से जमा होंगे। हर वर्ष गर्मी के दिनों में ठाकुरजी के फूलबंगला 108 दिन सजते हैं। लेकिन, इस बार 17 मई से अधिकमास की शुरुआत हो रही है, जो 15 जून तक चलेगा। ऐसे में इस बार गर्मी के सीजन में फूलबंगला एक महीने अधिक सजेंगे। कामदा एकादशी के पावन अवसर पर वृंदावन में सुबह से ही परिक्रमा मार्ग और मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने यमुना स्नान के बाद भगवान विष्णु के दर्शन और 10 किमी की परिक्रमा की, जिससे राधे-राधे के जयकारों के साथ माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया। सुबह की भोर से ही परिक्रमा मार्ग में भक्तों की लंबी कतारें दिखाई दीं, जो देर शाम तक बनी रहने की संभावना है। बताया जाता है कि कामदा एकादशी पर परिक्रमा और व्रत का विशेष महत्व है, जो सभी मनोकामनाएं पूरी करने वाला माना जाता है।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की

स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे।

दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब का मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।। वहीं मध्यक्रम में उसके पास निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन के पास रहेगी। पंजाब ने कूपर कोनोली को ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल किया था पर वह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाज खिलाना पड़ सकता है। इससे टीम का बल्लेबाजी गेंदबाजी संतुलन बाधित हो सकता है जिससे टीम किस प्रकार निपटती है ये देखना होगा।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

जैनिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब, फाइनल में जिरी लेहेका को हराया

मियामी (एजेंसी)। मियामी, 30 मार्च (वेब वार्ता)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा किया।

जैनिक सिनर फाइनल में जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, सिनर दोनों इवेंट्स में एक भी सेट गंवाए बिना यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। 24 साल के सिनर ने अपने करियर में पहली बार इंडियन वेल्स जीता और 'सनशाइन डबल' जीतने वाले आठवें पुरुष खिलाड़ी बने। नोवाक जोकोविच और फेडरर ने कई मौकों पर यह उपलब्धि हासिल की है।

जिम कूरियर (1991), माइकल चांग (1992), पीट सम्प्रास (1994), मार्सेलो रियोस (1998), आंद्रे अगासी (2001), रोजर फेडरर (2005-06) और नोवाक जोकोविच (2011, 2014-16) वो खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने सिनर से पहले सनशाइन डबल पूरा किया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद सिनर ने कहा, ÷यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी (जीतने) नहीं सोचा होगा, क्योंकि इसे हासिल करना मुश्किल है। मैं अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश हूं।÷ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 34 सेट जीतकर अपना शानदार रिकॉर्ड भी बढ़ाया, जो पिछले साल के पेरिस मास्टर्स की शुरुआत से जारी है। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के मुताबिक, इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 19-2 हो गया है।

शनिवार को महिला मियामी ओपन का खिताब आर्यना सबालेंका ने जीता। उन्होंने भी सिनर की तरह अपना 'सनशाइन डबल' पूरा किया। यह महज चौथी बार है जब एटीपी खिलाड़ी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ी ने एक ही साल में सनशाइन डबल पूरा किया है। सबसे पहली बार यह कारनामा साल 1994 में हुआ था। सैम्प्रास और स्टेफी ग्राफ ने इंडियन वेल्स और मियामी ओपन में जीत हासिल की थी।

वहीं, 2005 में फेडरर और किम क्लिस्टर्स ने यह खास उपलब्धि हासिल की थी, जबकि 2016 में जोकोविच और विक्टोरिया अजारेंका ने 'सनशाइन डबल' पूरा किया था। एटीपी रैंकिंग में सिनर अब कार्लोस अल्काराज से 1,190 प्वाइंट पीछे हैं। दूसरी ओर, 24 वर्षीय लेहेका अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे थे।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप के लिए 31 सदस्यीय दल घोषित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए अगले माह 1 से 9 अप्रैल 2026 नेशनल कोचिंग कैंप आयोजित किया है। इस कैंप के लिए 31 सदस्यीय भारतीय दल का चयन किया गया है। इस कैंप के लिए गोलकीपिंग इकाई में सविता, माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम हैं। वहीं डिफेंस लाइनअप में निक्की प्रधान और उदिता जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को रखा गया है। इसके साथ ही इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास भी हैं, जो बैक में काफी गहराई देती हैं। मिडफील्ड में कैप्टन सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के और नेहा हैं। इनके साथ-साथ सुनीता टोप्पो और इशिका जैसे उभरते हुए टैलेंट का साथ मिला। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर शामिल हैं। इसके साथ ही दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, रुतजा दादासो पिसल, बलजीत कौर, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो, सोनम और संगीता कुमारी भी हैं। इस कोचिंग कैंप में खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को बेहतर बनाने, टीम संयोजन तैयार करने और रणनीतिक कौशल को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। टीम नए कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का इस साल व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। टीम जून में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में हिस्सा लेगी, इसके बाद अगस्त में महिला विश्व कप और फिर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होने वाले एशियाई खेलों में उतरेगी। यही कारण है कि इस कैंप का महत्व काफी अहम होगा।

कैंप के लिए भारतीय दल

गोलकीपरः सविता, माधुरी किंडो, बिचू देवी खारीबाम, बंसरी सोलंकी

डिफेंडरः निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी, ज्योति, उदिता, शिल्पी डबास

मिडफील्डरः सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा, इशिका

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान निकी प्रसाद के साथ किया करार

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय समूह जेएसडब्ल्यू ग्रुप की खेल शाखा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने भारत की आईसीसी महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2025 विजेता टीम की कप्तान निकी प्रसाद के साथ करार करने की घोषणा की है। महज़ 20 वर्ष की उम्र में निकी ने अपने उत्कृष्ट नेतृत्व और लगातार शानदार प्रदर्शन से खुद को भविष्य की एक बड़ी स्टार खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

एक शांत और संयमित लीडर के रूप में निकी ने मात्र नौ वर्ष की आयु में अंडर-16 स्तर पर पदार्पण किया और दो वर्षों के भीतर कर्नाटक की अंडर-19 टीम में जगह बना ली। 13 वर्ष की आयु में पेशेवर क्रिकेट में कदम रखने के बाद उन्होंने लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत को अंडर-19 एशिया कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद मलेशिया में आयोजित वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करते हुए खिताब दिलाया। वह महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करती हैं और पिछले दो सीज़न से इस फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा रही हैं, जहां उन्हें उच्च स्तर के क्रिकेट का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ है।

इस करार पर बात करते हुए जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के टैलेंट और ब्रांड कंसल्टिंग प्रमुख हिमांशु शर्मा ने कहा, 'निकी भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें कौशल, नेतृत्व और परिपक्वता का बेहतरीन संयोजन है। घरेलू क्रिकेट में पहचान बनाने से लेकर भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताने तक उनकी यात्रा बेहद प्रेरणादायक रही है। इतनी कम उम्र में उनका संतुलन और टीम को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। हमें विश्वास है कि वह भारतीय महिला क्रिकेट के भविष्य को आकार देने की क्षमता रखती हैं और हम उनके आगे के सफर में उनका साथ देने को लेकर उत्साहित हैं।'

अपनी खुशी व्यक्त करते हुए निकी प्रसाद ने कहा, 'जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मैं ऐसी संस्था से जुड़ रही हूं, जिसने विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों को लगातार समर्थन और प्रोत्साहन दिया है। युवा प्रतिभाओं पर उनका भरोसा मुझे अपने करियर के अगले चरण के लिए आत्मविश्वास देता है। मैं जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ अपनी नई यात्रा शुरू करने और आने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए उत्साहित हूं।'

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ, निकी को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं, अनुभवी एथलीट मैनेजमेंट का मार्गदर्शन और समग्र करियर समर्थन मिलेगा, जिससे वह मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह अपनी प्रगति जारी रख सकेंगी। यह सहयोग उन्हें जूनियर स्तर की सफलता से सीनियर स्तर पर एक स्थाई और सफल करियर बनाने में मदद करेगा।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ भारत के कुछ सबसे सफल और उभरते क्रिकेटर जुड़े हुए हैं, जैसे जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अक्षर पटेल, अंगक्रिश रघुवंशी और सूर्यांश शेडगे। निकी प्रसाद के जुड़ने से जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता रखने वाली नई पीढ़ी के भारतीय खिलाड़ियों को पहचानने और उन्हें विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

300 मैच खेलने वाली पहली फ्रेंचाइजी टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुम्बई । मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले ही मैच में उतरने के साथ ही अपने 300 मैच पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अब मुम्बई की टीम आईपीएल में 300 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में केकेआर के खिलाफ मुम्बई ने सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के साथ ही जीत दर्ज कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। आईपीएल ही नहीं विश्व की कोई अन्य फ्रेंचाइजी टीम 300 मैच नहीं खेल पायी है। कर मुम्बई ने केकेआर के खिलाफ मैच में उतरने के साथ ही अपना 278वां आईपीएल मैच खेला। वहीं इससे पहले उसने 22 मुकाबले चैंपियंस लीग टी20 में खेले थे। इस तरह अब तक कुल 300 टी20 मैच मुंबई इंडियंस ने खेलें हैं।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। विराट कोहली के बाद वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने इतने अधिक अर्धशतक लगाये हैं।

टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब

मियामी (एजेंसी)। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब अपने नाम किया। टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से हराया। इस जीत के साथ टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा 'सनशाइन डबल' पूरा करने वालीं साल 2019 के बाद पहली जोड़ी बन गई हैं।

साल 2019 में यह खास उपलब्धि एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी बनी है। इससे पहले यह मुकाम जाना नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006,

2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी हासिल कर चुकी हैं। नथासा जेवरवा (1997), हिंगिस (1999), और बेथानी माटेक-सैंड्स (2016) ने अलग-अलग पार्टनर के साथ एक ही साल में दोनों टूर्नामेंट जीते हैं।

टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने एक साथ यह अपना पांचवां खिताब जीता है, जिसमें दो ग्रैंड स्लैम (2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन) शामिल हैं। इस जीत के बाद टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच जाएंगी, जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच सकती हैं।

ट्रॉफी वितरण के दौरान सिनियाकोवा ने टाउनसेंड का साथ खेलने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, ÷मेरे साथ खेलने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इसलिए मेरे साथ खेलने और इस टूर्नामेंट को मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद। मैं आपके साथ इस समय का सच में मजा ले रही हूं।÷ यह दोनों खिलाड़ियों का दूसरा मियामी फाइनल था। टाउनसेंड 2023 के फाइनल में लेयला फर्नांडीज के साथ पहुंची थीं और सिनियाकोवा 2018 के फाइनल में साथी चेकियाई बारबोरा क्रेजसिकोवा के साथ खेली थीं। वहीं, एरानी और पाओलिनी ने भी इंडियन वेल्स में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और मियामी ओपन में रनर-अप बने, जिससे उनकी रैंकिंग में सुधार होने की उम्मीद है।

मुंबई के खिलाफ ग्रीन ने गेंदबाजी क्यों नहीं की? रहाणे ने कहा- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के सवाल पर कहा कि इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) से पूछिए कि वह क्यों गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। ग्रीन ने टी-20 विश्व कप के बाद से ही गेंदबाजी नहीं की है। सोमवार को सीए ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ग्रीन पीठ के निचले हिस्से की हल्की चोट से उबर रहे हैं और गेंदबाजी में वापसी की उनकी टाइमलाइन IPL से पहले ही KKR को बता दी गई थी।

CA के प्रवक्ता ने कहा, 'कैमरन के पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका ईलाज चल रहा है। उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। वह इस समय भारत में धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी दबाव बढ़ा रहे हैं, ताकि करीब 10-12 दिनों में वापसी कर सकें। ÷च्यक्रको यह जानकारी दे दी गई है और वे इससे पूरी तरह वाकिफ हैं।' उल्लेखनीय है कि ग्रीन ने सितंबर 2024 से अक्तूबर 2025 तक 12 महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में गेंदबाजी नहीं की थी, क्योंकि उनकी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी हुई थी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा है। गेंदबाजी संयोजन के स्थिर न होने पर रहाणे ने कहा कि टीम अभी सही संतुलन तलाश रही है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है जब ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू करेंगे, तो संयोजन थोड़ा अलग होगा। अभी हमें संतुलन देखना है और यह समझना है कि हमारे लिए कौन अच्छा गेंदबाजी कर सकता है। बल्लेबाजी में हमने अच्छा किया, लेकिन गेंद से सही संतुलन ढूंढना बहुत जरूरी है। उम्मीद है ग्रीन जल्द गेंदबाजी शुरू करेंगे, तब हम देख पाएंगे कि संयोजन सही बैठता है या नहीं।' KKR की मुश्किलें कई मुख्य तेज गेंदबाजो की गैरमौजूदगी से और बढ़ गई हैं, जिससे टीम को कम अनुभव वाले खिलाड़ियों पर निर्भर रहना पड़ा है। रहाणे ने इसे चुनौती भरा दौर बताया, लेकिन इसे टीम के अन्य खिलाड़ियों के लिए मौका भी कहा। MI के खिलाफ 6 विकेट की हार में उन्होंने ब्लेसिंग मुजरबानी, कार्तिक त्यागी और वैभव अरोड़ा को तेज गेंदबाज के तौर पर खिलाया, जबकि स्पिन की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती के साथ सुनील नारायण और अनुकूल रॉय ने संभाली। रहाणे ने कहा कि स्पिनर्स पर दबाव कम करने के लिए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज होना जरूरी है, और सही संतुलन तभी बनेगा जब ग्रीन पूरी तरह योगदान दे पाएंगे।

गेंद से छेड़छाड़ मामले में फखर जमान पर लग सकता है प्रतिबंध

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में गेंद से छेड़छाड़ मामले में पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी फखर जमान पर कम से कम एक मैच का प्रतिबंध लग सकता है। फखर जमान ने रविवार को पीएसएल 2026 के मैच में लाहौर कलंदर्स की कराची किंग्स के हाथों चार विकेट की हार के दौरान गेंद से छेड़छा की यह घटना सामने आई थी। यह घटना किंग्स के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान आखिरी ओवर की शुरुआत में हुई। उस समय मैदानी अंपायर फैसल अफरीदी ने हारिस रऊफ से गेंद निरीक्षण के लिए ले ली थी, क्योंकि गेंद शाहीन शाह अफरीदी और फखर के बीच एक-दूसरे को पास की गई थी। फैसल ने दूसरे ऑन-फील्ड अंपायर शरफुद्दौला के साथ लंबी चर्चा की और दोनों ने गेंद से छेड़छाड़ होने का संदेह जताते हुए उसे बदलकर दूसरी गेंद लाने का फैसला किया। किंग्स को पांच पेनल्टी रन दिए गए और उनके बैट्समैन - खुशदिल शाह और आजम खान - को दूसरी गेंद चुनने की इजाजत दी गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के अनुसार, कलंदर्स के इस खिलाड़ी पर लेवल-ढ्ढढ्ढ का अपराध करने का आरोप लगाया गया है। पीएसएल सीजन में पहली बार ऐसा उल्लंघन करने पर कम से कम एक मैच और अधिक से अधिक दो मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। मैच रेफरी रोशन महानामा अगले दो दिनों में इस मामले की सुनवाई करेंगे और फखर इस आरोप का बचाव करेंगे। पांच पेनल्टी रन किंग्स के लिए अहम साबित हुए, क्योंकि उन्होंने आखिरी छह गेंदों पर 14 रन से छह गेंदों पर नौ रन कर दिए। अब्बास अफरीदी ने रऊफ को एक चौका और एक छक्का लगाकर मैच दो लीगल गेंदों में ही जीत लिया। इसके अलावा, किंग्स के हसन अली पर 19वें ओवर में हसीबुल्लाह के विकेट का जश्न मनाने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उनके काम को लेवल-ढ्ढ का अपराध माना गया, जिसने पीएसएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया।

वैभव सूर्यवंशी ने बताया कौन हैं बचपन के हीरो, युवराज सिंह के अलावा इस विदेशी खिलाड़ी का लिया नाम

गुवाहाटी (असम) (एजेंसी)। भारत के युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन के राजस्थान रॉयल्स (RR) के पहले मैच से पहले अपने बचपन के हीरो के बारे में बात की। उन्होंने क्रिकेट के दिग्गजों ब्रायन लारा और युवराज सिंह को ऐसे क्रिकेटर बताया जिन्हें वह बड़े होते समय पसंद करते थे।

RR अपना IPL 2026 अभियान 30 मार्च को पांच बार के चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के खिलाफ शुरू करेगा। RR के खिताब की दौड़ में ICC अंडर-19 विश्व कप 2026 के विजेता सूर्यवंशी एक अहम भूमिका निभाएंगे। सूर्यवंशी ने 2025 सीजन से पहले, 13 साल की उम्र में IPL डील पाने वाले सबसे

कम उम्र के खिलाड़ी बनने के बाद से खेल के सभी फॉर्मेट में अपने नाम कई रिकॉर्ड दर्ज किए हैं।

जियोस्टार से बात करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने अपने बचपन के हीरो के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वह वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ब्रायन लारा और भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह की अकेले दम पर मैच खत्म करने की काबिलियत के कायल थे, जिसने बड़े होते समय उन पर गहरा असर डाला। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने ब्रायन लारा और युवराज सिंह, दोनों को अकेले दम पर मैच खत्म करते देखा है। अगर वे क्रीज पर होते थे, तो विरोधी टीम के पास मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं होता था और यही बात मुझे उनके बारे में सबसे ज्यादा पसंद थी।'

सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स द्वारा चुने जाने के बाद उनका ध्यान टीम को मज़बूत शुरुआत देने, पावरप्ले में आक्रामक खेलने और उन शुरुआत को लंबी पारियों में रनों में बदलने पर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सीजन में उनका मुख्य लक्ष्य टीम को खिताब जीतने में मदद करना है, क्योंकि उनका मानना है कि अगर टीम सफल होती है, तो व्यक्तिगत प्रदर्शन अपने आप ही उभरकर सामने आएंगे।

उन्होंने कहा, 'जब मुझे टीम में चुना गया, तो मेरा एकमात्र लक्ष्य टीम को एक अच्छी शुरुआत देना था। मैं पावरप्ले में अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था, और अगर मुझे अच्छी शुरुआत मिलती, तो मैं उसे जारी रखते हुए बिना अपना विकेट गंवाए लंबी पारी खेलना चाहता था। मुझे पता था कि अगर मैं अपने शॉट्स खेलूंगा, तो मैच का रुख बदल जाएगा, क्योंकि 200 से जयादा रनों का पीछा करना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। इस सीजन में लक्ष्य टीम के लिए ट्रॉफी जीतना है। अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं, तो मेरा और टीम का प्रदर्शन अपने आप ही सुर्खियों में आ जाएगा और यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।'

2025 सीज़न से पहले हुए IPL मेगा ऑक्शन के दौरान सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के साथ 1.1 करोड़ रुपए का करार किया, जिससे वह IPL के इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उसी सीजन में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हुए IPL मैच में 14 साल की उम्र में सूर्यवंशी ञ्20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और IPL में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय बन गए। अपनी IPL यात्रा की शुरुआत पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर करने वाले सूर्यवंशी सीजन के उभरते हुए युवा सितारों में से एक बन गए। उन्होंने 7 पारियों में 36.00 की औसत और 206.55 के स्ट्राइक रेट से कुल 252 रन बनाए जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था।

शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज' चुना

लुसाने। भारत की शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना है जिनकी असाधारण उपलब्धियों में ऐतिहासिक विश्व चैम्पियनशिप खिताब शामिल है । जम्मू कश्मीर की 19 वर्ष की शीतल देवी विश्व पैरा चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला भुजाहीन तीरंदाज बनी । उन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के ग्वांग्जू में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में खिताब जीता था । शीतल भुजायें नहीं होने के बावजूद अपने पैर और कंधे का इस्तेमाल करके तीरंदाजी करती हैं । वह विश्व चैम्पियनशिप में महिला टीम में रजत और मिश्रित टीम में कांस्य भी जीत चुकी है । विश्व तीरंदाजी ने कहा ,'' भारत की शीतल देवी को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना गया है जिन्होंने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विश्व खिताब समेत कई उपलब्धियां हासिल की ।'' शीतल ने पेरिस पैरालम्पिक में मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था। वह एशियाई पैरा खेल 2022 और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप में व्यक्तिगत रजत जीत चुकी है । शीतल ने सोमवार को एक्स पर लिखा ,' दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों के साथ नामांकन मिलना और अब विश्व तीरंदाजी द्वारा सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जाना । इस सफर में जो भी मिला उसके लिये मेरा दिल कृतज्ञता और भावनाओं से भरा हुआ है । धन्यवाद ।''

सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूके गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एक्शन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।

आलिया और अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डोंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डोंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिग्रा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'NH10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को मैसेज देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों 'दृश्यम 3' और 'गोलमाल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने 'सरदारजी' फ्रेंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है।

अजय देवगन 'भूत' (2003) और 'काल' (2005) जैसी हॉरर फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। अब कथित तौर पर एक्टर एक बार फिर हॉरर मूवी में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन ने हॉरर फिल्म के लिए रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। फिलहाल मेकर्स इस प्रोजेक्ट के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत हैं और फिलहाल वे इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में बनाने की तैयारी में हैं।

कास्टिंग पर चल रहा है काम

फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम तय नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बोल्ड, हाई-कॉन्सेप्ट वाली डरावनी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा कि यह फिल्म पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग होगी। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम भी चल रहा है। टीम ऐसे कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है, जो अजय देवगन की दमदार ऑन-स्क्रीन मौजूदगी को और भी निखार सकें। हॉरर जॉनर में अजय देवगन की वापसी की खबर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। अजय देवगन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियदर्शन ने बताया क्यों 'धुरंधर द रिवेंज' से खास है 'भूत बंगला'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर -2' अनुमान के मुताबिक ही कमाई कर रही है। इसी वजह से कई मेकर्स ने अपनी रिलीज डेट भी आगे बढ़ा दी थी। मगर फिल्म भूत बंगला के लिए फिल्म मेकर प्रियदर्शन पूरी तरह आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि फिल्म पूरी तरह पारिवारिक है।

'धुरंधर 2' से कोई मुकाबला नहीं

'धुरंधर 2' की तगड़ी कमाई के बाद अब दूसरी फिल्म अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' भी जल्द रिलीज होने वाली है। जिसे लेकर प्रियदर्शन को फिल्म की कमाई पर कोई संदेह नहीं है। हाल ही में पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने खुलकर अपनी आगामी फिल्म की जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि 'धुरंधर 2' को आक्रामक सीन्स की वजह से बच्चों के साथ नहीं देख सकते मगर 'भूत बंगला' एक ऐसी फिल्म है जिसे आप बच्चों के साथ भी देख सकते हैं।

क्यों बनाते हैं सिर्फ कॉमेडी फिल्में

निर्देशक प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में की हैं। जिनमें हेरा फेरी, गरम मसाला और भूल भुलैया जैसी फिल्में हिट रही हैं। उन्होनें अपनी बातचीत में कहा, 'मैं सोचता हूं कि लोग अलग-अलग कहानियां देखना पसंद करते हैं। 'भूत बंगला'पूरी तरह से एक मनोरंजक फिल्म है। जो

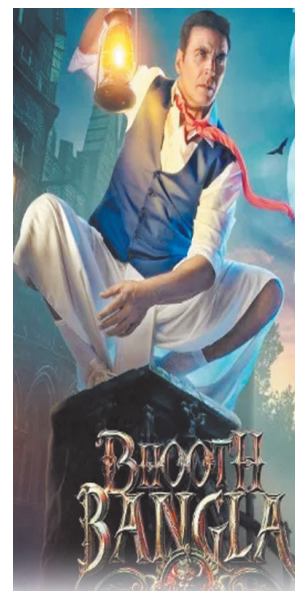

लोगों की रूचि और उनका मन लगा कर रखेगी। हमने फिल्म में किसी भी तरह का कोई डबल मीनिंग वाला शब्द नहीं रखा है। जिससे फिल्म को बच्चों के साथ भी देखा जा सकता है। इस बात को मैंने अपने करियर की शुरूआत से एक आदर्श बना कर रखा है। मैं इंटेंस ड्रामा वाली फिल्में बनाने से बचता हूं।'

'भूत बंगला' जल्द होगी रिलीज

'भूत बंगला' को लेकर प्रियदर्शन ने बताया कि इस फिल्म में भी कई ऐसे सीन हैं जो बेहद तनावपूर्ण हैं, लेकिन इसमें कई कॉमेडी सीन भी हैं। तो यह एक अच्छा संयोजन है। लोगों को दोनों पसंद आते हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी, मिथिला पालकर, राजपाल यादव और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

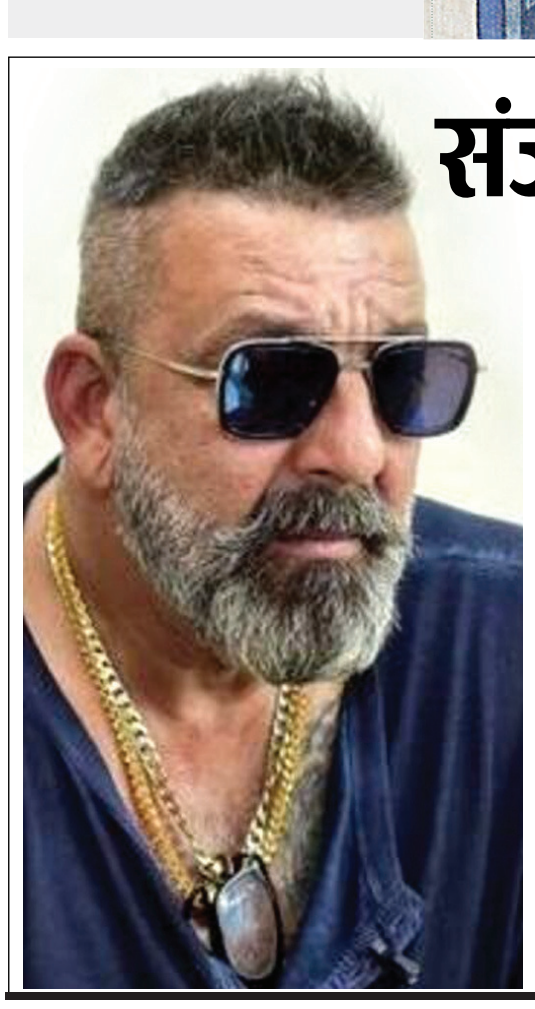

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज

एक तरफ जहां संजय दत्त की नई फिल्म 'आखिरी सवाल' की रिलीज डेट सामने आ गई है, वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की रिलीज आगे खिसक गई है। अब वन की रिलीज डेट पर 'आखिरी सवाल' आएगी और 'वन' 28 अगस्त को रिलीज होगी।

'धुरंधर 2' में चौधरी असलम के किरदार से गर्दा उड़ाने के बाद संजय दत्त अब नई फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आएंगे, जिसका नया पोस्टर सामने आया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की नई रिलीज डेट भी सामने आई है। पहले यह फिल्म 15 मई को थिएटर्स में आने वाली थी, पर अब यह आगे खिसका दी गई है। अब इसकी जगह 15 मई को संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' रिलीज होगी। यहां दोनों फिल्मों की कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी सारी जानकारी दे रहे हैं:

'आखिरी सवाल' के नए पोस्टर में संजय दत्त

सबसे पहले बात 'आखिरी सवाल' की। फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच इसे लेकर खलबली मच नए पोस्ट और रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। 'आखिरी सवाल' 15 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसे नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है। 'आखिरी सवाल' में आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया जाएगा। 'आखिरी सवाल' के पोस्टर में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है, जिसे फिल्म में दिखाया जाएगा। एक बड़े 'क्वेश्चन मार्क' के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती है, और वो है- वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है।

'आखिरी सवाल' में RSS के सफर की भी कहानी इसके अलावा, 'आखिरी सवाल' दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक- RSS के 100 साल के सफर की सच्ची कहानी भी बताएगी। इसकी स्थापना साल 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी, जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया। यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी, जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं।

'आखिरी सवाल' में संजय दत्त के अलावा अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे स्टार्स हैं। जबकि प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'वन' 28 अगस्त को होगी रिलीज

अब बात सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की' की। यह एक फोक थ्रिलर है, जो पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, पर अब 28 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर थिएटर्स में दस्तक देगी। इसकी जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ङ्क पर एक ट्वीट में दी है। 'वन' को अङ्कस्र के अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। वहीं, प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मॉम शोभा कपूर हैं। 'वन' की कहानी प्राचीन लोक कथाओं और भारत के मंदिरों पर आधारित बताई जाती है। फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशंस पर की जा रही है, जिसमें मध्य भारत के घने जंगल भी शामिल हैं।

सातों महाद्वीपों में से सबसे ठंडा महाद्वीप अंटार्कटिका महाद्वीप है। वह सबसे दुर्गम तथा मानव-बस्तियों से सबसे दूर स्थित जगह भी है। वह साल के लगभग सभी महीनों में दुनिया के सबसे अधिक तूफानी समुद्रों और बर्फ के बड़े-बड़े तैरते पहाड़ों से घिरा रहता है। इसका कुल क्षेत्रफल 1.4 करोड़ वर्ग किलोमीटर है। क्षेत्रफल की दृष्टि से वह आस्ट्रेलिया से बड़ा है। अंटार्कटिका में बहुत कम बारिश होती है, इसलिए उसे ठंडा रेगिस्तान माना जाता है। वहां की औसत वार्षिक वृष्टि मात्र 200 मिलीमीटर है।

अंटार्कटिका
दुनिया का सबसे ठंडा महाद्वीप

सन 1774 में अंग्रेज अन्वेषक जेम्स कुक अंटार्कटिका वृत्त के दक्षिण में किसी भूभाग की खोज में निकल पड़ा। उसे बर्फ की एक विशाल दीवार मिली। उसने अनुमान लगाया कि इस दीवार के आगे जमीन होगी। उसका अनुमान सही था, वह अंटार्कटिका की दहलीज तक पहुंच गया था। पर स्वयं अंटार्कटिका पर पैर रखने के लिए मनुष्य को 75 साल और लगे। आर्कटिक (उत्तरी ध्रुव) और अंटार्कटिका (दक्षिणी ध्रुव) में काफी अंतर है। सबसे महत्वपूर्ण अंतर यह है कि अंटार्कटिका में आर्कटिक से छह गुणा अधिक बर्फ है। यह इसलिए क्योंकि अंटार्कटिका एक महाद्वीप है, जबकि आर्कटिक क्षेत्र मुख्यत: एक महासागर है। अंटार्कटिका की बर्फ की औसत मोटाई 1.6 किलोमीटर है। अंटार्कटिका महाद्वीप का अधिकांश भाग पर्वतों के उभरे हुए कंधों और चोटियों से बना हुआ है।अंटार्कटिका का मौसम बिरले ही पाले और बर्फीली हवाओं से मुक्त रहता है। इस महाद्वीप में शायद मात्र 2,000 वर्ग किलोमीटर खुली जमीन है। साल में केवल 20 ही दिन तापमान शून्य से ऊपर रहता है। पृथ्वी की सतह पर मापा गया सबसे कम तापमान भी अंटार्कटिका में ही मापा गया है। सोवियत रूस द्वारा स्थापित वोस्टोक नामक शोधशाला में 24 अगस्त 1960 को तापमान -88.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया। अंटार्कटिका के बारे में सही ही कहा गया है कि वह पवनों की राजधानी है। कभी-कभी 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं चल पड़ती हैं, जो जमीन से मिट्टी के कणों को काट कर उड़ा ले जाती हैं। पूरे अंटार्कटिका महाद्वीप में मात्र 70 प्रकार की जीवधारियां खोजी गई हैं। इनमें से 44 कीड़े-मकोड़े हैं। सबसे बड़ा कीड़ा एक प्रकार का पंखहीन मच्छर है। जोंख, खटमल, मक्खी, जुए आदि भी वहां काफी संख्या में पाए जाते हैं। अंटार्कटिका में कोई स्थलीय स्तनधारी प्राणी नहीं है, पर बहुत से समुद्री स्तनधारी उसके तटों पर विश्राम करने आते हैं, या उसके आसपास के समुद्रों में आहार खोजते हैं। इनमें शामिल हैं कई प्रकार की व्हेलें और दक्षिणी ध्रुव के आसपास रहनेवाले पांच प्रकार के सील -केकड़ाभोजी सील, तेंदुआ सील, रोस सील, वेडेल सील और गजसील। रोस सील अत्यंत दुर्लभ प्राणी है, जबकि वेडेल सील तटों के नजदीक ही रहता है। सभी सीलों में बड़ा गजसील है। वह प्रजनन तो अंटार्कटिका के निकट के द्वीपों में करता है, लेकिन अंटार्कटिका के आसपास भोजन की तलाश करने आता है।

अंटार्कटिका के पास के समुद्रों में बिना दांतवाली व्हेलें काफी मात्रा में पाई जाती हैं। उन्हें एक समय मांस, चर्बी आदि के लिए बड़े पैमाने पर मारा जाता था। आज उनके शिकार पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा हुआ है। अंटार्कटिका में पाए जानेवाले पक्षियों में शामिल हैं दक्षिण ध्रुवीय स्कुआ तथा अडेली और सम्राट पेंग्विन।

अंटार्कटिका में शाकाहारी प्राणी अत्यंत दुर्लभ हैं, कारण कि वनस्पति के नाम पर वहां शैवाल (लाइकेन), काई आदि आदिम पौधों की कुछ जातियां और केवल दो प्रकार के फूलधारी पौधे ही हैं। अंटार्कटिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वहां अनेक प्रकार के वैज्ञानिक प्रयोग किए जा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने वहां पृथ्वी की चुंबकीय विशेषताओं, मौसम, सागरीय हलचलों, जीवों पर सौर विकिरण के प्रभाव तथा भूगर्भविज्ञान से संबंधित अनेक प्रयोग किए हैं।

भारत सहित अनेक देशों ने अंटार्कटिका में स्थायी वैज्ञानिक केंद्र स्थापित किए हैं। इन देशों में शामिल हैं चीन, ब्राजील, आर्जेन्टीना, कोरिया, पेरू, पोलैंड, उरूग्वे, इटली, स्वीडन, अमरीका, रूस आदि। भारत द्वारा स्थापित प्रथम पड़ाव का नाम था दक्षिण गंगोत्री। जब यह पड़ाव पानी के नीचे आ गया, तो मैत्री नामक दूसरा पड़ाव 1980 के दशक में स्थापित किया गया। सदियों से अंटार्कटिका प्रदूषण के खतरे से मुक्त था, पर अभी हाल में वैज्ञानिकों ने वहां की बर्फ में भी डीडीटी, प्लास्टिक, कागज आदि कचरे खोज निकाले हैं, जो वहां स्थापित वैज्ञानिक शिविरों से पैदा हुए हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि अंटार्कटिका में 900 से भी अधिक पदार्थों की महत्वपूर्ण खानें हैं। इनमें शामिल हैं सीसा, तांबा और यूरेनियम। अंटार्कटिका पर अभी किसी देश का दावा नहीं है, न ही विभिन्न देशों के कुछ वैज्ञानिक शिविरों के सिवा वहां कोई मानव बस्तियां ही हैं। पर क्या यह स्थिति हमेशा ऐसी बनी रह पाएगी? जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जाएगी, अमरीका, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया आदि महाद्वीपों के समान इसके उपनिवेशीकरण के लिए भी होड़ मच सकती है। यदि वहां किसी महत्वपूर्ण खनिज (जैसे, सोना, पेट्रोलियम, आदि) की बड़ी खानों का पता चले, तो भी उन पर अधिकार जमाने के लिए अनेक देश आगे आएंगे। पृथ्वी के गरमाने से अंटार्कटिका की काफी बर्फ पिघल सकती है, जिससे वहां काफी क्षेत्र बर्फ से मुक्त हो सकता है और मनुष्य के रहने लायक बन सकता है। इससे भी अंटार्कटिका में मनुष्यों का आना-जाना और बसना बढ़ सकता है। पर्यटन भी इसमें योगदान कर सकता है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकीय विकास होगा, ऐसे उपकरण उपबल्ध होने लगेंगे जो अंटार्कटिका जैसे अत्यंत ठंड वाले इलाकों में भी सामान्य जीवन बिताने को सुगम बनाए।

इसलिए 17वीं 18वीं सदी में श्वेत जातियों द्वारा अफ्रीका, द. अमरीका आदि में जो लूट-खसोट और विनाश लीला मचाई गई थी, उससे इस अनोखे परिवेश को बचाने और इस महाद्वीप के अधिक संतुलित और समस्त मानव-जाति के हित में उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 1959 में 12 देशों ने अंटार्कटिका संधि में हस्ताक्षर करके इस महाद्वीप को सैनिक गतिविधियों और खनन से मुक्त रखने का निर्णय लिया। अब इस संधि में 46 देशों ने हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिसमें भारत भी शामिल है।

दक्षिण ध्रुव की दुनिया

दोस्तो जरा सोचो, यूरोप और अमेरिका के उन इलाकों का क्या हाल होगा, जहां आये दिन बर्फीले तूफान आते हैं। इतना ही नहीं, दक्षिणी ध्रुव एक ऐसी जगह है, जहां पूरे साल बर्फ जमी रहती है। हाल ही में अंटार्कटिका को दुनिया की सबसे ठंडी जगह के रूप में दर्ज किया गया है...

बर्फ का रेगिस्तान

- दक्षिणी ध्रुव (साउथ पोल) पृथ्वी के सुदूर दक्षिणी हिस्से में स्थित है। यह स्थान अंटार्कटिका महाद्वीप में है।
- 9 हजार फीट से भी अधिक बर्फ की मोटी चादर यहां सालों भर बिछी रहती है। यही कारण है कि यहां उत्तरी ध्रुव (पृथ्वी के सुदूर उत्तर में) की अपेक्षा कई गुना ज्यादा ठंड पड़ती है।
- (-89.2) डिग्री होता है यहां का न्यूनतम औसत तापमान।
- यहां छह महीने का दिन और छह महीने की रात होती है। यहां वर्ष में एक बार सितंबर में सूर्योदय होता है, तो मार्च में सूर्यास्त।
- दक्षिणी ध्रुव का 2 प्रतिशत भाग चट्टानों और 90 प्रतिशत भाग बर्फ से बना है। चट्टानों पर काई (मॉस) और लाइकेन पाए जाते हैं। पेंगुइन यहां पाया जाने वाला प्रमुख जीव हैं।

पहला कदम

- 102 साल पहले 14 दिसंबर, 1911 को नार्वे के रोएल्ड एमुंडसन ने दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखा था।
- इसके बाद जनवरी 1912 में ब्रिटेन के खोजी रॉबर्ट फाल्कन स्कॉट यहां पहुंचे तो, लेकिन बेहद खराब मौसम, भूख और विकसित कपड़े न होने के कारण लौटते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।
- 1928 में अमेरिकी नौसेनाध्यक्ष रिचर्ड एवलिन बायर्ड ने साउथ पोल की यात्रा हवाई जहाज से की।

रिसर्च स्टेशन

- दक्षिणी ध्रुव पर रिसर्च करने के लिए 1956-57 में अमेरिका ने सबसे पहला रिसर्च स्टेशन एमुंडसन-स्कॉट साउथ पोल स्टेशन की स्थापना की।
- 30 देश (अक्टूबर 2006 तक) यहां रिसर्च स्टेशन स्थापित कर चुके हैं।

भारतीय पहल

- एनएसएओआर (नेशनल सेंटर फॉर अंटार्कटिक ऐंड ओशन रिसर्च) (भू-विज्ञान मंत्रालय) के तहत भारत अंटार्कटिका आधारित अपना रिसर्च वर्क करता है। हर साल नवंबर-दिसंबर के महीने में भारत दक्षिणी ध्रुव के लिए अपना मिशन भेजता है।
- 1983 में यहां पहले भारतीय रिसर्च बेस दक्षिण गंगोत्री की स्थापना हुई। दक्षिणी ध्रुव की स्थिति बदलते रहने के कारण यह अब बर्फ के अंदर समा गया है।
- 1989 में दूसरा रिसर्च स्टेशन मैत्री स्थापित किया गया।
- 2012 में भारत का तीसरा रिसर्च स्टेशन भारती स्थापित हुआ।

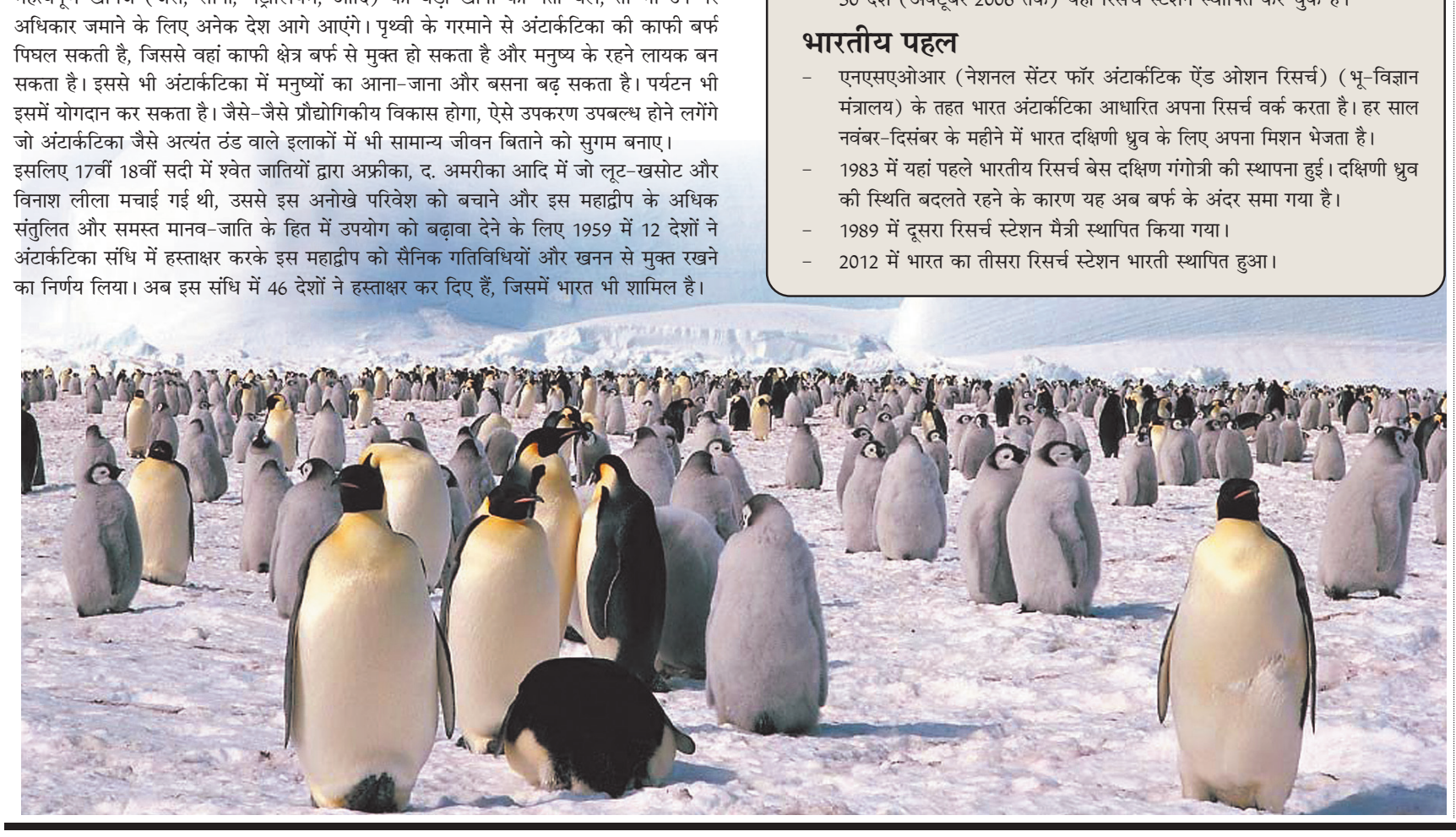

फ्लेमिंगो से सीखो
साथ निभाना

फ्लेमिंगो पानी में तैरने वाली ऐसी चिड़िया है, जो बहुत ही सामाजिक है। ये ज्यादातर झुंड में रहने में विश्वास करती हैं। इनके झुंड में हजार से भी ज्यादा फ्लेमिंगो एक साथ रहती हैं। अमेरिका में फ्लेमिंगो की चार प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि दो प्रजातियां विश्व के ज्यादातर जगहों पर पाई जाती हैं। फ्लेमिंगो एक पैर पर कई घंटों तक खड़ी रह सकती हैं। ये अपना दूसरा पैर अपने पंखों के बीच छिपा लेती हैं। हाल ही में हुए रिसर्च में यह बात सामने आई कि वे शायद ज्यादा से ज्यादा बॉडी हीट कंजर्व करने के लिए ऐसा करती हैं।

सामाजिक जीवनशैली

फ्लेमिंगो बहुत ही सामाजिक पक्षी है। इन्हें बड़े-बड़े झुंडों में रहना पसंद है। इनके झुंड बना कर रहने से ही ये शिकारियों से बच पाती हैं, साथ ही भोजन सामग्री बचाने और मिल-बांटकर खाने में इन्हें मजा आता है। झुंड में रहने से इन्हें घोंसला बनाने के लिए जगह ढूंढ़ने में भी सहायता मिलती है। हां, प्रजनन क्रिया से पहले झुंड को 15-20 के ग्रुप में बांट लेते हैं, ताकि सभी एक-दूसरे का अच्छे से खयाल रख सकें।

शैवाल खाना है पसंद

फ्लेमिंगो ब्लू-ग्रीन शैवाल खाना पसंद करती है। उनके चोंच इस तरह से बने होते हैं कि वह अपने भोजन से कीचड़ और कंकड़-पत्थर को अलग कर देती है। उनकी खुरदुरी जीभ भी उसे इस काम में बहुत मदद करती है।

खास बातें

प्रारंभ में इजिप्टियन कल्चर में फ्लेमिंगो को भगवान माना जाता था, सूर्य भगवान की तरह उनकी पूजा की जाती थी। फ्लेमिंगो की छह प्रजातियां होती हैं, जिसमें दो विश्व में हर जगह पाई जाती हैं। बाकी चार साउथ अमेरिका, मध्यपूर्व अफ्रीका और यूरोप में पाई जाती हैं।

वैसे तो ये तैरने वाली चिड़िया हैं, लेकिन ये तेज रफ्तार से उड़ने के लिए भी जानी जाती हैं। यह 35 मील प्रति घंटा की गति से उड़ सकती है।

फ्लेमिंगो साल में एक ही अंडा देती है, लेकिन उसकी देखभाल बहुत अच्छी तरह से करती हैं।

इनके पंख गुलाबी, लाल या नारंगी इसलिए होते हैं क्योंकि उनके भोजन में कैरोटीनॉयड पिगमेंट होता है।

इसका भोजन झींगा, शैवाल और प्लवक है।

फ्लेमिंगो के पैर पूरे शरीर से अधिक लंबे होते हैं। इनकी लंबाई 30-35 इंच होती है।

फ्लेमिंगो बच्चे की देखभाल 6 साल तक करते हैं।

फ्लेमिंगो सबसे ज्यादा जीने वाली चिड़िया है, उनकी उम्र 40 वर्ष तक होती है।

फ्लेमिंगो अपना घोंसला कीचड़ में बनाती हैं और वहीं अंडा देती हैं। नर-मादा दोनों मिल कर उसकी देखभाल करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से अन्य जीवों की तरह फ्लेमिंगो भी प्रभावित हो रही हैं, क्योंकि वे रेनफॉल पर ही निर्भर करती हैं।

अनमोल धरोहर का केंद्र
लूव्र म्यूजियम

फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित लूव्र म्यूजियम दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिमों में एक है। 6,52,300 वर्गफीट में फैले म्यूजियम में 35,000 से ज्यादा ऐतिहासिक धरोहर मौजूद हैं। इस म्यूजियम में 600 ईपू से लेकर 19वीं शताब्दी तक की चीजें सहेजी गई हैं। कला के शौकीन लोगों और इतिहासकारों के लिए यहां देखने को बहुत कुछ है। मशहूर मोनालिसा की पेंटिंग भी इसी संग्रहालय में मौजूद है। ऐसे तो सिर्फ पेरिस शहर में नब्बे से भी अधिक छोटे-बड़े संग्रहालय हैं, पर लूव्र म्यूजियम की बात ही कुछ और है।

कहानी लूव्र की

लूव्र म्यूजियम की इमारत मूल रूप से एक मध्यकालीन किला थी। फिलिप अगस्त ने 1200 ई. में इसे बनवाया था। शुरुआत में इस किले का नाम लुपारा था जिसे बाद में बदलकर लूव्र कर दिया गया। चार्ल्स पंचम ने 14वीं सदी में लूव्र को एक शाही महल में बदल दिया। फ्रांस में हुए विभिन्न युद्धों के दौरान यह लगभग 150 साल तक उपेक्षित रही। पेरिस में जब योद्धा वापस आए, तो इस किले के रिइनोवेशन का काम किया गया। 1739 में इसे पूर्णत: म्यूजियम का रूप दिया गया। फ्रांसीसी क्रांति के दौरान इस म्यूजियम को पहचान मिली।

खजाने में है बहुत कुछ

लूव्र म्यूजियम बहुत बड़ी है, इसलिए इसे कई हिस्सों में बांटा गया है। ओरिएंटल पुरावशेषों को देखने के लिए ही अच्छा खासा समय लग जाता है। मिश्र की प्राचीन सभ्यता का प्रामाणिक परिचय पाने के लिए भी लूव्र म्यूजियम प्रसिद्ध है। यूनानी और रोमन पुरावशेषों के भी अद्भुत रूप इस म्यूजियम में देखे जा सकते हैं।

पेंटिंग का कलेक्शन

लूव्र के पेंटिंग कलेक्शन को विश्व का सबसे अच्छा कलेक्शन माना जाता है। हालांकि, संख्या के मामले में यह विश्व का नंबर एक नहीं है, पर गुणवत्ता और विविधता की दृष्टि से इसे नंबर एक माना जाता है। स्वाभाविक रूप से इस संग्रह में दो तिहाई हिस्सा फ्रांसीसी चित्रकला का है, पर इटली के महान चित्रकारों की कला के अद्वितीय रूप भी लूव्र म्यूजियम में मौजूद हैं।